फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

फरीदाबाद , शनिवार 13 सितंबर 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 254 Email : bhedinazardaily@gmail.com RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

बराक-8 बनेगा भारत के एयर डिफेंस का नया स्तंभ

● एस-400 के साथ स्ट्रैटजिक प्लान पर बड़ा खुलासा ● इजरायली 'लक्ष्मण रेखा' से होगी रक्षा,नेवी भी ऐक्टिव

तेल अवीव/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने हाल ही में एक मल्टी लेयर्ड डिफेंस सिस्टम बनाने की अपनी रणनीतिक योजना पेश की है। इस प्लान के तहत भारत के एयर डिफेंस शील्ड में इजरायली बराक-8 डिफेंस सिस्टम को शामिल किया गया है। बराक-8 को और कई नामों से भी जाना जाता है। बराक-8 को विमान, हेलीकॉप्टर, एंटी-शिप मिसाइल और यूएवी के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और लड़ाकू जेट सहित किसी भी प्रकार के हवाई खतरे से बचाव के लिए डिजाइन किया गया है। इस सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने भारत के साथ मिलकर डेवलप किया है। आपको बता दें कि साल 2017 और 2023 के बीच, यह सिस्टम इजरायली डिफेंस इंडस्ट्री के अब तक के सबसे बड़े सौदे का स्रोत रही। अप्रैल 2017 में भारत ने करीब 1.6 अरब डॉलर में बराक 8 सिस्टम को खरीदा था और लगभग एक महीने बाद 630 मिलियन डॉलर में बराक 8 मिसाइलों के नौसैनिक वैरिएंट को भी भारत ने खरीदा था। भारतीय युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर पर बराक-8 एयर डिफेंस सिस्टम को तैयार किया गया है। इसके अलावा एजेंसी ने साल 2023 में जर्मनी को करीब 3.5 अरब डॉलर में एरो-3 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की बिक्री की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रमुख शहरों और महत्वपूर्ण औद्योगिक ठिकानों में एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने की घोषणा लाल किले से की थी। ऐसे में बराक-8 भले ही इजरायल के साथ मिलकर बनाया गया हो, लेकिन इसे अब स्थानीय उत्पादन और तकनीकी ट्रांसफर के साथ भारत की रक्षा परियोजनाओं में शामिल किया जा रहा है। मोदी ने लक्ष्य रखा है कि 2035 तक देश की सभी सामरिक और संवेदनशील सुविधाओं को फुल सिक्योरिटी कवरेज प्रदान किया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि न्यूक्लियर इंस्टॉलेशंस, बड़े एयरबेस, मेट्रोपॉलिटन शहरों और सैन्य ठिकानों को पूरी तरह से एयर डिफेंस शील्ड के तहत लाया जाएगा। बराक-8 इस मामले में एक शानदार विकल्प बनता है, क्योंकि ये पहले ही अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर चुका है और इसे इजरायल के साथ साथ भारत में भी कुछ जगहों पर तैनात किया गया है। मई में पाकिस्तान ने जब भारत पर फतह मिसाइल दागी थी, उसे हरियाणा में सिरसा के ऊपर बराक डिफेंस सिस्टम ने ही मारा था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी रणनीति के तहत भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने प्रोजेक्ट कुशा पर काम शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट का मकसद लंबी दूरी तक मार करना है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड 4 लोगों की हो गई मौत

● आगरा में 40 गांव डूबे, हिमाचल में बाढ़-बारिश से अब तक 380 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्ट सिक्किम के यांगथांग के अपर रिंबी इलाके में शुक्रवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेज धार नदी में फंसे लोगों का रेस्क्यू भी चल रहा है। यूपी के आगरा में यमुना में बाढ़ है। यहां 25 कॉलोनियां और 40 गांव में 2-5 फीट तक बाढ़ का पानी भरा है। ताजमहल के पीछे बना पार्क पूरी तरह से डूब गया। 5 हजार से ज्यादा लोग रिलीफ कैंप में हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश-बाढ़ के कारण 380 लोगों की मौत हो चुकी है, 40 लापता हैं। सबसे ज्यादा 48 मौतें लैंडस्लाइड में गईं। बादल फटने से 17 की मौत हुई है। आज 3 नेशनल हाईवे समेत 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गंगा के जलस्तर ने 14 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है।

2011 के बाद गंगा बैराज पर जलस्तर 115 मीटर पहुंचा, जिससे गंगा बैराज पर खतरे के निशान पर पहुंच गई। इसके कारण 16 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 500 से ज्यादा परिवार बैराज से बिठूर जाने वाली सड़क पर पॉलीथिन से तंबू बनाकर रहने को मजबूर हैं। फर्रुखाबाद के अमृतपुर तहसील क्षेत्र में गंगा की बाढ़ है। फर्रुखाबाद बदायूं स्टेट हाईवे पर तीन जगह बाढ़ का पानी बह रहा है। जमापुर डिप में एक से डेढ़ फीट पानी बह रहा है। हाईवे पर एक युवक बाढ़ में बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने बहते युवक को किसी तरह बचा लिया। मथुरा के वृंदावन में यमुना नदी का जलस्तर कम होने लगा है। हालांकि, अभी भी यमुना खतरे के निशान से 49 सेमी ऊपर बह रही है। रास्तों से भले ही पानी निकल रहा हो, लेकिन निचले इलाके डूबे हैं।

एससी के हाई सिक्योरिटी जोन में फोटोग्राफी-रील बनाने पर बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किए गए मुख्य परिसर में फोटोग्राफी, सोशल मीडिया रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर बैन लगा दिया है। 10 सितंबर को जारी सर्कुलर में कोर्ट ने मीडियाकर्मियों के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। इस सर्कुलर के मुताबिक कम सुरक्षा वाले लॉन एरिया में ही इंटरव्यू और लाइव टेलीकास्ट कर सकेंगे। अगर मीडियाकर्मी दिशानिर्देशों का

उल्लंघन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के हाई सिक्योरिटी एरिया में उनकी एंट्री एक महीने के लिए बैन की जा सकती है। सुरक्षाकर्मियों के पास किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी सदस्य, वकीलों और आने वाले लोगों को इस जोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोकने का अधिकार होगा। हाई सिक्योरिटी एरिया के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आधिकारिक इस्तेमाल को छोड़कर, वीडियोग्राफी, रील बनाने और फोटो लेने के लिए यूज होने वाले कैमरा, ट्राइपॉड, सेल्फी स्टिक भी इस एरिया में लाने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी वकील, वादी, इंटर्न और लॉ क्लर्क भी अगर दिशा निर्देशों का उल्लंघन करता है तो संबंधित बार एसोसिएशन, स्टेट बार काउंसिल अपने नियमों के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा।

सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम पीएम बनीं

● ली शपथ, काठमांडू के मेयर का मिला समर्थन

● नेपाल में भारतीय पत्रकारों के साथ हुई मारपीट

काठमांडू (एजेंसी)। सुशीला कार्की ने शुक्रवार रात 8.45 बजे नेपाल की अंतरिम पीएम के तौर पर शपथ ग्रहण की। उनके नाम पर फाइनल सहमति बन गई है। नेपाल के राष्ट्रपति संसद भंग

करने के लिए तैयार हो गए हैं। काठमांडू मेयर बालेन शाह और उनके समर्थकों ने सुशीला का समर्थन किया है। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस रह चुकी हैं। दूसरी तरफ नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दौरान भारतीय पत्रकारों के साथ मारपीट और बदसलूकी की कई घटनाएं सामने आई हैं। शुक्रवार को भी दो भारतीय पत्रकारों के साथ बदसलूकी की गई। काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने उनका समर्थन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुशीला कार्की ने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से राजनीति शास्त्र में मास्टर्स किया है। उन्होंने 1979 में वकालत में अपना करियर शुरू किया था। सुशीला कार्की 11 जुलाई 2016 से 6 जून 2017 तक नेपाल की मुख्य न्यायाधीश थीं। 2017 में उनके खिलाफ महाभियोग लाया गया था। सुशीला कार्की पर पूर्वाग्रह और कार्यपालिका में हस्तक्षेप का आरोप लगा था। नेपाल के प्रमुख समाचार चैनल कांतिपुर टेलीविजन ने दोपहर 4 बजे से अपनी रेगुलर ब्रॉडकास्टिंग फिर से शुरू कर दी है। त्रिपुरेश्वर में स्थित इस टीवी स्टेशन को हाल ही में हिंसक आंदोलन के दौरान हुई आगजनी के कारण बंद करना पड़ा था।

दुनिया में लोगों को डर भारत बढ़ा तो हम कहां

संघ चीफ मोहन भागवत ने बताया अमेरिका ने क्यों लगाया टैरिफ

संघ प्रमुख ने पाकिस्तान को पुचकारने की नीति की आलोचना की

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक सभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी टैरिफ पर बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया में लोगों को डर है कि अगर भारत आगे बढ़ा तो हमारा स्थान कहां रहेगा। उनकी जगह कम हो जाएगी, इसलिए वे टैरिफ लगाते हैं। हमने कुछ नहीं किया। पाकिस्तान को पुचकारने पर भी उन्होंने अमेरिका के पॉलिसी की आलोचना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को लगता है कि पाकिस्तान को साथ रखने से भारत पर दबाव बनेगा। आज दुनिया को समाधान की जरूरत है। सात समंदर पार होने के बावजूद भी मैं-मेरा के चक्कर में उन्हें भारत से डर लगता है। उन्होंने अपनी दृष्टि के आधार पर हल निकालने के प्रयास किए, मगर समाधान नहीं मिला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमख मोहन भागवत ने संत तुकाराम का उदाहरण देते हुए आरएसएस ने कहा कि निंदा करो या स्तुति करो, हमें अपना स्वार्थ साधना है। तुकाराम का स्वार्थ पूरा विश्व उनका था। मगर जब अपने 'स्व' को मंदबुद्धि में बंद कर देते हैं तो झगड़े का कारण बनता है। व्यक्तियों से लेकर राष्ट्रों के झगड़ों का मूल कारण यही है। हमें चाहिए, मुझे चाहिए की भावना होती है, बाकी दुनिया को क्या चाहिए, इसका विचार नहीं किया जाता है। टैरिफ लागने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रुख में बदलाव किया है। जिसका भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया, हालांकि अमेरिका के टैरिफ अभी भारत पर लगे हुए है। मोहन भागवत यह बयान उनके जन्मदिन के मौके पर आया है। 11 सितंबर को मोहन भागवत ने 75 साल की आयु पूरी की थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। भागवत ने अपने जन्मदिन से एक पहले भी एक कार्यक्रम में कहा था कि हम विश्व को नया रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने कहा था कि विश्व हमको गुरु कहेगा, लेकिन हम विश्व को मित्र कहेंगे।

जमानत पर बाहर रहने वाले सत्ता का देख रहे सपना

● पटना में अनुराग ठाकुर का तेजस्वी यादव पर सख्त तंज ● एसआईआर पर कहा-विपक्ष हार छुपाने का ढूंढ़ रही बहाना

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर शुक्रवार को पटना पहुंचे हैं। जिस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट पर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री की मां का वर्चुअल वीडियो सोशल मीडिया पर डाले जाने पर कहा कि राजनीति का स्तर कितना हल्का हो सकता है यह राजद और कांग्रेस ने बता दिया। प्रधानमंत्री की मां का पहले ही स्वर्गवास हो चुका है और उस संवेदनशील अवधि के दौरान इस तरह का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर फैलाना निंदनीय है। मां को गाली देने वालों का रिश्ता राजद और कांग्रेस से ही हो सकता है। तेजस्वी ने यह दावा किया है कि बिहार के उपमुख्यमंत्री आवास से अपराधी अपराध की योजना बना रहे हैं। इस पर ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि, ठाकुर ने आगे कहा कि वे लोग जो बार-बार चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, वही ईवीएम पर विवाद खड़ा करते हैं। जब पर्ची पर वोट पड़ा तब पर भी विपक्ष उपराष्ट्रपति चुनाव हार गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने आत्मा की आवाज सुनकर सत्ता पक्ष को वोट दे दिया। अनुराग ठाकुर ने एसआईआर (वोटर लिस्ट पुनरीक्षण) को लेकर उठ रहे सवालों पर पलटवार किया है।

पीएम के सपने में आईं मां

बोलीं-राजनीति के लिए कितना गिरोगे

बिहार कांग्रेस का एआई वीडियो पोस्ट, गिरिराज ने कहा-राहुल गांधी की मां नकली, गिर गए हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में वोट अधिकार यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने पर मचे बवाल के बाद बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक एआई जनरेटेड वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो के बाद बिहार में सियासी पारा चढ़ गया है। 36 सेकेंड के एआई जेनेरेटेड वीडियो में पीएम मोदी से मिलते शख्स और उनकी दिवंगत मां हीराबेन से मिलती जुलती महिला को दिखाया गया है।

वीडियो के कैप्शन में लिखा है- साहब के सपनों में आईं मां। देखिए रोचक संवाद। गुरुवार रात शेयर हुए इस वीडियो में दिखाया गया है, प्रधानमंत्री के सपने में उनकी मां आकर कह रही है कि

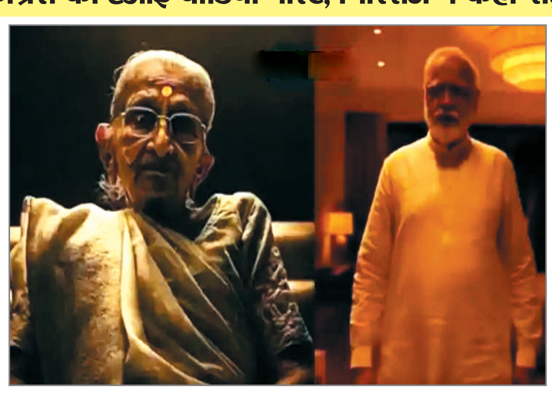

राजनीति के लिए कितना गिरोगे। भाजपा ने इस वीडियो को प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक बताते हुए कांग्रेस पर हमला किया है। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस ने राजनीतिक बहस का स्तर गिरा कर सारी हदें पार कर दी हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी अब इतना नीचे गिर गए हैं। जैसे उनकी नकली मां है, अपनी मां की इज्जत का ख्याल नहीं है। वह दूसरे की मां को कहां से सम्मान देंगे। इससे 12 घंटे पहले बिहार बीजेपी के ङ्ग हैंडल से एक एआई जनरेटेड वीडियो शेयर किया गया था। जिसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को मीडिया से बात करते हुए दिखाया गया। वीडियो में सीएम फेस को लेकर सवाल हो रहा है। जिसके बाद राहुल के पीएम बनने और तेजस्वी के सीएम बनने पर दोनों बहस करते दिखाई दे रहे हैं। बिहार कांग्रेस के एक्स हैंडल पर जो एआई जनरेटेड वीडियो जारी किया गया है। उसके कैप्शन में लिखा है, साहब के सपनों में आईं मां। इसके बाद दो किरदार दिखाए गए हैं। जिसमें एक बुजुर्ग महिला (पीएम की मां से मिलती-जुलती) एक शख्स (पीएम से मिलते-जुलते) के सपनों में आती हैं। कहती हैं अरे बेटा पहले तो तुमने मुझे नोटबंदी की लाइनों में खड़ा किया।

● जेडीयू सांसद बोले-कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए

जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, कांग्रेस से गांधीवादी विचारधारा की उम्मीद नहीं की जा सकती है। देश के सम्मानित पद पर बैठे प्रधानमंत्री और उनकी मां को जो पार्टी गाली देने से न हिचके, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पहले प्रधानमंत्री और उनकी मां को गाली दी गई। अब एआई जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दोबारा इस रिश्ते का अपमान किया गया। देश की जनता सब कुछ देख रही है। ये अपमान नहीं सहेगी।

सीपी राधाकृष्णन बने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति

सितंबर 2030 तक होगा कार्यकाल, इस्तीफा देने के 53 दिन बाद दिखे जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने 15वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राधाकृष्णन का कार्यकाल 11 सितंबर 2030 तक होगा। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू भी समारोह में पहुंचे। इस्तीफा देने के 53 दिन बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। धनखड़ ने 21 जुलाई को हेल्थ इश्यू के कारण इस्तीफा दिया था। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को 9 सितंबर को भारत का 15वां उपराष्ट्रपति चुना गया। उन्हें विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के मुकाबले 452 वोट मिले।

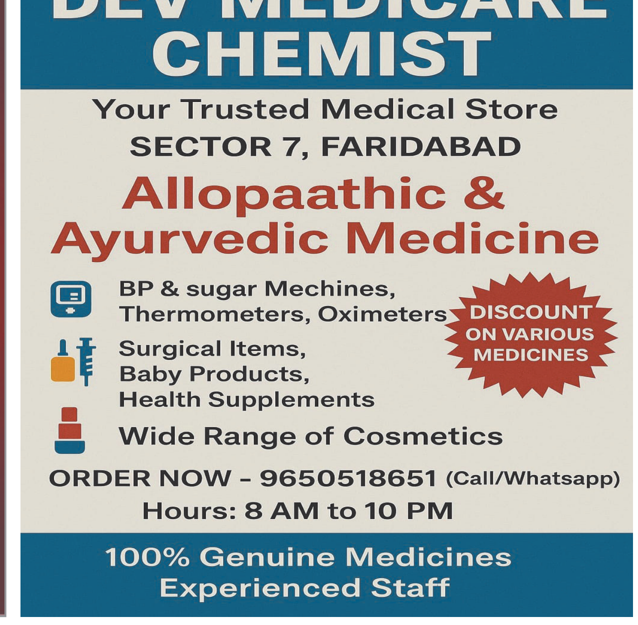

एस ई ऑफिस फरीदाबाद के प्रांगण में एक चुनावी कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ऑपरेशन सर्कल फरीदाबाद में एच एस ई बी वर्कर्स यूनियन सम्बंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ की तरफ से एस ई ऑफिस फरीदाबाद के प्रांगण में एक चुनावी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस चुनाव में विनोद शर्मा जे ई को वर्ष 2025 से 2028 के लिए सर्कल सचिव के पद पर विजेता घोषित किया गया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी पर 23 वोट से जीत दर्ज की। इसी चुनावी कड़ी की निरंतरता में गत दिवसों में ऑपरेशन डिवीजन एन आई टी फरीदाबाद के लिए छठवीं बार लेख राज चौधरी एल डी सी ने प्रधान पद पर जीत हासिल की और मुकेश शर्मा ए एस एस ए को यूनिट सचिव बनाया गया। ऑपरेशन डिवीजन बल्लबगढ़ के चुनाव में अशोक लाम्बा एल डी सी को प्रधान व सत्य प्रकाश चौहान ए एफ एम को सचिव के पद पर विजयी घोषित किया गया। ऑपरेशन

डिवीजन ओल्ड फरीदाबाद यूनिट के लिए प्रधान पद पर सतीश कुमार छाबड़ी ए एफ एम व सचिव के पद पर सत्यवान ए एफ एम के साथ साथ ललित जांगड़ा को भी सर्वसम्मति से चेयरमैन के पद पर चुना गया। डी एच बी वी एन ऑपरेशन डिवीजन ग्रेटर फरीदाबाद की यूनिट के लिए सर्वसम्मति से सुनील चौहान एल डी सी को तीसरी बार प्रधान रवि दत्त शर्मा एस एस ए को यूनिट सचिव तथा वीर सिंह को चेयरमैन चुना गया। इसी तरह से फरीदाबाद सर्कल की चारों यूनिटों की कार्यकारिणी के चुनावों को अमलीजामा पहनाया गया। इन चुनावों के लिए एच एस ई बी वर्कर्स यूनियन की प्रदेश स्तरीय एडहॉक कमेटी की ओर से वरिष्ठ कर्मचारी नेता राज बीर रोहिल्ला, महेन्द्र सिंह, मो. तारिक हुसैन व हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला फरीदाबाद के प्रधान देवी दयाल दिसोदिया को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। जिनकी देख रेख में चुनाव पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ शांति पूर्वक तरीके के से सम्पन्न किए गए। एच एस ई बी वर्कर्स यूनियन फरीदाबाद के नव निर्वाचित सर्कल सचिव विनोद शर्मा व पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन फरीदाबाद के जिला प्रधान देवी दयाल दिसोदिया ने बिजली कर्मचारियों व पेंशनर्स को एक साथ चलने का भरोसा दिया। इस अवसर पर राम निवास, सुभाष चंद त्यागी,संत राम लाम्बा, जय भगवान आंतिल, धर्म सिंह चंदीला व मोहर सिंह जैसे पूर्व कर्मचारी नेताओं के साथ साथ बड़ी संख्या में बिजली कर्मचारी व पेंशनर्स उपस्थित थे। जारीकर्ता- विनोद शर्मा, देवी दयाल दिसोदिया

कब्रिस्तान के विरोध में केन्द्रीय राज्यमंत्री चौ.कृष्णपाल गुर्जर से मिले ग्रामीण

फरीदाबाद। खेड़ी मास्टर रोड़ पर कब्रिस्तान के लिए भूमि अलॉट करने के विरोध में पूर्व जिला पार्षद एडवोकेट जगत सिंह भाटी के नेतृत्व में कई गांव के सैकडों ग्रामीण केन्द्रीय राज्यमंत्री चौ. कृष्णपाल गुर्जर से उनके सेक्टर-28 स्थित कार्यालय पर मिले और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर संजय सरपंच भूपानी,सुधीर सरपंच नचौली,सतपाल नर्वत खेड़ी,धनसिंह नंबरदार ददसिया,अजय चौहान महावतपुर मुख्य रूप से मौजूद थे। पूर्व जिला पार्षद जगत सिंह भाटी ने मंत्री जी को बताया की जहां पर भूमि अलॉट की गई है वहां दूर दूर तक मुस्लिम आबादी नहीं है ऐसे में इसका कोई औचित्य नहीं है। इसलिए ग्रामीणों को भावनाओं को समझते हुए इसे यहां से हटा देना चाहिए। संजय भाटी सरपंच भूपानी ने कहा कि मंत्री जी हम आपके पास बहुत उम्मीद से आए है और हमें विश्वास है कि आप आसपास रहने वाले गांव के लोगों को निराश नहीं करेगें। लोगों की बात सुनने के बाद मंत्री जी ने आश्वासन दिया कि आपको धबराने के जरूरत नहीं है और उन्होनें तुरंत एचएसवीपी प्रशासक से बात कर इस समस्या को हल करने के लिए कहा।

फरीदाबाद दर्शन के संपादक शिवकुमार ओझा का हुआ निधन

फरीदाबाद। फरीदाबाद में लगभग 38 वर्षो से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय कर्मठ एवं निर्भीक पत्रकार पंडित शिवकुमार ओझा का दिनांक 10 सितंबर 2025 को एक्सीडेंट के दौरान लगी चोट के इलाज के कारण

निधन हो गया। पत्रकारिता के क्षेत्र के लंबे सफर में उन्होंने अपनी शुरुआत अपने मूल निवास प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश में प्रकाशित लोकमित्र नामक साप्ताहिक पत्र से की। श्री ओझा अपने सौम्य एवं सरल स्वभाव के लिए फरीदाबाद में काफी विख्यात थे। भगवन नाम के उद्घोधन से फरीदाबाद में वह काफी चर्चित थे। फरीदाबाद में वरिष्ठ पत्रकारों में शिवकुमार ओझा जी का नाम प्रख्यात था। पिछले 38 वर्षो से वह फरीदाबाद दर्शन का प्रकाशन साप्ताहिक रूप से करते आ रहे थे। उनके जाने से फरीदाबाद दर्शन से जुड़े सभी लोगों को अपूरणीय क्षति हुई है।

हरियाणा आवास बोर्ड की ओर से विभिन्न आवास योजनाओं के आवेदकों को जमा राशि की जाएगी रिफंड : उपायुक्त

फरीदाबाद, । हरियाणा आवास बोर्ड की ओर से रक्षा और बीपीएल/ईडब्ल्यूएस श्रेणियों सहित विभिन्न आवास योजनाओं के आवेदकों को जमा राशि वापस करने के का निर्णय लिया गया है और इस कार्य को प्राथमिकता दी गई है।उपायुक्त विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त श्रेणियों सहित विभिन्न आवास योजनाओं के ऐसे आवेदक जिनके आवंटन रद्द कर दिए गए थे, वापस कर दिए गए थे या योजनाएं वापस ले ली गई थीं, को जमा राशि वापस रिफंड की जाएगी। उन्होंने बताया कि आवेदकों को समय पर, पारदर्शी और परेशानी मुक्त भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पीएमएस पोर्टल के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी आवेदकों को अगले तीन महीनों के अंदर-अंदर जमा कराई धन राशि रिफंड कर दी जाएगी।उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि आवंटियों की सहायता के लिए सभी हरियाणा आवास बोर्ड संपदा कार्यालयों में समाधान शिविर शुरू किए गए हैं तथा सार्वजनिक सूचनाएं व्यापक रूप से प्रसारित की गई हैं और आवेदक अब अपने दावे ऑनलाइन या अपने निकटतम संपदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

> ● आवंटियों की सहायता के लिए हरियाणा आवास बोर्ड संपदा कार्यालयों में समाधान शिविर किए गए हैं शुरू

नरवाना में मधुर गोयल बने अग्रवाल वैश्य समाज युवा इकाई के हरियाणा प्रदेश संगठन मंत्री

नरवाना, (नरेन्द्र सिंहमार)अग्रवाल वैश्य समाज युवा इकाई में एक महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए मधुर गोयल को हरियाणा प्रदेश का संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक बुवानीवाला एवं युवा इकाई के महासचिव अक्षत केसरिया, हिमांशु गोयल व मुकेश बंसल द्वारा संयुक्त रूप से की गई।नवनियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री मधुर गोयल ने इस विश्वास और जिम्मेदारी के लिए समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो दायित्व सौंपा है उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को संगठन से जोड़ना सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना और सेवा कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता में रहेगा।मधुर गोयल की इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर समाज में हर्ष का माहौल है। महिला विंग की प्रदेश सचिव सोनिया मित्तल नरवाना विधानसभा अध्यक्ष अर्जुन गोयल, कैलाश सिंगला, दीपक सिंगला, विकास मित्तल, पवन मित्तल, राहुल गर्ग, मनोज गर्ग सहित अनेक समाजसेवियों ने मधुर गोयल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।समाज जनों का मानना है कि मधुर गोयल का संगठन में सक्रिय अनुभव और उनकी कार्यशैली संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। उनकी नियुक्ति से युवाओं में भी नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

जन शिकायतों का समाधान नागरिकों को राहत और संतोष दिलाने वाला हो : सतबीर मान

समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल पर लंबित मामलों की मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा समीक्षा

फरीदाबाद, ।हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल पर लंबित जनशिकायतों की प्रगति का आकलन करना था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी उपायुक्त अपने-अपने जिलों में समाधान शिविरों, सीएम विंडो, जनसंवाद एवं एसएमजीटी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक निपटान सुनिश्चित करें।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के पश्चात अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सतबीर मान ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान शिविर, सीएम विंडो,

एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज सभी शिकायतों का निवारण प्रभावी, दीर्घकालिक एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग यह ध्यान रखे कि शिकायतों की एंट्री सही, स्पष्ट और वास्तविक स्थिति के अनुरूप हो, ताकि मुख्यालय स्तर पर वे दोबारा न खुले। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की पूरी जानकारी रखें और उनकी प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा करना सुनिश्चित करें।

एडीसी सतबीर मान ने कहा कि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल पर दर्ज शिकायतों पर नजर रखे हुए हैं तथा मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला स्तर तक मामलों की समीक्षा की जा रही है। ऐसे में अधिकारियों को चाहिए कि इन माध्यमों पर प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका निस्तारण तय समय सीमा में करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का समाधान करते समय केवल प्रशासनिक या विधिक पक्षों पर ध्यान केंद्रित करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उसमें मानवीय संवेदनशीलता और व्यावहारिक दृष्टिकोण को भी बराबरी से जोड़ा जाना आवश्यक है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि अधिकारियों द्वारा समस्याओं का निपटारा इस तरह किया जाए कि आमजन को वास्तविक राहत और संतोष प्राप्त हो।बैठक में एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीसीपी उषा, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेस क्लब द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए एडीसी सतवीर सिंह मान को सौंपा सहायता राशि का चेक:राकेश सुखवारिया

सुनील कुमार जांगड़ा.

फरीदाबाद.। न्यूज़ पोर्टल प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष राकेश सुखवारिया ने बताया कि समय-समय पर सामाजिक कार्यों के साथ साथ अपना दायित्व निभाता आ रहा है और क्लब प्रधान विनोद वैष्णव के नेतृत्व में न्यूज़ पोर्टल प्रेस क्लब के सदस्यों द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए राशि इकट्ठा कर एडीसी सतवीर सिंह मान को 5100 रुपए का सहायता राशि का चेक दिया गया, संस्था के प्रधान विनोद वैष्णव ने कहा यह एक प्राकृतिक आपदा है और इस आपदा में काफी नुकसान हुआ है जिसमे किसानों की हजारों एकड़ में फैली फसलें बर्बाद हो गई, बहुत से गरीब लोगों के मकान डूब गए और खाने पीने का राशन तक खराब हो गया है , न्यूज़ पोर्टल प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष राकेश कुमार सुखवारिया ने कहा यह एक अच्छी पहल है, हमें इस आपदा में संस्था द्वारा मदद करनी चाहिए , ऐसा करने से पत्रकारों में एक अच्छा संदेश जाएगा, इसके तत्वाधान में आज न्यूज़ पोर्टल प्रेस क्लब द्वारा बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु फरीदाबाद के एडीसी सतबीर सिंह मान के माध्यम से 5100 रुपए का चेक दिया गया, इस सराहनीय कार्य के लिए एडीसी सतबीर मान ने न्यूज़ पोर्टल प्रिंस क्लब और संस्था के पत्रकारों की भूरी भूरी प्रशंसा की

अवैध नशा उपलब्ध कराने मामलों में नाईजीरियन सहित 2 आरोपी गिरफ्तार :डीसीपी मुकेश कुमार

सुनील कुमार जांगड़ा.

फरीदाबाद. ।पुलिस उपायुक्त अपराध मुकेश कुमार के द्वारा नशा तस्करों पर कार्रवाही के दिए गए दिशा निर्देश के अंतर्गत अपराध अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने नशा उपलब्ध कराने के अलग-अलग मामलों में एक नाइजीरियाई अकपुतौका इमेगासिम व एक अन्य युसुफ को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम ने 10 सितंबर को एक आरोपी लक्ष्य को 11.27 ग्राम एम डी एम ए सहित गिरफ्तार किया था, पूछताछ में पता चला कि वह यह अवैध नशा एक नाइजीरियाई व्यक्ति से लेकर आया था, जिस पर कार्रवाही करते हुए अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम ने अकपुतौका इमेगासिम वासी नाईजीरिया हाल चंद्रा विहार, दिल्ली को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। वहीं अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर द्वारा एक अन्य आरोपी युसुफ वासी सरिता विहार, दिल्ली को 10 किलोग्राम गांजा उपलब्ध कराने के मामले में भी गिरफ्तार किया गया है।नाइजीरियन वासी अकपुतौका इमेगासिम को माननीय न्यायालय में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, वहीं यूसुफ को जेल भेजा गया है।

श्री देवगुरु बृहस्पति सेवक ट्रस्ट के तत्वाधान में बल्लभगढ़ में शुक्रवार से एक विशाल श्रीमद् नारद महापुराण कथा का आगाज भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ

फरीदाबाद। श्री देवगुरु बृहस्पति सेवक ट्रस्ट के तत्वाधान में बल्लभगढ़ में शुक्रवार से एक विशाल श्रीमद् नारद महापुराण कथा का आगाज भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ, इसके बाद अग्रवाल धर्मशाला में कथा के पहले दिन व्यास जी महाराज श्री कृष्ण स्वामी जी महाराज ने नारद महापुराण के विषय में बताया कि इस महापुराण में सभी देवताओं के साथ-साथ भक्तों की भक्ति का निचोड़ है, उन्होंने कहा की नारद महामुनि की हमेशा प्रत्येक काल में मान्यता रही है जिसको नकारा नहीं जा सकता।

उल्लेखनीय है कि श्री देवगुरु बृहस्पति सेवक ट्रस्ट प्रत्येक 2 साल में एक महापुराण का संगीतमय व्याख्यान करता है, इस बार श्रीमद् नारद महापुराण कथा का आयोजन शुक्रवार को श्री देवगुरु बृहस्पति देव मंदिर पूर्वी चावला कॉलोनी से निकल गई कलश यात्रा के साथ हुआ, इस कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने एक जैसे वस्त्र पहने एक जैसे कलश धारण किया, महिला भक्तों की उपस्थिति पूरे वातावरण को भक्ति में बना रही थी, सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष भक्ति श्री देव गुरु बृहस्पति देव की पटका लेकर कलश यात्रा की

शोभा बढ़ा रही थे। इस कलश यात्रा का रास्ते में जगह-जगह लोगों ने जोरदार स्वागत कर अपने आप को श्रीमद् नारद महापुराण से सीधे तौर पर जोड़ने का काम किया, कलश यात्रा का लव फामेर्सी नितिन मेडिकल स्टोर, सुमित रिटेल बाजार तथा संजय बैटरी के साथ-साथ मित्तल ट्रेडिंग कंपनी पर जोरदार स्वागत किया गया। कलश यात्रा में दिल्ली रोहिणी से बुलाए गए सिंधी बैंड ने अपनी मधुर धुनों पर सबका मन मोह लिया, कलश यात्रा के दौरान महिलाओं ने भजनों पर जमकर नृत्य भी किया। कथा के पहले दिन व्यास जी महाराज श्री कृष्ण स्वामी जी महाराज ने कहा कि भगवान नारद का जीवन प्रत्येक युग में सार्थक ही नहीं बल्कि प्रेरणादायक भी रहा है।

व्यास जी महाराज ने कहा कि शक्ति के माध्यम से श्रम करने से धर्म होता है और भक्ति में शर्म करने से भगवान मिलता है और यही ईश्वर प्राप्ति का रास्ता है, उन्होंने कहा कि जो मन को बस में कर ले वही मुनि है और जो काया को बस में कर ले वही ऋषि होता हैं। उन्होंने कहा की कथा सुनने के बाद उसको मन में धारण करके उसी प्रकार का आचरण करना चाहिए।

कथा के पहले दिन फरीदाबाद नगर निगम के पार्षद महेश गोयल, मार्केट कमेटी के पूर्व मेंबर हेमराज बंसल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल, गिरीश भारद्वाज, फरीदाबाद नगर निगम से सेवा में अधीक्षक अभियंता सतीश चंद्र अग्रवाल, हरियाणा व्यापार मंडल बल्लभगढ़ के प्रेम खट्टर, निगम पार्षद मुकेश डागर, आशा ज्योति विद्यापीठ संस्थान के चेयरमैन एवं वरिष्ठ सत्यवीर डागर, फाइन वॉच कंपनी के मनोज गुप्ता, संजय बंसल बैटरी वाले प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

फ़रीदाबाद सर्कल के सचिव का चुनाव हूआ सम्पन्न

फरीदाबाद, रामरतन नर्वत = दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फरीदाबाद के मुख्य कार्यालय सेक्टर-23 के प्राँगण में त्रिवार्षिक कर्मचारी प्रतिनिधि सम्मेलन 2025 का आयोजन हुआ जिसमें एचएसईबी वर्कर यूनियन के पूर्व प्रदेश कमेटी के नेता राजबीर रोहिला व चौधरी महेन्दर सिंह एवं देवी दयाल दिसोदिया मुख्य अतिथि व बतौर चुनाव अधिकारी के रूप में मौजूद रहे । प्रतिनिधि सम्मेलन में यूनियन हित मे पिछले तीन वर्ष के कार्यकाल पर विचार विमर्श व यूनियन की रिपोर्ट को कमेटी नेताओं के समक्ष पेश किया गया जिसके बाद सर्कल वर्क्स कमेटी को भंग करते हुए नई सर्कल वर्क्स कमेटी के चयन हेतु चुनाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए सर्कल सचिव पद के लिये चुनाव कराया गया । चुनाव में फरीदाबाद सर्कल की चारों यूनिटों कर्मचारी नेताओं सहित सभी सब यूनिटों के पदाधिकारियों ने अपना कीमती वोट डाला । जिसमे पदाधिकारी नेताओं दवारा कुल 86 वोट पड़े जिसमे एक पदाधिकारी का वोट 30 वोट कर्मचारी के समान होता है यानी फरीदाबाद सर्कल के 86म30= 2580 कर्मचारियों ने अपने बहुमूल्य वोट का उपयोग इस कर्मचारी चुनाव में किया । इसमें विनोद शर्मा को 55 वोट मिले, जबकि दूसरे प्रतिद्वंद्वी को 31 वोट मिले । जिसमे भारी मतों से फरीदाबाद सर्कल का सचिव विनोद शर्मा को विजयी होने पर चुनाव

अधिकारियों ने खुले मंच से इसकी घोषणा की । कर्मचारियों में इस त्यौहार रूपी चुनाव को देख भारी उत्साह था और उन्होंने विनोद शर्मा को सर्कल सचिव बनने की खुशी में फूलमालाओं से ज़ोरदार स्वागत किया व एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए बधाईयाँ दीं जिसके बाद नए सर्कल सचिव विनोद शर्मा को यूनियन में गोपनीयता की शपथ पूर्व सर्कल सचिव सन्तराम लाम्बा व वरिष्ठ कर्मचारी नेता राजबीर रोहिला ने ग्रहण कराई । कर्मचारी चुनाव के मौके पर लेखराज चौधरी, मुकेश शर्मा, सुनील चौहान, रवि दत्त शर्मा, मदन गोपाल शर्मा, सतीश कुमार, सत्यवान लोहचब, सुरेन्दर कौशिक, धीरसिंह, राजबीर हरफला, रामनिवास, जयभगवान, चेयरमैन वीरसिंह, सुरेन्दर पंघाल, परवीन शर्मा, राजेंदर नेहरा, पंकज खलेरी, संदीप गिल, जगजीत, नसीब हिंदुस्तानी, सुरेश डूडी, सुभाष पहल सहित उनकी तमाम सब यूनिट व यूनिट कार्यकारिणी के सदस्य नेतागण मौजूद रहे ।

फरीदाबाद आगमन पर सांसद कुमारी सैलजा का होगा भव्य स्वागत : बलजीत कौशिक

फरीदाबाद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव, लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा शनिवार 13 सितंबर, 2025 को जिला कांग्रेस कमेटी फरीदाबाद के अध्यक्ष बलजीत कौशिक के सेक्टर-9 स्थित कार्यालय पर दोपहर तीन बजे पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक के नेतृत्व में सांसद कुमारी सैलजा का फरीदाबाद जिला कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक ने बताया कि सांसद कुमारी सैलजा हरियाणा की जनता की आवाज को पुरजोर तरीके से उठा रही है, फरीदाबाद में व्याप्त समस्याओं से भी सांसद कुमारी सैलजा को अवगत करवाया जाएगा ताकि वह इस जिले की समस्याओं को भी संसद में प्रमुखता से उठा सके। श्री कौशिक ने कहा कि सांसद कुमारी सैलजा भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता के समक्ष उजागर करेगी और इस सरकार का दोहरा चेहरा लोगों को दिखाएगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह कुमारी सैलजा जी के स्वागत के लिए अधिक से अधिक संख्या में जिला कांग्रेस कार्यालय सेक्टर-9 पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर से दिल्ली तक चलेगी सेब एक्सप्रेस, घाटी के किसानों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादक किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। रेलवे का कहना है कि शनिवार यानी 13 सितंबर से कश्मीर से दिल्ली के लिए सेब एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन किसानों को उनकी फसल सुरक्षित और तेजी से दिल्ली पहुंचाने में मदद करेगी। भारी बारिश, भूस्खलन के चलते श्रीनगर और जम्मू को जोड़ने वाला हाइवे इस महीने बाधित रहा है। ऐसे में इस परेशानी से निपटने के लिए रेलवे ने यह तैयारी की है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि जम्मू और श्रीनगर के बीच हाइवे बंद होने से आवाजाही प्रभावित हुई है और इसके चलते कश्मीरी सेब भी दिल्ली तक नहीं आ पा रहा था। अब इस संकट से निपटने के लिए ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इससे घाटी के फल उत्पादकों को अपने सामान को आसानी से दिल्ली पहुंचाने में मदद मिलेगी। दिल्ली की आजादपुर मंडी में देश के तमाम हिस्सों से फल आता है और फिर अलग-अलग हिस्सों में उसे भेजा जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी सेब उत्पादकों के लिए ट्रेन चलाने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। चीफ मिनिस्टर उमर अब्दुल्ला का कहना है कि रेलवे के साथ बीते काफी एक सप्ताह से इसे लेकर चर्चा चल रही थी। अंत में फैसला हुआ कि दिल्ली तक सेब उत्पादक किसानों के लिए ट्रेन का संचालन किया जाए।

नेपाल में फंसी DTC की बस, दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा भी ठप; मुश्किल में यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और नेपाल के बीच दोस्ती का प्रतीक मानी जाने वाली दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा को नेपाल में चल रही उथल-पुथल ने रोक दिया है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की यह लोकप्रिय बस सेवा, जो दोनों देशों के यात्रियों के लिए सुविधाजनक और किफायती साधन है, अब अनिश्चितकाल के लिए रुकी हुई है। नेपाल में हाल ही में शुरू हुए छात्रों के जेन जेड आंदोलन ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। यह आंदोलन सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही यह भ्रष्टाचार और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक बड़े जनाक्रोश में बदल गया। इस बवाल के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध भी हटा लिया गया। लेकिन इस उथल-पुथल का असर दिल्ली-काठमांडू बस सेवा पर भी पड़ा, जिसके चलते बस नेपाल में फंस गई है। डीटीसी के एक अधिकारी ने बताया, हमारी बस नेपाल में रुकी हुई है। दिल्ली सरकार इस मामले में भारत और नेपाल के दूतावासों के साथ समन्वय कर रही है। बुधवार को इस सेवा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। 2014 में शुरू हुई यह बस सेवा भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने का एक शानदार उदाहरण है। 1,167 किलोमीटर की इस यात्रा में बस दिल्ली से काठमांडू तक फीरोजाबाद, फैजाबाद, मुगलिंग और सोनौली (भारत-नेपाल सीमा) जैसे पड़ावों पर रुकती है। किराया मात्र 2,800 रुपये है, जो इसे यात्रियों के लिए किफायती बनाता है। यह सेवा सप्ताह में छह दिन चलती है। डीटीसी की वॉल्वो बसें सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलती हैं, जबकि नेपाल की मंजुश्री यातायात की मार्को पोलो बसें मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को यात्रियों को ले जाती हैं। इस बस सेवा में यात्रियों को कुछ खास नियमों का पालन करना होता है। भारतीय और नेपाली नागरिकों को पासपोर्ट या वोटर आईडी जैसे सरकारी पहचान पत्र साथ रखने होते हैं, जबकि अन्य देशों के नागरिकों को वैध पासपोर्ट और वीजा की जरूरत होती है। यात्रा के दौरान केवल निर्धारित पड़ावों पर ही रुकने की अनुमति है। बसें पूरी तरह वातानुकूलित हैं और 2×2 सीटिंग व्यवस्था के साथ आरामदायक सफर का अनुभव देती हैं। डीटीसी की वेबसाइट के अनुसार, यह सेवा 25 नवंबर, 2014 को दिल्ली के डॉ. अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल से शुरू हुई थी। कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान 23 मार्च 2020 को यह सेवा बंद कर दी गई थी। हालांकि, दिसंबर 2021 में इसे फिर से शुरू किया गया। अभी यह सेवा केवल डीजल बसों के साथ चल रही है, क्योंकि सीएनजी या इलेक्ट्रिक बसें इस रूट के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

दो दिन इन इलाकों में खूब बरसेंगे बदरा

मॉनसून की झोली में अभी और बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉनसून के असर से देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून अपनी सामान्य स्थिति के करीब है। अरब सागर के पूर्वी हिस्से में गहरा निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है, जिसके अगले 12 घंटों में कमजोर होने की संभावना है। इसके प्रभाव से 12 से 17 सितंबर तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश होगी। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 सितंबर तक बहुत भारी बारिश की संभावना है। ओडिशा में 12 सितंबर को और छत्तीसगढ़ में 12-13 सितंबर को बदरा बरसने वाले हैं। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग तारीखों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 सितंबर को बहुत भारी बारिश हो सकती है। 12-17 सितंबर तक महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तूफान और अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। मराठवाड़ा में 14 सितंबर तक बहुत भारी बारिश हो सकती है। कोंकण और गोवा में 13-14 सितंबर को बहुत भारी बारिश संभावित है। गुजरात क्षेत्र में 14 से 16 सितंबर तक भारी

बारिश हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 15 और 16 सितंबर को, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 सितंबर को बदरा बरसने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 सितंबर को बारिश होगी। उत्तराखंड में 12 से 16 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु में 12 सितंबर को, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 13 सितंबर तक बरसात होने वाली है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अगले 48 घंटों तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने अपने बयान में कहा कि अगले तीन दिनों तक कलबुर्गी, विजयपुरा, बागलकोट, कोप्पल, बल्लारी और विजयनगर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। तटीय और आंतरिक कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। राजधानी बेंगलुरु में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई। शहर में 52.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पड़ोसी कोलार जिले के तमका में 102 मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में 15 सितंबर तक भारी से अत्यंत भारी बारिश की संभावना जताई है। साथ ही, संवेदनशील जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने दिन के समय कई जिलों में मूसलधार बारिश की संभावना जताई है। तवांग, पश्चिम कामेंग, पापुम पारे, पूर्वी कामेंग, लोअर सुबनसिरी, पूर्वी सियांग, पश्चिमी सियांग, दिबांग घाटी और अंजॉ में भारी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान जताते हुए कई जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी कामेंग, पापुम पारे, पक्के-केसांग, पश्चिमी कामेंग, पूर्वी सियांग और दिबांग घाटी जिलों में शुक्रवार को गरज-चमक के साथ हल्की या भारी बारिश हो सकती है। शनिवार को बारिश की तीव्रता और बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने नामसाई, चांगलांग, तिरप, लोहित और लोअर दिबांग घाटी के कुछ हिस्सों में गरज के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है।

यमुना सिटी में बसाए जाएंगे 5 नए सेक्टर, 7 गांवों के किसानों से जमीन खरीदेगा यीडा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के पास यमुना सिटी में 5 सेक्टर को विकसित करने की तैयारी है। इससे यमुना विकास प्राधिकरण की यहां प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी। इसके लिए सात गांवों के किसानों से भूमि खरीदी जाएगी। इनकी लिस्ट का प्रकाशन किया जा चुका है। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-5, 8, सेक्टर-8डी को विकसित करने के लिए मुढ़रह, थोरा, भीकनपुर और कलूपुरा गांव के किसानों से भूमि खरीदी जाएगी। जमीन पर जापानी सिटी, कन्वेंशन सेंटर समेत अन्य परियोजनाएं विकसित होंगी। यह जमीन 31 किसानों से खरीदी जानी है। वहीं, खुरुपा, भुन्नातगा में सेक्टर-11, सेक्टर-34 और सेक्टर-21 के लिए जमीन खरीद होगी। प्राधिकरण की सेक्टर-11 में फिनटेक सिटी, सेक्टर-21 में फिल्म सिटी और सेक्टर-34 में औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की तैयारी है। हालांकि, इन सेक्टरों में परियोजनाओं के लिए काफी भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। प्राधिकरण ने परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की रुकावट के लिए लैंडबैंक बनाने का काम शुरू किया है। इसके अलावा खुरुपा के किसानों की कुछ भूमि सेक्टर-28 मेडिकल डिवाइस पार्क, डाटा पार्क और कॉमर्शियल और भविष्य में इस्तेमाल के लिए भी खरीदने की तैयारी है।

कॉलेजियम ने की हाईकोर्ट के 3 जजों को चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने कई उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के रूप में पदोन्नति के लिए तीन न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को की। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने गुरुवार को एक बैठक में यह निर्णय लिया।

कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति पवनकुमार बी. बजंथरी को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश (वर्तमान में पटना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश), कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय का मुख्य न्यायाधीश और मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश (वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की 14 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप) नियुक्त करने की सिफारिश की है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने दो अधिवक्ताओं - अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इस उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर सोमवार को शपथ दिलाई। इससे पहले राजीव लोचन शुक्ला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे थे, जबकि अमिताभ कुमार राय उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में वकालत कर रहे थे। इन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है, जबकि मंजूर पद 160 न्यायाधीशों की है। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय ने छह सितंबर को इन अधिवक्ताओं की न्यायाधीशों के तौर पर नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी।

मोदी के बर्थडे पर दिल्ली में 75 योजनाएं शुरू करेगी रेखा गुप्ता सरकार

अमित शाह करेंगे लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 75 योजनाओं की शुरुआत करने जा रही है। प्रधानमंत्री का 17 सितंबर को जन्मदिन है उसी दिन सेवा पखवाड़ा की शुरुआत करने के साथ योजनाओं की भी शुरुआत की जाएगी। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, यमुना, जल बोर्ड, ड्रेनेज सिस्टम समेत कई अलग-अलग योजनाओं को इसके तहत लॉन्च करेगी। इसके साथ यमुनापार में लंबे समय से अटके नंद नगरी फ्लाईओवर की शुरुआत भी इसी दिन होगी। सरकार इसकी तैयारी में जुटी है।

17 सितंबर को दिल्ली सरकार की ओर से एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा की शुरुआत करने के साथ सरकार की स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी योजनाओं को लॉन्च करेंगे। पहले दिन यानि 17 सितंबर को सेवा पखवाड़ा के तहत 101 आरोग्य मंदिर, पांच मौजूदा अस्पतालों में बने नए ब्लॉक की शुरुआत होगी। इसके अलावा एसटीपी की नई योजनाओं का शिलान्यास करने के साथ शिक्षा विभाग के तहत

सीएम श्री स्कूलों का लॉन्च भी केंद्रीय गृह मंत्री करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत पहले दिन केंद्रीय मंत्री के उद्घाटन के बाद अगले कई दिनों तक श्रेणीवार अलग-अलग योजनाओं की शुरुआत होती रहेगी।

एक दिन सिर्फ यमुनापार के लिए अलग-अलग योजनाएं लॉन्च की जाएगी, जिसमें एसटीपी प्लांट के अलावा उत्तर-पूर्वी दिल्ली में गगन सिनेमा के पास बने नए नंद नगरी फ्लाईओवर को भी लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। नंद नगरी फ्लाईओवर लंबे समय से लंबित पड़ा था। इसके खुलने से अब वजीराबाद रोड पर लोनी बॉर्डर, गगन सिनेमा के पास लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। भजनपुरा तक सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग दिन अलग-अलग योजनाएं लॉन्च की जाएंगी।

सेवा पखवाड़ा के दौरान दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 3000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया जाएगा। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि जल बोर्ड की कुल 13 परियोजनाएं शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर ये परिवर्तनकारी परियोजनाएं दिल्ली की जनता के लिए सरकार का उपहार होंगी।

दिल्ली में 3 महिलाओं सहित 4 बांग्लादेशी पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम ने चार बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए लोगों में एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो पहचान बदलकर 2017 से भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस को तलाशी के दौरान इनके पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद हुए हैं। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम ने तीन महिलाओं और एक पुरुष सहित चार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। इनकी पहचान (1) फरजाना अख्तर, (2) नजमा बेगम, (3) रेश्मा अख्तर और (4) ओरको खान के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस ने सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एफआरआरओ की मदद से इन्हें बांग्लादेश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीसीपी ने बताया कि

ऑपरेशन सेल के एक हेड कॉन्स्टेबल को एक गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अवैध बांग्लादेशी महिला प्रवासी कापसहेड़ा क्षेत्र में घूम रही हैं। मुखबिर ने इन महिलाओं की पहचान की और उन्हें चिन्हित किया। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क किया और उनसे पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे और गहन पूछताछ की। ये महिलाएं भारतीय होने या भारत में रहने का कोई भी वैध दस्तावेज पेश करने में नाकाम रहीं और उन्होंने अवैध बांग्लादेशी प्रवासी होने की बात स्वीकार की, जो वर्ष 2017 में बनगांव सीमा और त्रिपुरा के रास्ते भारत में दाखिल हुई थीं और कुछ भारतीय वीजा के माध्यम से भारत आई, लेकिन वापस नहीं लौटीं। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली और मुंबई में हाउसकीपिंग की नौकरी की तलाश में थे, लेकिन उन्हें उपयुक्त काम नहीं मिल पाया। इसके चलते, वे दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में आकर बस गए। गिरफ्तारी के दिन, वे काम की तलाश में घूम रहे थे। उनके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच के बाद पुलिस टीम ने उनके परिवार के सदस्यों से संपर्क किया और उनकी बांग्लादेशी पहचान (राष्ट्रीय पहचान पत्र) प्राप्त की। कुल 3 महिलाओं और 1 पुरुष संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। गहन सत्यापन और पूछताछ के बाद, उनकी भारतीय पहचान रद्द कर दी गई और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

जिसके बाद विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ), नई दिल्ली के माध्यम से उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की गई।

दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस के बाद बनेंगे 8 नए कॉरिडोर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पूरी तरह से खुलने जा रहा है। अभी दिल्ली के अशोक नगर से मेरठ साउथ स्टेशन तक इस कॉरिडोर को चालू कर दिया गया है, जिस पर ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। हाल ही में इस कॉरिडोर को लेकर अपडेट देते हुए बताया गया कि जल्द ही बाकी के बचे 27 किलोमीटर का उद्घाटन किया जाएगा, जिससे 82 किलोमीटर का पूरा कॉरिडोर चालू हो जाएगा। इस कॉरिडोर का काम पूरा होने के बाद एनसीआर क्षेत्र में 8 और कॉरिडोर प्रस्तावित हैं, जिनका काम कई चरणों में शुरू होगा। इन आरआरटीएस कॉरिडोर के बन जाने के बाद एनसीआर क्षेत्र में ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिल जाएगा। आइए जानते हैं कि सरकार का प्लान क्या है? पहले चरण में तीन आरआरटीएस कॉरिडोर प्रस्तावित है। इनमें दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत आरआरटीएस का काम पूरा हो गया है, जो जल्दी ही पूरी तरह से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली-गुरुग्राम- रेवाड़ी- अलवर आरआरटीएस कॉरिडोर और दिल्ली-पानीपत-करनाल आरआरटीएस कॉरिडोर का काम भी शुरू किया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इन सभी कॉरिडोर का काम अलग-अलग चरणों में शुरू किया जाएगा।

दिल्ली में खुलेआम बिक रहा तेजाब, 10 साल बाद भी बस कागजी हैं कानून; खतरे में जिंदगियां!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में तेजाब की बिक्री को कंट्रोल करने के लिए 2015 में बनाए गए कड़े नियमों को दस साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी राजधानी में यह खतरनाक कैमिकल आसानी से मिल रहा है। हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स की पड़ताल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि तेजाब न सिर्फ खुले में बिक रहा है, बल्कि इसे खरीदने के लिए न तो कोई आईडी दिखाने की जरूरत पड़ती है, न ही खरीदने का कारण बताना पड़ता है। कई बार तो बोतल पर लेबल तक नहीं होता, जो 2013 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश और दिल्ली सरकार के नियमों का खुला उल्लंघन है।

2013 में एसिड अटैक की दिल दहला देने वाली घटनाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने नाइट्रिक, फॉस्फोरिक, सल्फ्यूरिक और हाइड्रोक्लोरिक जैसे एसिड की बिक्री पर देशव्यापी पाबंदी लगाई थी। कोर्ट ने विक्रेताओं के लिए सख्त नियम बनाए। इसमें लाइसेंस लेना अनिवार्य, खरीदारों का रजिस्टर रखना, पहचान पत्र की जांच और खरीद का उद्देश्य पूछना शामिल है। दिल्ली सरकार ने भी 2015 में 40 ऐसे कैमिकल को विशेष कानून के तहत सूचीबद्ध कर बिक्री पर और कड़ाई की। सुप्रीम कोर्ट के लक्ष्मी बनाम भारत सरकार मामले में दिए गए दिशानिर्देशों में साफ कहा गया कि 18 साल से कम उम्र वालों को एसिड नहीं बेचा जा सकता और स्टॉक की जानकारी 15 दिनों के भीतर स्थानीय उप-मंडल मजिस्ट्रेट को देनी होगी। उल्लंघन पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और माल जब्त हो सकता है। लेकिन हकीकत इन नियमों की खिल्ली उड़ाती है।

हिंदुस्तान टाइम्स की टीम ने दिल्ली के शानदार बाजारों से लेकर भीड़भाड़ वाली बस्तियों तक आठ इलाकों का दौरा किया और हर जगह तेजाब आसानी से खरीद लिया। न कहीं पहचान मांगी गई, न ही उद्देश्य पूछा गया। दक्षिण-पूर्व दिल्ली में, जहां तेजाब हमले की शिकार महिलाओं का आश्रय गृह है, वहां से चंद कदमों की दूरी पर एक दुकानदार ने 40 रुपये में तेजाब की बोतल थमा दी। न कोई सवाल ना ही कोई चेतावनी। गोविंदपुरी की गली नंबर 15 के हलचल भरे बाजार में, एक छोटी-सी पेंट और हार्डवेयर की दुकान ने मजबूत फ्लोर क्लीनर के नाम पर पीले रंग का अनलेबल्ड तरल दो मिनट में बेच दिया। कीमत? बस 50 रुपये प्रति बोतल। दुकानदार ने बेझिझक पूछा, तेजाब

चाहिए? और प्लास्टिक की बोतल में कैमिकल डालकर थमा दिया। जंगपुरा में भी यही कहानी देखने को मिली। एक दुकानदार ने मुस्कुराते हुए बोतल दी और कहा, ये सबसे अच्छा फ्लोर क्लीनर है, बस जरा तीखा है। बोतल पर कोई लेबल नहीं था। साकेत के पॉश के-ब्लॉक में भी दो दुकानों ने प्री-ऑर्डर पर तेजाब बेचने की बात कबूल की। एक ने कहा, लोग बाथरूम साफ करने के लिए दो-चार बोतल लेते हैं। दूसरा दुकानदार 80 रुपये की भूरी कांच की बोतल बेचते हुए बोला, कानून की वजह से अब मुश्किल है, लेकिन ये लीक नहीं करता।

सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया (एसडीए) के चहल-पहल भरे बाज़ार में एक किराना दुकानदार ने पीछे के कमरे से तेजाब की बोतल निकाली और एक बड़े ई-कॉमर्स डिलीवरी बैग में डाल दी। उसने कहा, ये तो बस हाइड्रोक्लोरिक एसिड है। मयूर विहार फेज-1 में एक छोटी रसायन की दुकान में 10 अनलेबल्ड बोतलें थीं और दुकानदार ने बड़े ऑर्डर के लिए नाम और नंबर मांगा। यूसुफ सराय में, जहां दर्जनों सैनिटरी और हार्डवेयर की दुकानें हैं, एक युवा दुकानदार ने 50 रुपये में सीलबंद प्लास्टिक की बोतल बेची। उसका कहना था, प्लंबर और पेंटर हमारे रेगुलर ग्राहक हैं।

यहां तक कि ग्रेटर कैलाश जैसे रईस इलाके भी अछूते नहीं। जमरूदपुर गांव में एक जनरल स्टोर ने 50 रुपये में पॉलीथिन बैग में लपेटकर तेजाब की बोतल दे दी। दुकानदार ने बेपरवाही से कहा, जोके में सब हमसे लेते हैं।

ऑनलाइन बाजार भी कम खतरनाक नहीं है। पूर्वी दिल्ली के एक थोक विक्रेता ने नाम और खरीद का कारण पूछा, लेकिन मुंबई के एक विक्रेता ने बिना किसी सवाल के नाइट्रिक एसिड की बल्क डिलीवरी की पेशकश की। व्हाट्सएप पर ऑर्डर की पुष्टि करने वाले भी मिले। 2020 से 2025 तक, दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में कम से कम 35 तेजाब हमले दर्ज किए गए। पीड़ित और कार्यकर्ता कहते हैं कि यह संख्या वास्तविकता से कम है। एसिड की शिकार और ब्रेव सोल फाउंडेशन की संस्थापक शाहीन मलिक ने पिछले साल दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर तेजाब की खुली बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की थी।

कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। जुलाई 2023 के फैसले में कोर्ट ने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध वास्तविक उपयोगकर्ताओं और व्यवसायों को नुकसान पहुंचाएगा, और दिल्ली सरकार को मौजूदा नियमों को बेहतर लागू करने की सलाह दी।

संपादकीय

नेपाल में जेन-जी ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्टपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे। सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्टपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया। हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है? बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

नेपाल का पीएम कौन बनेगा इस बार पर गुरुवार को जेड जेन के कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी आपस में ही भिड़ गए थे और उनमें हिंसक झड़प भी हुई।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

नेपाल का विद्रोह और भारत-नेपाल संबंधों में गोरक्षपीठ की भूमिका

(प्रणय विक्रम सिंह)

भगवान पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि नेपाल इस समय विद्रोह की उफनती लहरों में डगमगा रहा है। जेन जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊबकर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है। परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

गोरक्षपीठ और नेपाल ¬ संस्कृति का संबल, आस्था का सेतु: नेपाल के इतिहास में गोरक्षपीठ की भूमिका केवल एक मठ की मर्यादा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सांस्कृतिक संबल और आध्यात्मिक सेतु के रूप में युगों-युगों तक गूंजती रही। हिमालय की गोद में जब 18वीं शताब्दी में गोरखनाथ की साधना का आलोक फैला, तब गोरखा राज्य को केवल नाम ही नहीं, बल्कि आत्मा भी मिली। पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एकसूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना। इस प्रकार गोरक्षनाथ परंपरा नेपाल की राजनीतिक चेतना की धड़कन बन गई।

20वीं शताब्दी में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने इस परंपरा को नया प्राण और नया पथ दिया। पावन गोरक्षपीठ ने संतों को संगठित कर यह स्पष्ट किया कि भारत-नेपाल का संबंध न तो केवल सीमा का संबंध है और न ही केवल व्यापार का बंधन। यह तो आस्था की अटूट डोर और संस्कृति की सनातन संगीतमाला है।

1980-90 के दशक में जब नेपाल वामपंथी विचारधारा और राजनीतिक अस्थिरता की आंधी से जूझ रहा था, तब गोरक्षपीठ ने दीपक की तरह मार्ग दिखाया। महंत अवेद्यनाथ जी ने यह संदेश दिया कि भारतङ्कनेपाल का संबंध केवल सत्ता की संधियों पर नहीं, बल्कि सदियों की साधना और साझी संस्कृति पर टिका है।

आधुनिक युग में गोरक्षपीठ का ध्वज योगी आदित्यनाथ ने संभाला है। उनकी जनकपुरधाम यात्रा वैदिक वाणी का उद्घोष बनी, पशुपतिनाथ मंदिर की पूजा आस्था का आलोक बनी, और लुंबिनी की बुद्ध जयंती सहभागिता हिन्दू-बौद्ध संवाद का संगम बनी। आज गोरक्षपीठ केवल एक धार्मिक पीठ नहीं, बल्कि आधुनिक सांस्कृतिक कूटनीति का उज्ज्वल प्रतीक है।

गोरक्षपीठ ने नेपाल में कभी प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया, किंतु हर संकटकाल में यह दीपशिखा बनकर दिशा दिखाता रहा। यह वही शक्ति है जो सीमाओं से परे, सत्ता से ऊपर और संधियों से आगे जाकर भारत-नेपाल संबंधों को स्थायित्व और आत्मीयता देती है। यही कारण है कि नेपाल का जनमानस गोरक्षपीठ को केवल मठ नहीं मानता, बल्कि विश्वास का आधार, संस्कृति का संरक्षक और सनातन सेतु मानता है। एक ऐसा सेतु, जो हिमालय की चोटियों से लेकर गंगा-यमुना की धाराओं तक दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में बांधे रखता है।

मौजूदा विद्रोही परिस्थिति में गोरक्षपीठ की भूमिका: नेपाल की मौजूदा विद्रोही परिस्थितियां केवल सत्ता के संकट का परिणाम नहीं हैं, बल्कि समाज की गहरी बेचैनी, असमानता और अवसरहीनता का विस्फोट हैं। ऐसे समय में गोरक्षपीठ की भूमिका साधारण धार्मिक केंद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह सांस्कृतिक मार्गदर्शक और सामाजिक सहारा बन सकती है। सबसे पहले, सांस्कृतिक स्मृति जगाना आवश्यक है। जनता को यह स्मरण कराना होगा कि राजनीतिक अस्थिरता अस्थायी है, लेकिन भारत-नेपाल की साझा परंपराएं शाश्वत हैं। हिमालय की गोद से लेकर गंगा की धारा तक बहती हुई यह सांस्कृतिक चेतना दोनों देशों की आत्माओं को जोड़े रखती है। जब युवाओं का आक्रोश व्यवस्था पर टूट पड़ता है, तब गोरक्षपीठ यह संदेश दे सकता है कि परिवर्तन केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि परंपरा की जड़ों से जुड़कर ही स्थायी हो सकता है।

दूसरे, गोरक्षपीठ एक विश्वास का सेतु बन सकता है। आज जब राजनीतिक दल आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं, तब जनता को किसी ऐसे मंच की आवश्यकता है, जो न तो सत्ता की लालसा से प्रेरित हो और न ही दलगत स्वार्थ से। गोरक्षपीठ अपने संतत्व और निष्पक्षता के कारण ऐसा मंच बन सकता है, जो संवाद, सहयोग और भरोसे का प्रतीक बने। यह संस्था नेपाल की जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि भारत केवल एक राजनीतिक ताकत नहीं, बल्कि एक आत्मीय पड़ोसी, सहयात्री और सांस्कृतिक सहोदर है।

तीसरे, धार्मिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से गोरक्षपीठ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि गोरखनाथ-पशुपतिनाथ-जनकपुर - लुंबिनी जैसी ध्रुवीय स्थलों को एक साझा सांस्कृतिक-धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाए, तो इससे न केवल नेपाल की डगमगाती अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि भारत-नेपाल के बीच जन-से-जन संपर्क और भी गहरा होगा। साल 2023 में ही नेपाल में 319,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे और 2024 की पहली छमाही में यह संख्या 1.8 लाख से अधिक रही। यह आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। पर्यटन से जुड़ी आय, रोजगार और सांस्कृतिक आयोजनों से जनता का मनोबल बढ़ेगा और अस्थिरता के बीच स्थिरता का अहसास होगा।

और सबसे महत्वपूर्ण यह कि गोरक्षपीठ की पहुंच केवल राजाओं, राजनेताओं या संतों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि आमजन के मन में भी उसकी गहरी जड़ें हैं। नेपाल के गांव-गांव और तराई के कस्बों तक में गोरखनाथ का नाम श्रद्धा और विश्वास के साथ लिया जाता है। किसान इसे अपने परिश्रम का संरक्षक मानते हैं, व्यापारी इसे अपने सौदे की सफलता का आशीर्वाद समझते हैं, और युवा इसे संघर्ष और संकल्प का प्रतीक मानते हैं। यही कारण है कि गोरक्षपीठ की पुकार जनता के हृदय तक सीधे पहुंचती है और कठिन समय में आश्वस्ति का आधार बन जाती है। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि नेपाल की आत्मा केवल सत्ता या संविधान से नहीं, बल्कि गुरु परंपरा से जुड़ी है। गोरखनाथ की साधना और पशुपतिनाथ की कृपा ही वह धारा है, जो हर संकट में नेपाल समाज को संभालती रही है। जब राजनीति डगमगाती है, तब जनता गोरक्षपीठ की ओर आश्वस्ति से देखती है। क्योंकि वहां से संदेश सत्ता का नहीं, बल्कि संस्कृति का आता है।

भारत की कूटनीति में गोरक्षपीठ का महत्व: भारत-नेपाल संबंध अतीत में कई बार वामपंथी राजनीति, क्षेत्रीय राष्ट्रवाद और बाहरी दबावों से प्रभावित हुए हैं। कभी तेल और दाल-चावल की आपूर्ति रोकने का आरोप लगा, तो कभी चीन ने निवेश और कूटनीति के जरिए नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ाया। ऐसे समय में गोरक्षपीठ एक ऐसा संदेश देता है, जो इन सब राजनीतिक उलझनों से ऊपर है। यह रिश्ता केवल सत्ता या आर्थिक गणित का नहीं, बल्कि संस्कृति, धर्म और आस्था का है। भारत की औपचारिक कूटनीति जब संधियों, समझौतों और वार्ताओं तक सीमित रहती है, तब गोरक्षपीठ सांस्कृतिक कूटनीति का जीवंत उदाहरण बनता है। यह वह शक्ति है, जो नेपाल की जनता के दिल तक पहुंचती है। पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि में गोरक्षपीठ यह विश्वास जगाता है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि भाईचारे और साझी परंपराओं का है। यदि भारत अपनी राजनीतिक कूटनीति को गोरक्षपीठ की सांस्कृतिक शक्ति के साथ जोड़ता है, तो उसे वह गहराई और आत्मीयता प्राप्त होगी, जो चीन जैसे बाहरी शक्तियों के आर्थिक निवेश से संभव नहीं। हाल ही में भारत-नेपाल के बीच हुआ 10,000 मेगावॉट विद्युत व्यापार समझौता इस कूटनीतिक और आर्थिक साझेदारी की मिसाल है, किंतु गोरक्षपीठ इसे सांस्कृतिक आधार देकर स्थायी बना सकता है। गोरक्षपीठ नेपाल की जनता को यह अहसास दिला सकता है कि भारत केवल एक राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है, जो संकट की घड़ी में सांस्कृतिक आत्मीयता और आध्यात्मिक विश्वास के साथ खड़ा है।

संक्षेप में, मौजूदा विद्रोह और अस्थिरता के बीच गोरक्षपीठ की भूमिका संवाद, स्मृति और स्थिरता की है। यही भूमिका भारत-नेपाल संबंधों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव से ऊपर उठाकर एक स्थायी, आत्मीय और सांस्कृतिक साझेदारी में बदल सकती है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ डॉ. रहीस सिंह कहते हैं कि भारत-नेपाल संबंधों का आधार केवल व्यापार नहीं, बल्कि उन साझा संवृत्तियों की जीवंतता है, जिनकी जड़ें संस्कृति, सनातन आस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित हैं। गोरक्षपीठ इन भावनाओं का संस्थागत रूप है, जो दोनों देशों को स्थायी और आत्मीय बंधन में जोड़ती है। चीन अरबों डॉलर का निवेश कर सकता है, किंतु वह भावनात्मक मानवीय कनेक्ट नहीं दे सकता, जो भारत सदियों से नहीं बल्कि सहस्राब्दियों से देता आ रहा है। नेपाल का संत समाज और गोरक्षपीठ - शाश्वत संवाद

गोरक्षपीठ और नेपाल के संत समाज का रिश्ता शताब्दियों पुराना है। पशुपतिनाथ की शिव-परंपरा और गोरखनाथ की तपस्या का संगम, त्रिपुरसुंदरी की शक्ति और हठयोग का मिलन, तथा नथ संन्यासियों की साधना, इन सबने नेपाल के लोकजीवन और पर्व-त्यौहारों पर अमिट छाप छोड़ी। यह शाश्वत संवाद प्रमाण है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल राजनीति का परिणाम नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और साझा आस्था की शाश्वत धारा है, जिसने दोनों देशों को युगों-युगों से एक सूत्र में बांध रखा है।

हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

हिंदी दिवस– 14 सितम्बर, 2025

- ललित गर्ग -

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजनात्मक अवसर नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक आत्मगौरव का प्रयोजनात्मक प्रतीक है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में हिंदी विश्व की उन चुनिंदा भाषाओं में से एक है जिसे करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर हिंदी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। दुनिया के लगभग 180 देशों में हिंदी बोलने वाले हैं और अंग्रेज़ी, मंदारिन, स्पेनिश, अरबी जैसी भाषाओं की सूची में हिंदी भी अब शीर्ष स्थानों पर दर्ज है। फिर भी विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी को कई बार विरोध का सामना करना पड़ता है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय अस्मिता और भाषाई विविधता के नाम पर हिंदी के प्रति असहजता दिखाई जाती है। जबकि वस्तुतः हिंदी किसी भी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उन्हें जोड़ने वाली संपर्क-भाषा है। भारत की भाषाई संरचना में हिंदी एक केंद्रीय सूत्र की तरह है। यदि अंग्रेज़ी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी का आधार बनाया जा सकता है, तो हिंदी का विरोध केवल मानसिक दासता का परिणाम माना जा सकता है।

आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं। जबकि भारत में अभी भी अंग्रेज़ी के प्रति अनावश्यक मोह और हिंदी के प्रति हीनभावना देखने को मिलती है। यह स्थिति हिंदी की उपयोगिता और सामर्थ्य के विपरीत है। हिंदी न केवल साहित्य और संस्कृति की भाषा है बल्कि विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, सिनेमा और व्यापार में भी अपनी जगह बना रही है। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिंदी को अपने प्लेटफॉर्म पर प्राथमिक भाषा का स्थान दिया है। यह हिंदी की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

हिंदी की प्रासंगिकता आज के समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका भारत को एकजुट करने और विश्व-पटल पर उसकी सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में अनिवार्य है। भाषा केवल बोलचाल का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भी आधार है। इसलिए हिंदी का विरोध करना अपने ही सांस्कृतिक आधार को कमजोर करना है। विश्व के 180 से अधिक देशों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, खाड़ी देशों व यूरोप में हिंदी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इंटरनेट की भाषा के रूप में हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। यह वह स्थिति है जिसकी कल्पना दशकों पहले असंभव मानी जाती थी। लेकिन हिंदी की यह ख्याति केवल आज की तकनीकी क्रांति का परिणाम नहीं है, यह हमारी जड़ों में, संस्कारों में एवं राष्ट्रीयता की भावना में समायी हुई है।

स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी ने राष्ट्र को जोड़ने, जन-जन को जागृत करने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को ÷जनमानस की भाषा÷ और ÷राष्ट्रभाषा÷ कहा। लोकमान्य तिलक, पं. नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, सुभाषचंद्र बोस और सरदार पटेल सभी ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार माना। हिंदी प्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम की लौ प्रज्वलित की। 'प्रताप', 'अभ्युदय', 'कर्मवीर', 'सरस्वती' जैसी पत्रिकाओं ने जनजागरण का काम किया। कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं से जनमानस को ऊर्जा दी-भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर मैथिलीशरण गुप्त तक, सबने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम का शस्त्र बनाया। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक अनेक नेताओं ने हिंदी के उत्थान और प्रतिष्ठा के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर विश्व स्तर पर हिंदी की पहचान को सशक्त किया और यह संदेश दिया कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय संवाद की भी भाषा बन सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनेक वैश्विक मंचों-ब्रिक्स सम्मेलन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, पर हिंदी में अपने वक्तव्य देकर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र में हिंदी विभाग का विस्तार हुआ और हिंदी समाचार बुलेटिन व डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी का प्रसार बढ़ा।

आज वैश्विक स्तर पर भी हिंदी की उपस्थिति लगातार मजबूत हो रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी सामग्री का उपयोग प्रतिदिन बढ़ रहा है। अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स जैसी वैश्विक कंपनियां हिंदी कंटेंट को प्राथमिकता दे रही हैं। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिंदी का अनुवाद और प्रयोग बढ़ा है। अंग्रेजी के प्रति अंधमोह और हिंदी के प्रति हिचक एवं उपेक्षा एक प्रकार की मानसिक गुलामी का ही प्रतीक है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में हिंदी का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह एक साझा संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा और आधुनिक भारत की पहचान है।

भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ और अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को राष्ट्रभाषा के रूप में लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तो तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। लेकिन भारत में राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम् की जीवंत प्रतिमूर्ति और समाज को सदैव सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं भागवत

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे।

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे। पिछले एक दशक तक भाजपा जिस तरह मोदी के चेहरे और संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीत दर्ज करती रही थी, उसमें 2024 का चुनाव परिणाम झटका देने वाला था। देखा जाये तो मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल गठबंधन सरकार की मजबूरी के साथ शुरू हुआ। ऐसे माहौल में संघ का सहारा भाजपा के लिए स्वाभाविक था। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनी थी कि भाजपा ने चुनावी रणनीति और प्रचार की ताकत से संघ पर निर्भरता कम कर दी है। लेकिन 2024 के चुनाव के बाद तस्वीर बदल गई। संघ के सक्रिय सहयोग और भागवत के आशीर्वाद से भाजपा ने महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में जीत हासिल की। इन चुनाव परिणामों ने यह संदेश दिया कि संघ के संगठनात्मक नेटवर्क, जमीनी कार्यकर्ताओं और सामाजिक पहुंच के बिना भाजपा की जीत अधूरी है।

मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी की हाल की नजदीकियों को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। प्रधानमंत्री का संघ प्रमुख की खुलकर तारीफ करना और उनके मार्गदर्शन को राष्ट्रहित से जोड़ना यह बताता है कि भाजपा अब फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। वहीं, भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना यह संकेत देता है कि संघ भी इस समय भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन बनाने और उसे स्थिरता प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम कई संकेत देता है। जैसे केवल मोदी के नेतृत्व और भाजपा की चुनावी मशीनरी से जीत अब सुनिश्चित नहीं है। चुनावी राजनीति में विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक नेटवर्क की गहराई का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा और संघ दोनों को अब यह अहसास है कि एक-दूसरे के बिना उनकी शक्ति अधूरी है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा को संघ की जमीनी ताकत और वैचारिक छवि दोनों की आवश्यकता होगी।

देखा जाये तो भाजपा की 2024 की असफलता और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियों ने साफ कर दिया है कि सत्ता की डगर पर अकेले चलने का दावा अब टिकाऊ नहीं है। संघ की शरण में लौटकर भाजपा ने एक तरह से अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का फैसला किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा की जीतें यह संदेश देती हैं कि जब संघ-भाजपा एक साथ चलते हैं, तब उनकी राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाती है।

आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि संघ इस साझेदारी को किस तरह संतुलित करता है और भाजपा किस हद तक अपनी राजनीतिक रणनीतियों में संघ की सलाह और आशीर्वाद को स्थान देती है। इतना तो निश्चित है कि आज की तारीख में भाजपा की राजनीति फिर से उसी पुराने सूत्र पर लौट आई है-संघ ही शक्ति का आधार है। जहां तक मोहन भागवत के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे गये आलेख की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने लिखा है कि 11 सितम्बर का दिन इतिहास में विशेष महत्व रखता है। यह वही तिथि है जब 1893 में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने ओजस्वी शब्दों सिस्टर एण्ड ब्रदर आफ अमेरिका ङ्क से भारत की आध्यात्मिक धारा और सार्वभौमिक भाईचारे की अवधारणा को विश्वपटल पर स्थापित किया। यही दिन 2001 में आतंकवाद की विभीषिका का साक्षी भी बना, जब मानवता पर 9/11 का हमला हुआ। एक ओर यह दिन वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता है, तो दूसरी ओर यह दिखाता है कि चरमपंथ और हिंसा किस प्रकार सभ्यता को चुनौती देते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि इसी तिथि पर एक और प्रसंग उल्लेखनीय है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का जन्मदिन है। जब संघ अपनी शताब्दी के वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उनका 75वाँ जन्मदिन हमें उनके योगदान और नेतृत्व की भूमिका पर विचार करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि मधुकरराव भागवत के सुपुत्र मोहन भागवत ने अपने जीवन का आरंभ उसी वातावरण में किया, जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा सहज ही मिलती थी। 1970 के दशक में प्रचारक बने मोहनराव ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में कार्य करते हुए उन्होंने समाज की गहराई को समझा और उसकी पीड़ा को अनुभव किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके नेतृत्व का आधार बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि भागवत जी का नेतृत्व केवल संघ के भीतर सीमित नहीं रहा। उन्होंने संगठनात्मक परम्पराओं को बनाए रखते हुए समय की मांग के अनुसार परिवर्तन किए। गणवेश में बदलाव हो या शिक्षा वर्गों में सुधार, उनका दृष्टिकोण हमेशा व्यावहारिक और भविष्यदृष्टा रहा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने युवाओं के साथ जीवंत संवाद बनाए रखा, जिससे संघ आज के डिजिटल युग में भी प्रासंगिक और सक्रिय बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कोविड-19 महामारी के समय उनका मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तकनीक का उपयोग बढ़ाने और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा देने की प्रेरणा दी।

इसी प्रकार उनके 'पंच परिवर्तन' ङ्क सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, राष्ट्रीय आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य ङ्क समाज को नई दिशा देने वाले स्पष्ट सूत्र हैं। यही वे आधार हैं जिन पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि भागवत जी की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी सरलता और श्रवणशीलता। वह विचार सुनते हैं, संवाद करते हैं और फिर निर्णय लेते हैं। यही गुण उन्हें युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाज के विविध वर्गों से जोड़ता है। उनकी शैली आदेशात्मक नहीं, बल्कि प्रेरणादायी है। यही कारण है कि स्वयंसेवक सेवा, समरसता और राष्ट्रप्रेम के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं।

राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए जल्द भर्ती किए जाएंगे करीब 500 डॉ.: आरती सिंह राव

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एलएनजेपी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

कुरुक्षेत्र, प्रमोद कौशिक । हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री सिंह आरती राव ने कहा कि राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इन अस्पतालों में सरकार की तरफ से जल्द ही 500 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इन चिकित्सकों की भर्ती के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और सरकार से अनुमति मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव शुक्रवार को एलएनजेपी अस्पताल में निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने एलएनजेपी अस्पताल की फार्मेसी, शौचालयों व अस्पताल के प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, अस्पताल में जगह-जगह मलबे के ढेर लगे होने के कारण मरीजों खासकर बच्चों के वार्ड में हो रही परेशानी तथा शौचालयों की खस्ता हालत को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से बातचीत की और फार्मेसी में सभी दवाईयां पर्याप्त मात्रा में मिली। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और चिकित्सकों से बातचीत कर मरीजों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। यहां पर सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ दवाईयों और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में बारीकी से फीडबैक भी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल के नए भवन का निर्माण चल रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में पूरा करने के निर्देश दिए है ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहने के साथ-साथ मरीजों को भी परेशानी का सामना ना करना पडे। इस अस्पताल की फार्मेसी का निरीक्षण किया और यहां पर मरीजों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध थी। इस अस्पताल में स्वच्छता को लेकर काफी कमियां पाई गई है और अस्पताल को और बेहतर बनाने की जरूरत है। इस अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष फोकस रखने के निर्देश दिए है और सभी शौचालयों को बेहतर करने के आदेश दिए गए है।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण हरियाणा प्रदेश के कई जिले प्रभावित हुए है, ऐसे समय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे है और निशुल्क दवाईयां वितरित कर रहे है और इसके साथ ही फॉगिंग का कार्य भी कर रहे है। इस आने वाले सीजन में डेंगू,मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतु सरकार द्वारा तमाम प्रबंध पूरे किए गए है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ आम नागरिकों को सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कुरुक्षेत्र में मलेरिया को लेकर किए गए कार्यों की सराहना करने पर बधाई दी है। इस मौके पर सीएमओ डा. सुखबीर सिंह, पीएमओ डा. सारा अग्रवाल, डिप्टी सीएमओ डा. रमेश सभ्रवाल, एक्सईएन ऋषि सचदेवा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ब्राम्हण महासंघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित गौतम ने संगठन का विस्तार करते हुए जिला कार्यकारी सदस्यों की दूसरी सूची भी जारी कर दी

पानीपत,(चुघ)भेदी नजर। ब्राह्मण महासंघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित गौतम ने आज संगठन का विस्तार करते हुए जिला कार्यकारी सदस्यों की दूसरी सूची भी जारी कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष रोहित गौतम ने बताया कि इस दूसरी सूची में करीब 50 सदस्य मनोनीत किए गए हैं। यह सभी कार्यकारिणी के सदस्य बनाए गए हैं। जिसमें डा.अंकित शर्मा, मा. संजय शर्मा, बलवान शर्मा मतलौडा,मा.रामकुमरी शर्मा, मतलौडा, राजेंद्र शर्मा मतलौडा, राजवीर शर्मा कुराना, सतीश शर्मा शाहपुर, नवीन मनाना, बलबीर शर्मा आट्टा, नरेश शास्त्री जलमाना, विनोद शास्त्री जलमाना, नरेश शर्मा जलालपुर, रमेश शर्मा जलालपुर, संदीप शांडिल्य एडवोकेट, डा.संजीव कौशिक, सुनील शास्त्री, शिवकुमार बिहोली, अशोक शर्मा छदिया, डा.आजाद शर्मा डाडौला, जोगेंद्र त्यागी ऊझा, दीपक शर्मा ऊझा, शिव कुमार शर्मा सेक्टर 18, रोहित शर्मा सिवाह, चंद्र शर्मा पालीवाल, धर्मवीर वत्स अंसल, सुरेश शर्मा बबलू, पिंकल शर्मा, वेद शर्मा, डा.महेंद्र शर्मा, सोनू शर्मा, लालचंद गोसांई, गौरव शर्मा, अनिल शर्मा जाटल, पंकज शर्मा रुद्रा, विजय शर्मा एनएफएल, राजवीर शर्मा एनएफएल, कृष्ण शर्मा मुखीजा कॉलोनी, सुरेंद्र शर्मा इंसार बाजार, सोनू शर्मा तहसील कैंप, मुकेश शर्मा विकास नगर, कृष्ण शर्मा सतकरतार कॉलोनी, सुरेश शर्मा सैनीपुरा, सुशील शर्मा सावन पार्क, डा.रामकुमार शर्मा, संजय शर्मा, सोमनाथ प्रभाकर बत्रा कॉलोनी, यशपाल शर्मा 8 मरला व जोगेंद्र शर्मा 8 मरला को शामिल किया गया है।

नशा करके दफ्तर आने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करे सरकार : अशोक बुवानीवाला

● नशेड़ी अधिकारियों पर सख्ती दिखाए सरकार

भिवानी। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने कहा कि जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग में नशा करके आने वाले अधिकारियों पर सरकार शिकंजा कसे। ऐसे अधिकारी आखिर जनता को कैसी सुविधाएं देंगे, यह इनकी हरकतों से ही साफ हो जाता है। ऐसे अधिकारियों की सुबह-शाम एल्कोहल जांच होनी चाहिए। इस तरह के मामले में सरकार ने सिरसा और फरीदाबाद के दो अधिकारियों की जांच के आदेश भी दिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी नौकरी में नशा करके दफ्तर आने की छूट नहीं दी जा सकती। सरकारी नौकरी में तो और अधिक सख्ती होनी चाहिए। जनता को सुविधाएं देने के लिए बिठाए गए

अधिकारी नशा करके अगर दफ्तर आएंगें तो वे जनता को क्या सुविधाएं दे पाएंगें। ऐसी हरकतें करने वालों पर सरकार और विभाग के अधिकारियों द्वारा सख्ती दिखानी चाहिए। जिस तरह से सिरसा और फरीदाबाद में दो एक्सईएन की सुबह-शाम एल्कोहल जांचने के अधिकारिक आदेश दिए गए, वैसे ही भिवानी में भी होनी चाहिए। ये दोनों एक्सईएन भी सवालों के घेरे में हैं। डिवीजन नंबर-दो में लगे एक्सईएन फूल सिंह पर स्टेट विजिलेंस की ओर से दादरी में गबन का केस दर्ज है। उसके खिलाफ भी चार्जशीट दायर की जा चुकी है। वहीं, डिवीजन-एक में उसे लगाया गया है, जो डिवीजन एक में था। उसके खिलाफ भी भ्रष्टाचार की शिकायत की गई थी। तभी उसका तबादला हुआ। भ्रष्टाचार के एक मामले में अशोक बुवानीवाला ने कहा कि टेंडर घोटाले के आरोपी को पंचकूला मुख्यालय भेजे जाने के बाद फिर से भिवानी आना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग में भिवानी के गांव सांजरवास में एसई रहे दलबीर सिंह पर दो महीने पहले टेंडर में घोटाले का आरोप लगा था। उनके खिलाफ शिकायत होने पर उनका तबादला पंचकूला मुख्यालय कर दिया गया। उनकी जगह पर सुनील रंगा को सरकार ने एसई लगाया। टेंडर में घोटाले के मामले में आरोपी एसई के खिलाफ विभाग की ओर से चार्जशीट भी दाखिल की गई है। इसके बावजूद आरोपी एसई भिवानी आने के लिए जुगाड़ भिड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव सांजरवास में 2 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना का विस्तार किया जाना है। इसके लिए विभाग ने टेंडर जारी किए थे। जिसमें सतनाली निवासी ठेकेदार दीपक पचार ने भी टेंडर लगाया था। अधीक्षक अभियंता (एसई) ने सिर्फ अपने ही हस्ताक्षर करके दीपक के टेंडर की तकनीकी बोली को रद्द कर दिया। मुख्य अभियंता की ओर से गठित कमेटी ने जांच में पाया कि अधीक्षक अभियंता द्वारा बोलियों को रद्द करना न्यायसंगत नहीं है। अधीक्षक अभियंता द्वारा की गई यह कार्यवाही सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है। बुवानीवाला ने कहा कि इससे पूर्व पेयजल की आपूर्ति करने वाले पानी के टैंकों की सफाई को लेकर भी सवाल उठाएं गए थे, परन्तु आज तक इन टैंकों की सफाई में हुए भ्रष्टाचार पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई।

नरेश विहार की जनता पानी से त्रस्त अधिकारी मौन व मस्त नहीं सुन रहा फरियाद बुनियादी सहूलियत के लिए भटकना पड़ रहा है कॉलोनी वासियों को

रिपोर्टर पंकज भाटिया

अंबाला शहर में नरेश विहार के लोगों की मुसीबत खत्म होने पर नहीं आ रही है कॉलोनी वासी पिछले 5 दिनों से पीने के पानी के भटक रहे हैं ना तो अधिकारी मिल रहे हैं ना लोगो के फोन सुने जा रहे ना ही ऑपरेटर सहयोग कर रहा चारों ओर से मिल रही है तो निराशा हताश होकर शहर के कार्यालय में पहुंचे वहां पर भी सिर्फ वरबलि बात को सुना गया लिखित में शिकायत नहीं ली गई जिससे यह साफ जाहिर होता है कि कुछ तो गड़बड़ है खाली आश्वाशन से काम नहीं चलता महिलाओं ने भी मोर्चा खोल दिया आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है कभी बिजली नहीं है कभी मोटर खराब है कभी पाईप लाईन टूटी हुई है इन बहानों से लोगों को गुमराह किया जा रहा है मूलभूत सुविधा से वंचित जनता भटक रही है पानी के लिए जिसकी जरूरत सबसे पहले होती है कब तक जनता गंदा पानी पीने के मजबूर हैं इन सवालों का जवाब नरेश विहार के लोग मांग रहे हैं।

बाढ़ में फंसे एक मूक-बधिर मोची की मदद कर मिसाल बने हर्ष साहनी

रिपोर्टर पंकज भाटिया

हाल ही में आई बाढ़ जैसी स्थिति ने अंबाला शहर को बुरी तरह प्रभावित किया। इस मुश्किल घड़ी में जहां कई लोग अपने-अपने घरों में सुरक्षित थे, वहीं कुछ ऐसे भी थे ,जो बुरी तरह फंस गए थे और मदद की बाट जोह रहे थे ।ऐसा ही एक मामला सामने आया है ,एक मूक-बधिर मोची का, जो वर्षों से जिला बार अंबाला की जिला अदालत में मेहनत से जूते पॉलिश कर अपना गुज़ारा करता है। यह मेहनती इंसान बरसात ज्यादा होने की वजह से कई दिन से जूते पोलिश नहीं कर सका और यह बेचारा न सुन सकता है, न बोल सकता है ऐसे में किसी से मदद माँगना भी उसके लिए असंभव था ।इस कठिन समय में एडवोकेट हर्ष साहनी ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल उस मोची की मदद की, बल्कि उसके लिए आवश्यक समान, भोजन, व्यवस्था भी की , लेकिन जब इस घटना के बारे में अंबाला के लोगों को पता चला, तो हर किसी ने हर्ष साहनी की सराहना की ।समाजसेवी और एडवोकेट हर्ष साहनी ने इस विषय पर मीडिया से कहा, 卐मेरा अखबारों में आना या मीडिया में दिखना मेरी पहचान नहीं है। मेरी सोच यह है कि अगर मेरी तस्वीर और मेरे काम को देखकर समाज में अच्छी सोच पैदा हो, तो लोग आगे आएंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करेंगे सिर्फ यही मेरा उद्देश्य है ।卐हर्ष साहनी की इस सोच ने न सिर्फ उस मूक-बधिर मोची को नई उम्मीद दी, बल्कि समाज को यह सिखाया कि असली पहचान नाम या शोहरत में नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना में होती है।

नरवाना भारत विकास परिषद नरवाना द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नरवाना (नरेन्द्र सिंहमार) । भारत विकास परिषद शाखा नरवाना द्वारा जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 14 सितंबर रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक महावीर जैन हाई स्कूल, पतराम नगर, नरवाना में आयोजित होगा।शाखा अध्यक्ष पुनीत जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कैंप परिषद के सहयोग से तथा सिग्नस हॉस्पिटल कैथल की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा संचालित किया जाएगा। इस शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनिकोलॉजिस्ट), आहार विशेषज्ञ सहित कई सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे।शिविर में आने वाले मरीजों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आवश्यक टेस्ट व दवाइयां भी

पूर्णतः निशुल्क प्रदान की जाएंगी। परिषद की इस पहल का उद्देश्य आमजन को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराना है विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सकते।पुनीत जैन ने शहरवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर का लाभ उठाएं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। यह शिविर परिषद की सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है।

निगमायुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों को इसकी निरंतरता बनाए रखने को लेकर दिए निर्देश

निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने नगर निगम कार्यालय को जीरो वेस्ट ऑफिस घोषित करने के लिए ली बैठक, कार्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रयोग पर लगाई रोक

करनाल, । नगर निगम करनाल कार्यालय को जीरो वेस्ट ऑफिस घोषित करने को लेकर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने शुक्रवार को अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ एक बैठक कर निर्देश दिए कि कार्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक, पोलीथिन व प्लास्टिक बोटल, कप, गिलास या किसी भी दृष्टि से सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर पूर्णतः निषेध रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते दिसम्बर माह में निगम कार्यालय को जीरो वेस्ट ऑफिस तथा सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कार्यालय घोषित किया गया था। परंतु हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत इसमें ओर सुधार किए जाने की आवश्यकता है, जिसे लेकर बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 तथा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत आगामी 17 सितंबर को औपचारिक रूप से पुन÷ जीरो वेस्ट कार्यालय तथा सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त कार्यालय घोषित किया जाएगा। उन्होंने सेनिटेशन टीम को निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर में 5 प्रकार के डस्टबिन रखे जाएं। प्रत्येक कमरे में हरे व नीले रंग का डस्टबिन हो, ताकि गीला-सूखा कचरा अलग-अलग हो सके। तीन डस्टबिन क्रमशः लाल व काला कार्यालय परिसर में किसी भी उपयुक्त स्थान पर रखे जा सकते हैं, जबकि पीला डस्टबिन महिला शौचालय के अंदर रखा जाना अनिवार्य है। कार्यालय से निकलने वाले गीले कचरे को परिसर में ही पिट/ड्रम स्थापित करके या मटका विधि से खाद बनाने का कार्य किया जाए।

इलेक्ट्रिक या इलेक्ट्रिोनिक वेस्ट के लिए कार्यालय परिसर में उपयुक्त स्थान पर एक अलग काले रंग का डस्टबिन रखा जाए तथा उसके निपटान का पूर्ण रिकॉर्ड भी मेन्टेन किया जाए। हानिकारक कचरा जैसेकि ब्लेड, धारदार वस्तुएं, टूटा हुआ कांच, किसी भी केमिकल के यूज्ड कन्टेनर आदि लाल रंग के डस्टबिन में रखा जाए और उसके निपटान का रिकॉर्ड मेन्टेन किया जाए। बायोमेडिकल वेस्ट पीले रंग के डस्टबिन के रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि उनकी कार या गाडी में भी प्लास्टिक बोटल, पोलीथिन या सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुए नहीं मिलनी चाहिएं। उन्होंने बताया कि कार्यालय का निरीक्षण करने के लिए टीम गठित कर दी गई है, जो समय-समय पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने होमगार्डस को भी निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों के पास सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तु न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को भविष्य में इसकी निरंतरता बनाए रखने को कहा। उन्होंने सभी शाखाध्यक्षों एवं कर्मचारियों को सभी प्रकार के कचरे को अलग-अलग करके अलग-अलग कूड़ेदान में ही डालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी के कार्यालय में उपरोक्त वस्तुएं पाई जाती हैं या अधीनस्थ स्टाफ द्वारा कचरे को अलग-अलग नहीं किया जाता तो उनके विरूद्ध अनुशानात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील करते कहा कि अपने कार्य के लिए नगर निगम कार्यालय में आते समय सिंगल यूज प्लास्टिक से निर्मित वस्तुएं ना लेकर आएं। नागरिक कार्यालय में रखें कूड़ेदान का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही इस कार्य में सफलता हासिल की जा सकती है। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, उप निगम आयुक्त अभय सिंह तथा अधीक्षण अभियंता पुनीत कुमार मौजूद रहे।

पत्रकारों की लंबित मांगों को लेकर श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा का प्रदेशव्यापी ज्ञापन अभियान हुआ तेज : डॉ. इन्दु बंसल

संघ की गोहाना इकाई ने प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री व कैबिनेट मंत्रियों के नाम एसडीएम अंजली श्रोतीया को सौपा मांगपत्र

चंडीगढ़, प्रमोद कौशिक । हरियाणा में श्रमजीवी पत्रकारों के हितों की रक्षा में पिछले लंबे समय से आंदोलनरत संगठन श्रमजीवी पत्रकार संघ हरियाणा ने आज पत्रकारों की लंबित मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी ज्ञापन सौंपो अभियान को तीव्रता प्रदान करते हुए गोहाना में प्रसाशन के माध्यम से सरकार के नाम ज्ञापन सौपा। संघ की संस्थापक व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. इंदु बंसल ने बताया कि सरकार द्वारा लगातार पत्रकारों की लंबित मांगो की अनदेखी के चलते यह अभियान चलाया गया है, जिसका मकसद पत्रकारों की सुरक्षा, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। डॉ. बंसल ने बताया कि इस अभियान के तहत संघ की पलवल, पटौदी, रेवाड़ी,नुहं व गुरुग्राम जिला इकाईयां पिछले दिनों अपने जिलों में वरिष्ठ जिला अधिकारियों को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, प्रदेश के मंत्री अनिल विज और सुश्री आरती राव के नाम ज्ञापन दे चुकी है। डॉ. बंसल ने बताया कि ज्ञापन अभियान की इसी कड़ी में आज संघ की गोहाना इकाई के अध्यक्ष अनिल जिंदल के नेतृत्व में एसडीएम अंजली श्रोतीया को ज्ञापन दिया गया। आज इस ज्ञापन अभियान में जिला अध्यक्ष अनिल जिंदल के साथ संघ की गोहाना इकाई के सदस्य व वरिष्ठ पदाधिकारी पत्रकार सुनील जिंदल, भंवर सिंह, जगवीर जैन, नरेश शर्मा, विवेक अहलावत, संदीप, रविन्द्र, प्रीति सिंघल, मेनका देशवाल, सारिका नरवाल, मदन मोहन, अजय स्वामी और रूपेश मोके पर मौजूद रहे। डॉ. बंसल ने बताया कि ज्ञापन अभियान की मुख्य मांगों में हरियाणा में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करना, पत्रकार पेंशन को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये करना, पंजाब की तर्ज पर 10 लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना, राजस्थान मॉडल पर निःशुल्क शिक्षा योजना, रियायती दरों पर पत्रकार आवास योजना और डिजिटल मीडिया को मान्यता देना शामिल हैं।

डॉ. बंसल ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि देशभर के पत्रकारों के लिए भी रेलवे कंसेशन सेवाओं को पुनः शुरू करने और टोल टैक्स माफ करने की मांग कर रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में यह ज्ञापन अभियान संघ की इकाईयों हांसी, अम्बाला सहित अन्य जिलों में भी चलाया जाएगा, ताकि पत्रकारों की लंबित मांगो की आवाज शासन- प्रशासन तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जा सके।

युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से बचाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी ; मेयर कोमल सैनी

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस द्वारा शुक्रवार को अंसल स्थित केआर मंगलम वर्ल्ड स्कूल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बतौर मुख्यातिथि व मेयर श्रीमति कोमल सैनी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों व नशे के विरूद्ध जानकारी देकर जागरूक किया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक यातायात सुरेश कुमार सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा, केआर मंगलम वर्ल्ड स्कूल प्रिंसिपल अमित कोचर, स्कूल स्टाफ व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें।

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने इस दौरान संबोधित करते हुए विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर बताया कि सड़क पर चलते समय हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, ट्रैफिक सिग्नलों का पालन करना तथा मोबाइल फोन का उपयोग न करना जैसे नियम जीवन की सुरक्षा के लिए कितने आवश्यक हैं साथ ही नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान बारे विस्तार से जानकारी देकर बताया कि नशा केवल स्वास्थ्य को ही नहीं बल्कि भविष्य और परिवार को भी प्रभावित करता है।

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि नशा एक धीमा जहर है, जो व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य, भविष्य और संबंधों को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। उन्होंने यह भी बताया कि नशे की शुरुआत अक्सर ÷मज़े या दोस्ती÷ के नाम पर होती है, लेकिन इसका अंजाम बहुत गंभीर होता है। इसलिए युवा नशे से दूर रहकर पढ़ाई के साथ साथ खेलों में भविष्य संवारे

मेयर कोमल सैनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है, जो कल का नेतृत्व करेगा। यदि वह नशे जैसी बुराई से दूर रहता है और अपने जीवन को लक्ष्य की ओर केंद्रित करता है, तो समाज और देश दोनों उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर होंगे। इसलिए युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर अपने जीनव का संवारे। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को जागरूक रहकर इस सामाजिक बुराई से स्वयं को और दूसरों को भी बचाना होगा। यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

कुरुक्षेत्र में हुई वारदात को देखते हुए अंबाला शहर में चेकिंग अभियान चलाया

रिपोर्टर पंकज भाटिया

कुरुक्षेत्र में हुई वारदात का असर अंबाला शहर में भी दिखाई देना शुरु हो गया है एस पी अंबाला के निर्देश पर यह अभियान शुरू किया है पुलिस चैकिंग अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों पहले कुरुक्षेत्र में वारदात को अंजाम दिया गया था जिसके चलते यह अभियान शुरु किया गया है जो आगे भी चलता रहेगा पूरी गहनता के साथ जांच की जा रही कॉलेज के पास वाले एरिया में भी चेकिंग कर बुलेट मोटर साईकिल जिन में पटाखे बजाए जा रहे थे उनका चलाना किया गया और जिन गाड़ियों में काले शीशे लगे थे उनका भी चलान किया गया और जिन गाड़ियों में नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी उन्हें चेतावनी दी गई है हर बिंदु पर काम किया जा रहा कही चूक ना रह जाए इसके निर्देश दिए गए हैं।

विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित: डॉ. सुरेंद्र कुमार नागिया

घरौंडा , (सुरेन्द्र पांचाल) । राजकीय महाविद्यालय घरौंडा में बीए,बीकॉम,बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमार नागिया ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम के शुभारंभ पर सभी नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए संबोधित किया जिसमें महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के साथ अतिरिक्त महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर एंटरप्रेन्योरशिप के तहत उपलब्ध होंगे। नेशनल टास्क फोर्स के तहत शिक्षा संस्थानों में बढ़ रहे आत्महत्या के बारे में भी विद्यार्थियों को विभाग द्वारा उपलब्ध गूगल फॉर्म भरने की लिए जागरूकता प्रदान एवं महाविद्यालय परिसर में अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस ओरिएंटेशन प्रोग्राम में विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों जैसे शैक्षणिक एबीसी आईडी का पंजीकरण, शैक्षणिक वातावरण नियमित कक्षाएं लगाना, स्किल एनहैंसमेंट सीखने के परिणाम , शैक्षणिक भ्रमण, परिसर में सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए पर्यावरण की गतिविधियों के प्रति जागरूक किया गया। गतिविधियों से संबंधित शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को क्लास अटेंडेंस शॉर्टेज, अभिभावक शिक्षक मीटिंग, छात्र कल्याण योजनाएं, सभी स्कॉलरशिप, पढ़ो और कमाओ योजना, एनसीसी ,एनएसएस, कानूनी साक्षरता, सांस्कृतिक गतिविधियां, लेसन प्लान, योग क्लब, डिबेट क्लब, म्यूजिक क्लब, ड्रामा क्लब, स्पोर्ट्स क्लब, रेड रिबन क्लब, रेड क्रॉस एनवायरमेंट क्लब, शिकायत निवारण तंत्र, उच्चतर शिक्षा विभाग के पोर्टल , महाविद्यालय का पोर्टल, लाइब्रेरी, प्लेसमेंट सेल , महिला सेल, मेंटर-मेंटी ग्रुप, अनुशासन और एंटी रैगिंग से संबंधित नियमों का पालन करने के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने बारे विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के प्रभारी गुरनाम सिंह मलिक ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर डॉ देवेन्द्र कुमार, डॉ वीरेंद्र सिंह, डॉ सुरेश शर्मा, सुमन लता, मुकेश कुमार, शुभम शर्मा, गीता, अतुल जैन, अंकित राज, डॉ राकेश शर्मा, डॉ विकास, रमन इत्यादि एसोसिएट व असिस्टेंट प्रोफेसर्स ने विद्यार्थियों को अपनी-अपनी कमेटी, क्लब, सेल की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगर में युवती की आत्महत्या मामले में एक महीने बाद पिता-पुत्र पर केस, प्लाईवुड फैक्ट्री में करती थी काम

यमुनानगर, एजेंसी। बाड़ी माजरा में 11 अगस्त को प्लाईवुड फैक्ट्री के क्वार्टरों में 19 वर्षीय पूनम के फंदा लगाकर जान देने के मामले में पिता-पुत्र पर केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि दोनों ने मृतका को बहलाकर अपने पास रखा।उसे प्रताड़ित किया जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या की। हालांकि, उस समय मृतका के स्वजन ने मानसिक परेशानी में आत्महत्या की बात कही और कार्रवाई कराने से इनकार कर दिया था।मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जिला बलिया के गांव उछेड़ा निवासी पूनम अपनी बहन सुमन के साथ यहां क्वार्टरों में रह रही थी। एक वर्ष पहले वह दोनों यहां पर आए और प्लाईवुड फैक्ट्री में मजदूरी करने लगे थे।कुछ समय पहले उसकी बहन सुमन यहां से गांव चली गई जबकि पूनम यहीं रुक गई थी। सुमन का आरोप है कि पूनम को मंटू ने बहला लिया। उसे अपने पास ही रख लिया। वह उसे प्रताड़ित करता था जिसकी वजह से परेशान थी।11 अगस्त को उसका क्वार्टर बंद था। किसी ने झांककर देखा तो वह अंदर फंदे पर लटकी हुई थी। मुंशी ने दरवाजा तोड़ा और फंदे से उतारकर उसे अस्पताल में लेकर गए। जहां उसकी मौत हो गई थी।

सदर यमुनानगर थाना से जांच अधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर दो आरोपितों पर केस दर्ज किया गया। तफ्तीश की जा रही है।

हिसार में दर्दनाक हादसा, कुंदनापुर फ्लाईओवर से अनियंत्रित होकर नीचे गिरी कार, पति-पत्नी की मौत

हांसी (हिसार), एजेंसी। ढाणी कुंदनापुर के पास नेशनल हाईवे पर बुधवार को एक कार अचानक अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना में दिल्ली के गगन विहार निवासी विजय मलिक (38) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनकी पत्नी ज्योति मलिक (35) गंभीर रूप से घायल हो गई।स्थानीय लोगों ने महिला को तुरंत हांसी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अग्रोहा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार दंपती दिल्ली से सिरसा किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले थे। रास्ते में महिला ही कार चला रही थी।बताया जा रहा है कि कार तेज रफ्तार में थी और अचानक अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत राहत कार्य शुरू किया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि पुल के पास पहले भी हादसे हो चुके हैं और यहां सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। मृतकों के स्वजन को घटना की सूचना दे दी गई है।हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और सदर थाना प्रभारी सुमेर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कार को नीचे से निकलवाया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला वाहन के अनियंत्रित होकर पुल से गिरने का लग रहा है। हालांकि हादसे के सटीक कारणों की जांच की जा रही है।

कुरुक्षेत्र में मारपीट के तीन आरोपी गिफ्तार, 2 फरार, डिवाइन मॉल में युवक पर हथियार के साथ किया था हमला

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में डिवाइन मॉल में लड़ाई-झगड़ा करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. घटना गुरुवार सुबह 9 बजे की बताई जा रही है. जब कुछ युवक गाड़ी में सवार होकर आए और दूसरे युवकों के साथ मारपीट शुरू कर दी. सीसीटीवी में 5 युवक 1 युवक पर हथियारों के साथ हमला करते नजर आ रहे हैं.मारपीट के तीन आरोपी गिरफ्तार~ सिटी थाना प्रभारी विनय ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें डिवाइन मॉल में लड़ाई होने की सूचना मिली थी. इसके बाद मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया. सीसीटीवी फुटेज में पाया गया कि पांच आरोपी गाड़ी में सवार होकर आए थे. जिनमें से तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है. गाड़ी को भी जब्त किया गया है.अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस~ थाना प्रभारी ने बताया कि बाकी दो आरोपी अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं. पुलिस उनकी तलाश में जुटी है. आरोपियों पर पहले कोई केस दर्ज है या नहीं. इसका भी पता लगाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि आज आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा. रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी. आरोपियों के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जाएगी. जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा. फिलहाल मामले की जांच जारी है.

रेवाड़ी में थर्ड आई एक्टिवेशन की पढ़ाई आंखों पर पट्टी बांधकर किताबें पढ़ते हैं बच्चें

रेवाड़ी, एजेंसी। आपने प्राचीन काल के इतिहास और रामायण, महाभारत जैसी किताबों को पढ़ा होगा. जिसमें वर्णन किया गया है कि कैसे राजा दशरथ, अर्जुन और पृथ्वीराज चौहान आंखें बंद कर अपने लक्ष्य को भेद देते थे. क्या आप विश्वास करेंगे कि आज भी इस अद्भुत विद्या को सिखाया जाता है. जिसमें बच्चे आंखों पर पट्टी बांधकर हैरतअंगेज कारनामे करते हैं.।

हम आपको हरियाणा के रेवाड़ी के एक सरकारी स्कूल के बारे में बता रहे हैं, जहां बच्चों को मिड ब्रेन एक्टिवेशन यानी तीसरी आंख का ज्ञान दिया जा रहा है. नामुमकिन की हद तक मुश्किल यह काम रेवाड़ी स्कूल के बच्चे बखूबी कर रहे हैं. यह कोई मैजिक ट्रिक नहीं है, बल्कि मस्तिष्क की एकाग्रता पर आधारित जापान की एक कला है.।

हैरान होना मना है~ दरअसल, रेवाड़ी जिले में कोसली क्षेत्र के गांव कान्हड़वास स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बच्चे थर्ड आई एक्टिवेशन (मिड ब्रेन एक्टिवेशन) सीख रहे हैं. अक्सर लोग इसे मैजिक कहते है, लेकिन यह विज्ञान और योग का कठिन प्रशिक्षण होता है. थर्ड आई एक्टिवेशन में बच्चे आंखों पर पट्टी बांधकर उसके नीचे कॉटन लगाते हैं और किताबें पढ़ना, चलना, टाइम बताना, सुई में धागा डालना, सूंघकर और छूकर चीजों की पहचान करने जैसे अन्य अचंभित काम करते हैं.

15 दिन के अंदर बच्चा करने लगता है मैजिक~ विद्यालय के मास्टर भूप सिंह ने बताया कि इस कला का नाम मिड ब्रेन है, जिसमें 3 से 14 साल तक के बच्चे हैं. मैं करीब एक सप्ताह की ट्रेनिंग देता हूं, जिसके बाद बच्चे खुद रंगों की पहचान करने लग जाते हैं. 15-20 दिनों की ट्रेनिंग के बाद बच्चे बिना किसी झिझक के आसानी से किताबें, अखबार पढ़ सकते हैं. इसके अलावा, करीब 15-20 दिन की ट्रेनिंग के बाद बच्चे म्यूजिक, योगा, डांस भी करने लग जाते हैं. सरकारी स्कूलों में संसाधनों का अभाव रहता है. जिसके चलते अभी तक 25 में से केवल दो बच्चों को ही तैयार कर पाया हूं. यह कला एसी रूम के अंदर सिखाई जाती है. इसमें तापमान का अहम रोल होता है.

मस्तिष्क का होता है विकास~ उन्होंने बताया कि यह शिक्षा बच्चों के दिमागी विकास की एक विशेष तकनीक है. इसके अभ्यास से विद्यार्थी अपनी मानसिक क्षमता का विस्तार कर सकते हैं. सामान्य दृष्टि के बिना भी आसपास की वस्तुओं और परिस्थितियों को समझने की क्षमता विकसित कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि इस प्रयोग को विद्यालय के बच्चों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है.गजब की कला है~ छात्र अश्विनी पुनिया से जब सवाल पूछे गए तो उसने बिना देखे ही सभी उत्तर बड़ी आसानी से दे दिए थे. यह देखकर मौजूद शिक्षक और ग्रामीण भी हैरान रह गए. गांव के लोग भी इस नई शिक्षा पद्धति में गहरी रुचि दिखा रहे हैं. उम्मीद जता रहे हैं कि यदि इस तरह के प्रयोग सफल रहे तो भविष्य में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के सर्वांगीण विकास में यह तकनीक मील का पत्थर साबित हो सकती है.मिड ब्रेन एक्टिवेशन क्या है~ जानकारी के लिए बता दें कि मस्तिष्क के दो भाग होते हैं, लेफ्ट ब्रेन और राइट ब्रेन. इन दोनों भागों को जोड़ने वाले हिस्से को इंटर ब्रेन या मिड ब्रेन कहा जाता है. आम तौर पर लोग लेफ्ट ब्रेन का उपयोग करते हैं. राईट ब्रेन बहुत कम इस्तेमाल किया जाता है. मिड ब्रेन अगर एक्टिव हो जाए तो बच्चा ऑलराउंडर बन जाता है. लेफ्ट ब्रेन पढ़ाई, लॉजिक और याददाश्त में मददगार होता है. जबकि राइट ब्रेन आविष्कार, सूझबूझ और सृजनात्मकता के लिए काम आता है.।

फरीदाबाद-मुख्यमंत्री उडन दस्ता टीम ने अवैध पटाखा फैक्टरी का किया

फरीदाबाद.12 सितंबर। सुनील कुमार जांगड़ा. 11 सितंबर को कार्यालय मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जिला फरीदाबाद थाना क्षेत्र तिगांव के गांव अलीपुर के खेतों में अवैध रुप से पटाखा फैक्टरी चलाई जा रही है। जहाँ पर पोटास आदि अवैध रूप से पटाखे बनाने की सामग्री रखी हुई है, जिससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। यदि संबंधित विभाग के साथ चैकिंग की जाये तो अवैध रुप से चल रही पटाखा फैक्टरी का भंडाफोड हो सकता है। उपरोक्त सूचना के आधार पर मुख्यमंत्री उडन दस्ता फरीदाबाद द्वारा गांव अलीपुर के खेतों में अवैध रुप से चलाई जा रही पटाखा फैक्टरी का अग्निशमन, प्रदूषण, बिजली विभाग व स्थानीय पुलिस के साथ औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मालूम हुआ कि इस अवैध पटाखा फैक्ट्री का मालिक रोहित कुमार निवासी रोहिणी दिल्ली है। इस पटाखा फैक्टरी में भारी मात्रा में निर्मित पटाखे व पटाखों के निर्माण में उपयोग होने वाले विस्फोटक पदार्थ का भंडारण किया हुआ मिला। मौका पर फैक्टरी में 170 पेटी तिल्ली पटाखे पैकिंग शुदा प्रति पेटी 12.500 किलो पटाखे कुल वजन 2125 किलो, 243 कैरिट तिल्ली पटाखे प्रति कैरिट 70 केक तिल्ली पटाखे जिनको पैक किया जाना था का वजन 7994 किलो कुल तैयारशुदा 10119 किलो पटाखों के अलावा पटाखे बनाने के लिए 40 किलोग्राम पोटाश, 5 किलोग्राम एल्युमिनियम पाउडर व 400 किलोग्राम कोयला पावडर व भारी मात्रा में खाली केक , पैकिंग आदि रखा हुआ मिला। इस संबंध में स्थानीय पुलिस द्वारा आरोपी रोहित कुमार के विरुद्ध अभियोग संख्या 114 दिनांक 11.09.2025 धारा 223ए, 288 बी एन एस व धारा 9बी विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत थाना तिगांव में अंकित कराया गया है। यहां पर बिजली चोरी का भी मामला पाया गया। जिसके सम्बन्ध में बिजली विभाग द्वारा अलग से कार्यवाही की गई। इसके अलावा फैक्ट्री मालिक द्वारा प्रदूषण विभाग से भी कोई अनुमति नही ली हुई थी जिसके सम्बन्ध में प्रदूषण विभाग द्वारा भी अलग से कार्यवाही की गई है।

फिलहाल मानसून पड़ा कमजोर 5 जिलों में होगी हल्की बारिश

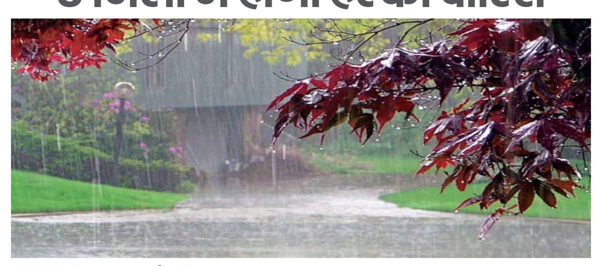

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में पिछले दिनों जमकर बारिश हुई. हालांकि पिछले कुछ दिनों से बारिश की रफ्तार कम हो गई है. आज भी मौसम विभाग ने प्रदेश के 5 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है. वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक 16 सितंबर के बाद मानसून एक बार फिर सक्रिय होगा. ऐसे में फिर से भारी बारिश की संभावना है.

कई जिलों में होगी बारिश~ मौसम विभाग के मुताबिक आज पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र और करनाल में बादल छाए रहने के साथ ही कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. जबकि अन्य जिले सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक, पानीपत, सोनीपत, झज्जर, महेंद्रग, रेवाी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह और पलवल में मौसम पूरी तरह से साफ रहने की संभावना हैं।

इस दिन से बढ़ेगी मानसून की सक्रियता~ इस बारे में मौसम वैज्ञानिक डॉ. मदन खीच ने बताया कि, 16 सितंबर के बाद मानसून फिर से सक्रिय होगा और हरियाणा में बारिश होगी. मानसून टर्फ श्री गंगानगर, बरेली, बाराबंकी, देहरी, पुरुलिया, दीघा होते हुए उत्तरपूर्व बंगाल की खाड़ी तक बना हुआ है.हिमाचल प्रदेश पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिस कारण नमी वाली हवाएं तराई वाले क्षेत्रों तथा हिमालय की तलहटी की तरफ चलेंगी. जिस कारण हरियाणा में मौसम परिवर्तनशील बने रहने की संभावना हैं।

नजफगढ़ ड्रेन का पानी उतरने से निवासियों को राहत, सड़कों पर कीचड़ और बदबू बनी नई चुनौती

बादशाहपुर, एजेंसी। सेक्टर-107 स्थित सोसायटियों एम3एम, वुडशायर और ग्लोबल सिलेरियो के निवासियों को आखिरकार नजफगढ़ ड्रेन से घुसा पानी उतरने के बाद सोसायटी निवासियों को तो राहत मिली है।किसानों की कई हजार एकड़ जमीन पर अभी भी पानी जमा है। कई दिनों से जमा पानी से बदबू और संक्रमण फैलने की आशंका तीन नई चुनौती प्रशासन और निवासियों के सामने खड़ी हो गई है।कई दिनों से जलभराव की समस्या झेल रहे लोग

अब अपने घरों और बेसमेंट से पानी निकल जाने के बाद सामान्य स्थिति की ओर लौट रहे हैं। सड़कों और गलियों में फैला गाढ़ा कीचड़, जमा कचरा और बदबू स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं।कई जगहों पर गाड़ियों का आवागमन बाधित है और पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। निवासियों का कहना है कि राहत जरूर मिली है। लेकिन हालात अभी भी सामान्य नहीं हुए हैं। कीचड़ और गंदगी से संक्रमण और बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है।लोग प्रशासन से तुरंत सफाई अभियान और सैनिटाइजेशन कार्य शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

जब पानी उतर गया तो दौरा करने का क्या मतलब..., जींद में सरपंच ने विधायक विनेश फोगाट को सुनाई खरी-खरी

जींद, एजेंसी। हरियाणा में हुई भारी बारिश से बाढ़ के बाद नुकसान का जायजा लिया जा रहा है. अलग-अलग इलाके में राजनीतिक नेता प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं. इसी कड़ी में जींद के जुलाना क्षेत्र में कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने प्रभावित गांव बराड़ खेड़ा, बुआना, खरेंटी, गढ़वाली, झमोला, करेला, मालवी और देवरड़ का दौरा किया. इस दौरान विनेश फोगाट का बुआना में विरोध का भी सामना करना पड़ा. ग्रामीणों ने कहा कि 100 फोन करने पर भी आपने फोन नहीं उठाया,अब क्या करने आई हो.।

प्रभावित गांवों में पहुंचीं विधायक~ विधायक फोगाट ने किसानों की समस्याएं सुनी और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया. उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि खेतों से पानी की निकासी के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि किसानों की फसलें बचाई जा सके. विधायक ने कहा कि किसानों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा. नुकसान का आकलन करवाकर उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में भी काम किया जाएगा. किसानों ने विधायक के इस दौरे की सराहना भी की. उम्मीद जताई कि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा.।

विधायक को सुना दी खरी-खरी~ वहीं, बुआना गांव में सरपंच एसोसिएशन के जिला प्रधान ने विधायक विनेश फोगाट को खरी-खरी सुना दी. जिला प्रधान और प्रदेश प्रवक्ता सुधीर बुआना ने कहा कि सरपंच एसोसिएशन और पंचायत समिति सदस्यों ने समर्थन देकर चुनाव में जिताया था. लेकिन अब विधायक फोन उठाना भी उचित नहीं समझती. सुधीर ने कहा कि जब गांवों का 75 प्रतिशत पानी उतर चुका है. तो अब दौरा करने का क्या औचित्य. विधायक जल निकासी का उचित प्रावधान करें.।

सरपंच का विधायक पर तंज~ विधायक ने कहा कि प्रशासन से बात हुई है. बराड़ खेड़ा का पानी तभी उतरेगा, जब आप सहयोग करेंगे. सुधीर बुआना ने कहा कि हम क्यों सहयोग करें. जब आप फोन उठाना ही उचित नहीं समझते. 100 बार तो मैंने कर लिया. चुनाव में तो आप सहयोग मांग रहे थे. अब आप फोन भी नहीं उठाते. दोनों गांवों का भाईचारा ठीक है. हम कोई सहयोग नहीं करेंगे. विधायक विनेश फोगाट ने कहा कि चलो ठीक है. यह कहकर विधायक आगे निकल ।

कुरुक्षेत्र एलएनजेपी का किया औचक निरीक्षण, महिला टॉयलेट बंद मिला तो स्वास्थ्य मंत्री ने तुड़वाया दरवाजा

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव शुक्रवार को बिना किसी सूचना के कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी सिविल अस्पताल पहुंचीं. उनके इस औचक निरीक्षण से स्टाफ में हड़कंप मच गया. मंत्री ने मरीजों से बातचीत कर इलाज और सुविधाओं की जानकारी ली. अस्पताल का निरीक्षण करते हुए जब वह महिला टॉयलेट तक पहुंचीं, तो उसे बंद पाया गया. जब ताला खुलवाने की कोशिश की गई तो कोई चाबी नहीं मिली. इसके बाद आरती राव ने गुस्से में आकर दरवाजा तोड़ने के आदेश दिए. जब सुरक्षाकर्मी दरवाजा तोड़ने लगे तो उसका शीशा टूट गया. अंदर गंदगी और बदहाली देखकर मंत्री ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई.।

टॉयलेट, मेडिकल स्टोर और अव्यवस्थाओं की जांच~ निरीक्षण के दौरान आरती राव ने मेडिकल स्टोर, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन जांच की. उन्हें कई जगहों पर अव्यवस्था नजर आई, जिसमें सफाई की स्थिति बेहद खराब थी. उन्होंने मीडिया से कहा कि वे यहां विशेष जांच के मकसद से आई हैं और सफाई व्यवस्था पर भी नजर डाली है. अस्पताल परिसर में निर्माण कार्य चल रहा है, जिस कारण मलबा पड़ा हुआ है. आरती राव ने पीएमओ को निर्देश दिए हैं कि मलबा तुरंत हटवाया जाए और इसकी तस्वीर उन्हें भेजी जाए ताकि काम की प्रगति की निगरानी हो सके.

दवाइयों की कमी और रेफर प्रथा पर चिंता~ स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल के मेडिकल स्टोर की भी जांच की, जहां करीब 40 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध थीं. उन्होंने बताया कि जो दवाइयां कम हैं, उन्हें जल्द ही उपलब्ध करवाया जाएगा ताकि मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदनी ना पड़ें. मुझे मीडिया से जानकारी मिली है कि कुछ डॉक्टर मरीजों को दूसरी जगह रेफर करते हैं. इस पर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि यदि आगे इस प्रकार की घटनाएं बढ़ीं, तो कड़े कदम उठाए जाएंगे और संबंधित अधिकारियों से बातचीत की जाएगी.।

गायनी डॉक्टरों के लिए जगह की कमी~ आरती राव ने महिलाओं की डिलीवरी से जुड़ी रिपोर्ट भी मंगवाई, जिसमें पता चला कि पिछले महीने 26 सामान्य डिलीवरी और 5 से 10 ऑपरेशन हुए. उन्होंने बताया कि अस्पताल में चार गायनी डॉक्टर हैं, लेकिन सिर्फ एक कमरा है. जिसमें सभी बैठती हैं. जगह की कमी के कारण मरीजों को परेशानी हो रही है. जैसे ही नई बिल्डिंग तैयार हो जाएगी, सुविधाएं बेहतर हो जाएंगी. अस्पताल में एक्सपर्ट डॉक्टरों की भी कमी है, जिसे जल्द पूरा किया जाएगा.।

500 नए डॉक्टरों की नियुक्ति जल्द~ आरती राव ने बताया कि हरियाणा में जल्द ही 500 नए डॉक्टर नियुक्त किए जाएंगे. पहले भी कई डॉक्टरों की भर्ती की थी और भविष्य में और नियुक्तियां होंगी. एक्सपर्ट डॉक्टरों की जरूरत को देखते हुए एनएचएम से बात की जा रही है, ताकि वे हफ्ते में दो-तीन दिन मरीजों को देख सकें. महिला डॉक्टरों के लिए टॉयलेट ना होने की बात पर उन्होंने पीडब्ल्यूडी को फटकार लगाई और ताला तोड़ कर गंदगी का जायजा लिया. साथ ही बाढ़ के बाद डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया को लेकर अलर्ट जारी किया गया है.देर से पहुंचने वाले डॉक्टरों पर सख्त रुख~ निरीक्षण के दौरान आरती राव को यह भी जानकारी मिली कि एक डॉक्टर सुबह 11 बजे अस्पताल पहुंचा, जबकि उस समय करीब 300 मरीज उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे. उन्होंने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कहा कि ऐसे मामलों की उन्हें सीधे जानकारी दी जाए. अस्पताल में निर्माण कार्य के कारण कुछ असुविधाएं हैं, लेकिन नई बिल्डिंग तैयार होने के बाद सब कुछ बेहतर हो जाएगा. ठेकेदार कंपनी को काम में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि निर्माण समय पर पूरा किया जा सके.।

छोटे भाई के हत्यारोपी को भेजा जेल

जमीन के बंटवारे को लेकर बडे भाई ने छोटे भाई कर दी थी हत्या

मथुरा। थाना नौहझील मथुरा पुलिस ने गोली मारकर अपने छोटे भाई की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी से उस तमंचे को भी बरामद कर लिया है जिससे गोली चलाई गयी थी। थाना नौहझील पुलिस टीम द्वारा अपने भाई को तमंचा से गोली मारकर हत्या करने वाले वांछित अभियुक्त संजीव पुत्र चन्द्रपाल निवासी ग्राम शल्ल थाना नौहझील जनपद मथुरा उम्र 38 वर्ष को शुक्रवार को करीब 10.55 बजे, बाजना कट के पास टोल वाली रोड के पास थाना नौहझील से गिरफ्तार कर लिया। 10 सितम्बर की रात्री को पारिवारिक भूमि बटवारे के विवाद के कारण अभियुक्त संजीव कुमार पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी शल्ल द्वारा अपने भाई अजीत पुत्र चन्द्रपाल सिंह नि0 शल्ल थाना नौहझील मथुरा को गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके सम्बन्ध में थाने पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। कार्यवाही करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सोनू कुमार थाना नौहझील, एसआई संजय कुमार, एसआई अंकित कुमार, एसआई यशपाल सिंह थाना नौहझील आदि थे।

अरविन्द चित्तौड़िया रालोद खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव बने

मथुरा। अरविन्द चित्तौड़िया रालोद खेल प्रकोष्ठ के राष्टीय महासचिव बनाया गया है। अरविन्द चित्तौड़िया को खेल एवं खिलाड़ियों के हित में किये गए कार्यों के लिए उनको राष्टीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्टीय अध्यक्ष चौ. निरपाल सिंह पूर्व राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने अरविन्द चित्तौड़िया को राष्टीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ का राष्टीय महासचिव मनोनीत किया। मनोनीत होने पर चित्तौड़िया ने कहा जल्द ही पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.मा चौ चरण सिंह खेल उत्सव व खिलाडी सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा. इसके साथ ही भारत के खेलो को उचित मंच प्रदान किया जायेगा। मनोनीत होने पर रालोद नेता रविंद्र नरवार, राजपाल भरंगर, तरुण नरवार, श्यामवीर सिंह चौधरी, अमित शर्मा, विनोद गौतम, बच्चू चौधरी, महेंद्र राजपूत, दलवीर सिंह, प्रेमपाल सिंह, अर्जुन सिंह, आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

राया में रेलवे ने सड़क निर्माण कार्य किया प्रारंभ

अतिक्रमण से राहगीरों को मिलेगी निजात

मथुरा। पूर्वोत्तर रेलवे ने रेलवे रोड पर शुक्रवार को सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया। रेलवे द्वारा कटरा बाजार फाटक से लेकर मांट फाटक तक रेलवे रोड पर इंटरलॉकिंग कर सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसको लेकर सुबह आरपीएफ पुलिस और रेलवे कर्मचारियों ने रेलवे रोड पर लाइन के सहारे लगे तख्त ढकेल सब्जी की स्थाई वाले अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया।जिसमे बाद रेलवे अधिकारियों कर्मचारियों की मौजूदगी में सड़क इंटरलाकिंग निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्रीय लोगों को ऊबड़ खाबड़ रास्ते बरसात के दौरान मंडी में होने वाली कीचड़ से निजात तो मिलेगी ही साथ सब्जी बिक्रेताओं द्वारा रेलवे के मार्ग को अवरुद्ध करने वाले अबैध कब्जे से राहगीरों को होने वाले समस्याओ से निजात मिल पाएगी।

किसान सभा ने एडीएम को दिया 20 सूत्रीय ज्ञापन

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर समस्याएं हल कराने की मांग की

मथुरा। भारतीय कम्यूनिष्ट पार्टी की किसान सभा मथुरा द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय आज किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। बाद में एडीएम (प्रशासन) को 20 सूत्रीय ज्ञापन देकर समस्याएं हल कराने की मांग की। किसान सभा के प्रांतीय नेता का. दिगम्बर सिंह, किसान सभा मथुरा के अध्यक्ष का. सुरेश आर्य के नेतृत्व में दिए कार्यकर्ता किसानों की मांगें पूरा करो के नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। ज्ञापन में बाढ़ प्रभावित किसानों को फसल मुआवजा 30 हजार प्रति एकड़ देने, जलप्लावन के क्षेत्रों में मेडिकल सुविधा, ब्लॉक, तहसील स्तर पर अधिक कार्यों को देखते हुए स्टाफ भर्ती, बिजली के बिलों को निरस्त करने, स्मार्ट मीटर न लगाए जाने, नहरों की सफाई, पशुओं के चारे की निरूशुल्क आपूर्ति, आवारा पशुओं पर रोक लगाने की मांग की गई। प्रदर्शन करने वाले किसानों में प्रहलाद सिंह, भगवान सिंह, नरेंद्र सिंह, गोविंद, जितेंद्र सिंह जगवीर, सीपीआई एम के जिला सचिव का टिकेंद्र सिंह ने भाग लिया।

बेटे ने बाप को कार से रौंदा

मरने से बच गया बाप तो बेटा सलाखों के पीछे पहुंचाया

मथुरा। थाना नौहझील पुलिस ने अपने ही पिता को जान से मारने की नियत से जान बूझकर कार से रौंद देने की घटना में वांछित चल रहे बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना नौहझील पुलिस टीम ने शुक्रवार को करीब 8.15 बजे मुखबिर की सूचना पर अपने ही पिता को जान से मारने की नियत से जान बुझकर कार से टक्कर मारकर घायल कर देने के अभियोग में वांछित चल रहे अभियुक्त कमल पुत्र सुरेश निवासी ग्राम अहमदपुर थाना नौहझील हाल निवासी सरस्वती विहार बालाजीपुरम थाना हाईवे को बाजना कट हाइवे पर चढ़ने वाली पगडंडी से गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पिता सुरेश ने थाना नौहझील पर धारा 109, 351(3) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कार्यवाही करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सोनू कुमार थाना नौहझील, एसआई महीपाल सिंह थाना नौहझील आदि पुलिसकर्मी थे।

संस्कार महाकुम्भ' में सम्मानित होंगी देश की 111 विभुतियाँ

आदर्श संस्कार शाला द्वारा 'हिंदी दिवस' पर बीएसए कॉलेज में होगा सम्मान समारोह

समारोह में संत-धर्माचार्य, राजनेता, फिल्म डायरेक्टर, एवं विशिष्टजन होंगे शामिल

मथुरा। आदर्श युवा समिति द्वारा 'आदर्श संस्कार शाला' परियोजना के अन्तर्गत अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस 'संस्कार महाकुंभ 2025' का आयोजन किया जायेगा । विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों से राष्ट निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली देश के कोने-कोने से चयनित 111 विभूतियों को मंच पर सम्मानित किया जायेगा । कार्यक्रम में प्रसिद्ध धर्मगुरू, संत, राजनेता, फिल्म डायरेक्टर एवं अन्य विशिष्टजन शामिल होगें ।

आदर्श संस्कार शाला के समन्वयक दीपक गोस्वामी ने जानकारी देते हुये बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार के माध्यम से समाज एवं जनहित में कार्य करने वाले लोगों को संस्था द्वारा प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है । इसी क्रम में आगामी 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के अवसर पर बी. एस. कॉलेज और इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज में 'संस्कार महाकुंभ 2025' का आयोजन प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा ।

समारोह के डॉ अनिरुद्धाचार्य महाराज, सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज, जैन आचार्य लोकेश मुनि, द्वाराचार्य बाबा बलराम दास महाराज, डॉ. कमल टावरी (आईएएस), कमलानंद भाईजी, आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, देहरादून (उत्तराखंड) से महामंडलेश्वर आदियोगी पुरी आदि धर्मगुरू 'संस्कार और हमारा समाज' विषय पर युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे ।

मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवा योजन राज्य मंत्री श्री मनोहर जी (मन्नु कोरी) और अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मुम्बई के प्रख्यात फिल्म निर्देशक अनिल शर्मा, अखिल भारतीय पंचायत परिषद के अध्यक्ष बाबू वाल्मिकी सिंह, कमल नयन चोबे, पूर्व पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड, प्रख्यात छत्तीसगढ़ी फिल्म स्टार शेखर सोनी एंव अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहेंगे ।

लाठसाबह: एक किलोवाट के मीटर पर फूंक रहे अंधाधुंध बिजली

- सिर्फ छाता, कोसी क्षेत्र में बहुतायत में स्वीकृत हैं एक किलोवाट की विद्युत संयोजन
- प्रवर्तन दल की कार्यवाही में खुली विद्युत विभाग की पोल

मथुरा। विद्युत विभाग के प्रवर्तन दल ने दो दिन में तीन क्षेत्रों में नौ स्थानों पर कार्यवाही करते हुए 50 किलोवाट से अधिक की बिजली चोरी पकडी है। इनमें एक परिसर में बिना कनेक्शन के बिजली चल रही थी। बाकी परिसरों में कनेक्शन होने की आड में बिजली चोरी की जा रही थी। 10 नवम्बर को कोसीकला क्षेत्र में प्रवर्तन दल की टीम ने चार गांवों में पांच परिसरों में बिजली चोरी पकडी। इन परिसरों मे करीब 40 किलोवाट की बिजली चोरी हो रही थी। चार किलोवाट से लेकर नौ किलोवाट भार पर बिजली चोरी हो रही थी जबकि इन सभी परिसरों में एक किलोवाट का बिजली कनेक्शन स्वीकृत था। जनपद भर में सभी क्षेत्रों में विद्युत विभाग एक किलोवाट के विद्युत संयोजनों को दो या इससे अधिक किलोवाट भार में तब्दील कर चुका है। इक्का दुक्का कनेक्शन ही एक किलोवाट के मिलते हैं। जबकि कोसीकला क्षेत्र में हुई सभी कार्यवाही में एक किलोवाट का संयोजन ही स्वीकृत था। इससे यह पता चलता है विद्युत विभाग के कर्मचारी और अधिकारियों की मिलीभगत से यह सब हो रहा था। गांव हरिपुरा में एक किलोवाट के संयोजन पर 8950 वाट भार चोरी की बिजली से चलता मिला। बरहना में छह किलोवाट से अधिक भार चल रहा था। तुमौला में 4922 किलोवाट का भार चल रहा था। छाता में दो स्थानों पर प्रवर्तन दल ने कार्यवाही की। छाता के हरिनाथिया थोक में एक परिसर में चार किलोवाट से अधिक की बिजली चोरी पकडी। इस परिसर में एक किलोवाट का संयोजन स्वीकृत था। नगला बिरजा में बिना संयोजन के ही पांच किलोवाट से अधिक भार की बिजली चोरी होते हुए पकडी। 10 नवम्बर को सुरीर क्षेत्र के गांव कराहरी में दो स्थानों पर प्रवर्तन दल की टीम ने कार्यवाही की थी। यहां एक परिसर में दो किलोवाट के समायोजन पर करीब छह किलोवाट भार तथा दूसरे परिसर में एक किलोवाट के संयोजन पर चार किलोवाट की बिजली चोरी पकडी। 10 नवम्बर को ही कोसीकला क्षेत्र में प्रवर्तन दल की टीम ने गांव जाब, हरिपुरा, तुमौला एक एक स्थान पर तथा गांव बरहना में दो स्थानों पर बिजली चोरी पकडी। पाचों परिसरों में एक एक किलोवाट के मीटर लगे हुए थे जबकि जबकि चार से नौ किलोवाट भार तक की बिजली चोरी पकडी गई। सभी परिसरों में विद्युत लाइन से सीधे केबिल डाल कर या मीटर से पहले इनकमिंग केबिल में कट लगाकर बिजली चोरी की जा रही थी।

हाईवे पर ट्रक से 25 लाख की शराब पकड़ी

पुलिस व आबकारी विभाग ने की संयुक्त कार्यवाही

मथुरा। हाईवे से तस्करी कर ले जाई जा रही करीब 25 लाख रुपये की शराब को ठिकाने पर पहुंचने से पहले ही मथुरा में पकड़ लिया गया। थाना कोसीकलां पुलिस व आबकारी टीम की संयुक्त कार्यवाही में अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर को को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 500 पेटी अवैध पंजाब, हरियाणा मार्का अंग्रेजी शराब जब्त की है। शराब की अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रूपये है। इस शराब को एक ट्रक में छुपा कर ले जाया जा रहा था। शुक्रवार को करीब 05.42 बजे कोसीकला क्षेत्र में एनएच 19 पर ब्रज होटल के सामने दिल्ली से मथुरा लेन पर एक अन्तर्राजीय शराब तस्कर चांद पुत्र सत्यनारायण निवासी गांव डाहर थाना इसराना जिला पानीपत हरियाणा 'को 17 पेटी क्वार्टर, 185 पेटी हाफ, 203 पेटी बोतल सभी मेकड्वल नमबर 01 अंग्रेजी शराब पंजाब मार्का तथा 95 पेटी रॉयल चेलैंजर अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का (कुल 500 पेटी) कीमत लगभग 25 लाख रूपये व तस्करी में प्रयुक्त एक ट्रक के साथ गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल थाना कोसीकलां, आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा क्षेत्र- 2 मथुरा मय टीम, एसआई उत्तम चौहान चौकी प्रभारी जिंदल चौराहा थाना कोसीकलां, एसआई अंकित मलिक चौकी प्रभारी बठैन गेट थाना कोसीकलां, एसआई संदीप सिंह थाना कोसीकलां आदि शामिल थे।

मुक्केबाजों के हुनर पर बजती रहीं दर्शकों की तालियां

- मंडलीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में मथुरा व आगरा के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

मथुरा। स्वर्गीय मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में मंडलीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता शुभारंभ आज सेप्रारंभ हो गया। जिसके प्रथम दिन मथुरा व आगरा के बॉक्सरों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके दर्शकों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन सहजिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल एवं मंडलीय पर्यवेक्षक डॉ. एस. के. सिंह एवं मंडलीय कीड़ा समिति के सचिव अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस प्रतियोगिता के अंडर -14 बालक वर्ग में 28 से 30 किलोग्राम में लोकेश मथुरा, 34 से 36 वर्ग में प्रदीप मथुरा, 36 से 38 वर्ग में जमुना दास मथुरा, 38 से 34 किलोग्राम में केशव गोला मथुरा, 40 से 42 किलोग्राम में अविनाश कुमार मथुरा, 44 से 40 किलोग्राम में कार्तिक राना आगरा, 46 से 48 किलोग्राम में पवन मथुरा, 48 से 50 किलोग्राम में आदित्य ठाकरे आगरा, विजेता रहे। इसी प्रकार अंडर 17 बालक वर्ग में 40 किलो में हर्ष यादव आगरा, 46 से 48 किलो वर्ग में युवराज आगरा, 48 से 50 किग्राम वर्ग में आलोक आगरा, 50 से 52 वर्ग किलोग्राम में प्रिंस कुमार आगरा, 52 से 54 में करण वर्मा आगरा, 54 से 27 किलोग्राम में साहिल खान आगरा, 57 से 60 किलोग्राम में विनीत पाराशर आगरा विजेता रहे। अंडर-19 बालक वर्ग में गोविंद माथुर, 40 से 49 किलोग्राम में लक्ष्य सिंह परिहार आगरा, 49 से 52 किलोग्राम में दिव्यांश पचौरि आगरा, 52 से 56 किलोग्राम में मुस्तकीम मथुरा, 56 से 60 किलोग्राम में राजेंद्र मथुरा, 60 से 64 किलोग्राम में कृष्ण सिसोदिया मथुरा, 69 से 75 किलोग्राम में सूर्यांश प्रताप आगरा, 75 से 81 किलोग्राम में तरुण दुबे आगरा, 81 से 91 किलोग्राम में गगन आगरा, 91 में भरत मथुरा विजेता रहे। प्रतियोगिता का समापन मथुरा के जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश यादव एवं जनपदीय क्रीडा समिति सचिव डॉ. पदम सिंह कौत्तेय द्वारा सामूहिक रूप से किया निर्णायक की भूमिका में धीरेंद्र सिंह, डी के सिंह, विनोद कुमार पाल, अमित गौतम, रजत चौधरी, पंकज चौधरी, राजेंद्र सिंह, अखिलेश कुमार वर्मा, महेंद्र सिंह एवं रवि प्रकाश रहे।

रांची बांगर में पहुंची प्रियंका रसोई की खाद्य सामग्री

- कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए चलाया अभियान
- खाद्य सामग्री के अलावा अन्य जरूरत के लिए भी कांग्रेसी कर रहे हैं मदद

मथुरा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर के निर्देश पर जिला कांग्रेस महासचिव वैध मनोज गौड़ के नेतृत्व में शहरी क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रियंका गांधी रसोई में तैयार खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। जानकारी रहे जिला कांग्रेस के द्वारा जिला कांग्रेस सेठवाड़ा में प्रियंका गांधी रसोई चलाई जा रही है जहां से खाद्य सामग्री के पैकेट बनाकर कांग्रेसी कार्यकर्ता पीड़ितों तक पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस जिला महासचिव वैध मनोज गौड़ के नेतृत्व में रांची बांगर, कोयला अलीपुर, गंगा सिटी, यमुना सिटी, गणेश वाटिका, राजराजेश्वरी पुरम, गिर्राज वाटिका में पहुंचकर के बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित की गई उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से उनकी अन्य जरूरत की चीज भी पूछी और कहा कि वह हर संभव मदद करेंगे। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बालवीर प्रधान ने कहा है कि बाढ़ पीड़ितों के लिए वह कांग्रेसियों के सहयोग से प्रियंका गांधी रसोई चला रहे हैं इसमें खाद्य सामग्री तैयार करके बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं इस संबंध में उनके द्वारा कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को भी जानकारी दी गई है और बताया गया है कि मथुरा में बाढ़ से हालत बहुत खराब है बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रशासन द्वारा जो कुछ किया जा रहा है वह काफी कम है।पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि यह समय बाढ़ पीड़ितों की निस्वार्थ भाव से बिना किसी भेदभाव के मदद करने का है इसमें किसी को भी भेदभाव नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों के घर के घर बर्बाद हो गए और लोग सड़क पर आ गए हैं ऐसे में उनको केवल खाद्य सामग्री की ही नहीं बल्कि पैसे से लेकर पीने के पानी तक की आवश्यकता है यदि उन्हें यह मदद नहीं मिली तो किसी भी प्रकार की जनहानि संभव है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि वह बाढ़ पीड़ितों को खाद्य सामग्री के अलावा अन्य सामग्री भी उपलब्ध कराएं। उपस्थित कांग्रेसी जनों में सर्वश्री रमेश कश्यप रूपेश धनगर करण निषाद अर्नब चौधरी आशीष अग्रवाल हाशिम हुमेर अनिल खरे विवेक धनगर बलवीर सिंह विमल कुमार राजेश सिंह सोनू वर्मा सुरेश शर्मा दिलशाद खान शैलेंद्र चौधरी मुस्लिम कुरैशी जिलानी कादरी सहित आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

माननीय भी मान रहे प्रदेश की छवि पर बट्टा लगा रही यातायात पुलिस !

दूसरे प्रदेश या जनपद के वाहनों पर बेरहम होकर टूटते हैं

मथुरा। माननीय भी मान रहे हैं कि प्रदेश की छवि पर यातायात पुलिस बट्टा लगा रही है। बाहर से आने वाले लोग अच्छी यादें लेकर नहीं लौटते हैं। सडक पर झुड में खडे यातायात पुलिसकर्मियों की नजर दूसरे प्रदेश और जनपदों के वाहनों पर टिकी रहती है। ये वाहन पुलिसवालों के लिए सॉफ्ट टारगेट होते हैं। यहां तक पुलिसकर्मी यह भी नहीं देखते हैं वाहन में कोई मरीज है या महिला है। इन वाहनों के चालकों के साथ पुलिस का व्यवहार बेहद अमानवीय हो जाता है। इस ओर माननीयों का ध्यान गया है और आदेश निर्देश भी जारी हुए हैं। उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्राक्कलन समिति 2025 19 मई को गृह विभाग से संबंधित बैठक हुई। बैठक का संज्ञान लिया गया है। इसके बाद अपर पुलिस महानिदेशक कार्यालय से प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्त, एसएसपी, एसपी को आठ सितम्बर को पत्र जारी किया गया है जिसमें यातायात पुलिस के व्यवहार को लेकर सख्त टिप्पणी की गई है और निर्देश दिये गये हैं। एक चौराहे पर चार पांच पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगी रहती है। ये सब एक जगह इकठ्ठा रहते हैं। किसी दूसरे जनपद की गाडी आती है तो उस पर एक साथ टूट पड़ते हैं। किसी दूसरे प्रदेश के वाहन आते हैं तो उनके साथ यातायात पुलिस द्वारा ठीक व्यवहार नहीं किया जाता है। यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा यह भी नहीं देखा जाता है कि उस वाहन में महिला, बच्चे, बुजुर्ग या बीमार कोई व्यक्ति है। उस पर एक साथ टूट पडते हैं। चौराहों पर लगे कैमरों को भी नजर अंदाज कर कार्यवाही करते हैं। यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा किये जा रहे इस व्यवहार से आम जनमानस में पुलिस की छवि धूमिल हो रही है। प्रदेश में नियुक्त यातायात पुलिसकर्मियों को स्पष्ट रूप से ब्रीफ कर दिया जाए कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाए। आम जनमानस और बाहर के जनपदों और प्रदेशों से आये वाहनों के चालकों के साथ अच्छा व्यवहार करें। गलत व्यवहार कदापि न किया जाए। इसके बाद भी इस तरह के प्रकरण संज्ञान में आते हैं तो यातायात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

राजकीय जिला पुस्तकालय में हुआ कैरियर काउंसिलंग का आयोजन

मथुरा। राजकीय जिला पुस्तकालय में कैरियर काउन्सलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राजकीय भारतीय इंटर कालेज अड़ींग के प्रधानाचार्य सोहन सिंह ने छात्रों को रोजगार संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि अधिकांश छात्र छात्राएं रोजगार के कई क्षेत्रों के विषयों से अनभिज्ञ होने के कारण बहुचर्चित रोजगार के पदों के लिए ही तैयारी करते हैं। ऐसे में उन्हें अन्य रोजगार के क्षेत्र व पद की जानकारी दिया जाना परमावश्यक है। राजकीय इंटर कालेज मथुरा के विज्ञान शिक्षक एवं जीआईसी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विजय कुमार शर्मा ने बताया कि जीवन में सार्थक रुप से सफल होने से अवसाद नहीं होता है। संचालन करते हुए पुस्तकालय अध्यक्ष शारदा मिश्रा ने कहा कि छात्रों को पुस्तकों को अपना मित्र बनाना चाहिए। राजकीय जिला पुस्तकालय मथुरा में लगभग 60 हजार पुस्तकें हैं। कार्यक्रम में कनिष्ठ लिपिक शशांक शर्मा, देवेन्द्र पाल सिंह,पवन कुमार अवस्थी,विवेक धीमान, राहुल सिंह राजपूत और अनेक पाठकगण , छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जहरीले जीवों का बढा खौफ

मथुरा। बरसात और बाढ का पानी जगह जगह भरा हुआ है। उमस भरी गर्मी पड रही है। ऐसे में जहरीले जीवों का खौफ बढ़ गया है। आये दिन जहरीले सांप किसी न किसी को काट रहे हैं। कोई झाड फूंक के चक्कर में पड जाता है तो कोई जागरूकता दिखाते हुए चिकित्सक के पास पहुंचता है। गोकुल कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया जब पानी पीते समय एक मजदूर को जहरीले सांप ने काट लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने आगरा रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय दीपक, जो मध्यप्रदेश का निवासी है, गोकुल के मोनी बाबा आश्रम के पास मजदूरी का कार्य करता है। काम के दौरान उसे प्यास लगी और वह पानी पीने चला गया। इसी दौरान वहां मौजूद जहरीले सांप ने उसे काट लिया। घटना के तुरंत बाद दीपक की हालत बिगड़ने लगी। उसके साथी मनोज और अन्य मजदूरों ने उसे जिला चिकित्सालय पहुंचाया। डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखते हुए तत्काल आगरा रेफर करने की सलाह दी। बताया गया कि रास्ते में परिजन दीपक को गांव ले गए और झाड़ फूंक का सहारा लेने लगे, जिससे उसकी स्थिति और अधिक चिंताजनक हो गई। वहीं दीपक की पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है। साथी मजदूर मनोज ने बताया कि घटना अचानक हुई और देखते ही देखते दीपक की तबीयत बिगड़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि आश्रम और आसपास के क्षेत्रों में बरसात के मौसम में सांपों की संख्या बढ़ जाती है, लेकिन सावधानी के अभाव में अक्सर ऐसी घटनाएं घट जाती हैं। फिलहाल दीपक की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज चल रहा है। घटना से मजदूरों में दहशत का माहौल है।

स्कूल के छात्रों ने शहर के मार्गो से निकाली जागरण रैली

महापुरुषों के स्वरूप घोड़ों पर विराजमान लग रहे थे आकर्षण का केन्द्र

मथुरा। चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज के शताब्दी महोत्सव का आगाज शुक्रवार को महामंडलेश्वर कार्ष्णि स्वामी गुरुशरणानंद महाराज ने दीप प्रज्वलित कर यज्ञ की वेदी का विधिवत पूजन अर्चन कर महोत्सव का शुभारंभ किया। शहर के विभिन्न मार्गों से होकर स्कूल के छात्रों ने जागरण रैली निकाली। कार्ष्णि महाराज महाराज ने अग्रसेन महाराज को राजर्षि बताते हुए उनके योगदान की चर्चा की साथ ही चम्पा कुँवारी के पुष्कर धन का सदुपयोग अग्र बंधुओ ने किया जो एक महान कार्य है, ऐसी भावना से भावित होकर महाराजश्री ने अग्र समाज की भूरि भूरि प्रशंसा की इस अवसर पर महाराज श्री ने विद्यालय की पत्रिका शताक्षी का विमोचन भी किया। शहनाई वादन के साथ गुरु पद पूजन किया गया।यज्ञ की पूर्णाहुति उ. प्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने दी। श्री मिश्र ने जागरण रैली का हरी झंडी दिखा शुभारंभ किया। जिसमें महापुरुषों के स्वरूप घोड़े पर विराजमान थे। साथ में अग्रवाल शिक्षा मंडल के अध्यक्ष, मंत्री, प्रबंध समिति के अध्यक्ष, मंत्री, शहर के गणमान्य नागरिक, अग्रवाल शिक्षा मंडल के सदस्य, विद्यार्थी, शिक्षक शिक्षिकाएं और विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. राकेश माहेश्वरी के संयोजन में शहर के मुख्य मार्ग से निकली रैली का लोगों ने पुष्पों की वर्षा करके पग पग पर स्वागत किया। इस त्रिदिवसीय महोत्सव का शीर्ष प्रदर्शन 14 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में संपन्न होगा।

बेटे की राहुल गांधी से हाथ मिलाते वायरल फोटो पर यूपी के मंत्री ने दी सफाई

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बेटे के राहुल गांधी से हाथ मिलाने की वायरल हुई तस्वीर पर सफाई दी है और कांग्रेसियों को जमकर लताड़ लगाई है। यूपी सरकार में उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने बेटे पीयूष प्रताप सिंह के राहुल गांधी से हाथ मिलाते तस्वीर वायरल होने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कुछ भाड़े के कांग्रेसी और मेरे आलोचक भाजपा नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को नाराज करने के लिए ये तस्वीर वायरल करवा रहे हैं। राहुल गांधी ने बैठक में आए लगभग सभी लोगों से हाथ मिलाया था लेकिन तस्वीर सिर्फ मेरे के साथ हाथ मिलाते हुए वायरल की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने मतदाताओं और शुभचिंतकों का झंडा कभी झुकने नहीं दिया है। मैं चुनाव हारा हूं लेकिन हौसला नहीं। दरअसल, बृहस्पतिवार को रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में सांसद राहुल गांधी और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह पहुंचे थे। इस बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें हरचंदपुर ब्लॉक प्रमुख पीयूष प्रताप सिंह सांसद राहुल गांधी से हाथ मिला रहे हैं और मंत्री दूर खड़े होकर मुस्कुरा रहे हैं। ये तस्वीर इसलिए भी चर्चा में ज्यादा है क्योंकि एक दिन पहले ही राहुल गांधी के रायबरेली आने पर मंत्री उनका विरोध कर रहे थे और प्रदर्शन करते हुए सड़क पर बैठ गए थे। उनके समर्थक ÷राहुल गांधी गो बैक÷ के नारे लगा रहे थे।

अगले ही दिन उनके बेटे की राहुल गांधी के साथ हाथ मिलाते हुए ये तस्वीर वायरल हुई जिस पर मंत्री ने सफाई दी। मंत्री ने फेसबुक पर अपनी पोस्ट में कहा कि कल सम्पन्न हुई रायबरेली दिशा की बैठक के बाद श्री राहुल गांधी जी ने मा. विधायक और ब्लाक प्रमुख जो दिशा की बैठक में उपस्थित थे की ओर जाकर सभी विधायकों और लगभग सभी ब्लाक प्रमुखों से हाथ मिलाया, जिसमें से सिर्फ मेरे बेटे जो ब्लाक प्रमुख के रूप में बैठक में शामिल था, से ही हाथ मिलाने वाली फोटो कांग्रेस के भाड़े मीडिया वर्करों ने खूब वायरल करके हमें ट्रोल कराने का प्रयास किया। जबकि हाथ सबसे मिलाया राहुल गांधी जी ने और यह अच्छी पहल थी। वैसे सम्भव है मेरे बेटे को राहुल गांधी पहचानते न हो किन्तु मेरे कुछ आलोचक मेरे बेटे से हाथ मिलाने वाली फोटो को इसलिए वायरल भी कर रहे हैं कि जनता नाराज हो जाए, पार्टी नेतृत्व और सरकार नाराज हो जाए।

किराए के कांग्रेस भाइयों और अपने आलोचकों से मैं कहना चाहता हूं कि तुम्हारे ऊपर या तो कांग्रेस की मजदूरी हावी है या पाश्चात्य संस्कृति। हमें दुःख हुआ जब मेरे बेटे की ओर राहुल गांधी हाथ मिलाने गए तो मेरे बेटे को हाथ नहीं मिलाना चाहिए था बल्कि उनके पैर छूकर प्रणाम करना चाहिए था। इससे न भाजपा न रायबरेली के भारतीय संस्कृति के पोषक लोग अथवा हमारा नेतृत्व नाराज नहीं बल्कि खुश होते इन संस्कारों को देखकर कि मेरे बेटे के पिता की उम्र के राहुल गांधी हैं तो उनका सम्मान उसी स्तर का होना चाहिए, अब राहुल गांधी और कांग्रेसियो की परवरिश और खून का अंतर है जो आदरणीय मोदी जी की मां और अपनी मां में अंतर समझते है, यह उनका काम है वो जाने।

वैसे राहुल गांधी जी ने हमसे हाथ नहीं मिलाया जबकि उनके आने पर मैं खड़ा हुआ और अभिवादन भी किया लेकिन मुझे खुशी है कि दिनेश सिंह कांग्रेस और राहुल गांधी की छाती पर चढ़कर अपनी पार्टी और अपनी सरकारों का झण्डा हमेशा ऊंचा रखते हैं। मेरे रहते मेरे मतदाताओं, शुभचिंतकों का झंडा कभी झुकने नहीं पाता। मैं चुनाव हार गया हूं पर हौसला नहीं हारा।

गॉलस्टोन के इन लक्षणों को भूलकर भी न करें नजरअंदाज, वरना बढ़ सकती है परेशानी

गॉलस्टोन यानी की पित्त की पथरी या फिर पित्ताशय की पथरी से पेट में तेज दर्द होता है। यह कोई छोटी समस्या नहीं बल्कि एक गंभीर समस्या है। जिसका इलाज सिर्फ सर्जरी से होता है। एक अध्ययन के मुताबिक दुनिया में करीब 6 प्रतिशत आबादी गॉलस्टोन की समस्या से पीड़ित है। आमतौर पर महिलाओं में पित्त की पथरी की समस्या देखी जाती है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की आदतों की वजह से यह समस्या लगातार बढ़ रही है।

वहीं चिंता की बात यह है कि लोग अक्सर इस समस्या को नजरअंदाज करने की गलती कर देते हैं। जिस कारण यह बिना लक्षणों के समय के साथ गंभीर होता चला जाता है। वहीं सही समय पर गॉलस्टोन के बारे में जानकारी और इसके लक्षणों के बारे में पता लगाकर इस समस्या को गंभीर होने से बचाया जा सकता है और सही इलाज कराने में भी मदद मिल सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पित्त की पथरी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए क्या गॉलस्टोन

पेट के दाईं ओर लिवर के नीचे गॉलब्लैडर स्थित होता है। इसमें बाईल जूस इकट्ठा होता है, जोकि छोटी आंत में जाकर पाचन क्रिया में सहायता करता है। यह बाइल जूस कठोर होकर छोटे-छोटे टुकड़ों के रूप में बाईल डक्ट या गॉलब्लैडर में एकत्रित हो जाता है। तो इसको गॉलस्टोन कहा जाता है।

किसको ज्यादा खतरा

गॉलस्टोन की समस्या किसी को भी हो सकती है। लेकिन इसका खतरा महिलाओं और अधिक वजन वाले लोगों में ज्यादा होता है। वहीं बढ़ती उम्र के साथ इसका जोखिम बढ़ता चला जाता है।

धीरे-धीरे इकट्ठा होते हैं पत्थर

गॉलस्टोन के साथ मुख्य समस्या यह है कि यह समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ते जाते हैं। क्योंकि इनके ऊपर बाईल इकट्ठा होता रहता है। यह इतने बड़े हो सकते हैं कि बाइल के छोटी आंत में पहुंचने में रुकावट पैदा करने लगे। बता दें कि अगर बाईल डक्ट में फंस जाते हैं, जो व्यक्ति को अलग परेशानियां हो सकती हैं। इस स्थिति में लिवर, पैन्क्रिया और गॉलब्लैडर के काम पर असर पड़ता है।

इनके नुकसान

इसके कारण सूजन या फिर खून में बाईल का रिसाव हो सकता है। जिसकी वजह से पीलिया और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए इसकी गंभीर स्थिति को होने से रोकने के लिए फौकन उपाय करना जरूरी हो जाता है। जब गॉलस्टोन बड़े हो जाते हैं, तो दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगते हैं। आमतौर पर गॉलब्लैडर को काटकर निकालना पड़ता है। यह प्रोसेस एक लैप्रोस्कोप की सहायता से कोलेसिस्टेक्टोमी द्वारा की जाती है।

लक्षण

इसके लक्षणों बुखार, दिल की धड़कन बढ़ना, त्वचा और आंखों में पीलापन, पसीना आना, पेट में सूजन या नरम महसूस होना, मूत्र का रंग गहरा हो जाना, मल का मिट्टी के रंग का हो जाना आदि शामिल है।

हालांकि गॉलस्टोन के तब तक कोई लक्षण नहीं होते हैं, जब तक वह अटककर बाधा नहीं डालते हैं। ऐसे मामलों में मरीजों को गॉलब्लैडर अटैक हो सकता है। इनके ऊपरी पेट में अचानक से तेज व गंभीर दर्द होता है। जोकि मिनटों से लेकर लक्षणों तक रह सकते हैं। ऐसे में अगर लंबे समय तक अवरोध बना रहता है, तो यह मरीजों को महसूस हो सकता है।

कम बजट और कम समय में घर की सजावट

आज के समय में लोग अपने घर के इंटीरियर को खूबसूरत लुक देने के लिए कई तरह के प्रयोग करते हैं. कई तरह की थीम का चुनाव कर आकर्षक बनाते हैं. जिसमें अच्छा खासा पैसा भी खर्च किया जाता है. इंटीरियर आज के समय की मांग है जिसे ज्यादातर लोग करवाना पसंद करते हैं. बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो अपने घर का इंटीरियर लुक बदलना तो चाहते हैं लेकिन उनके पास इसके लिए अच्छा बजट नहीं होता या फिर समय की कमी होती है. यदि आप भी कम खर्च और कम समय में अपने घर को सुन्दर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है. हम आपको बताते हैं कि किस तरह आप कम खर्च और कम समय में अपने घर को एक आकर्षक लुक दे सकते हैं.

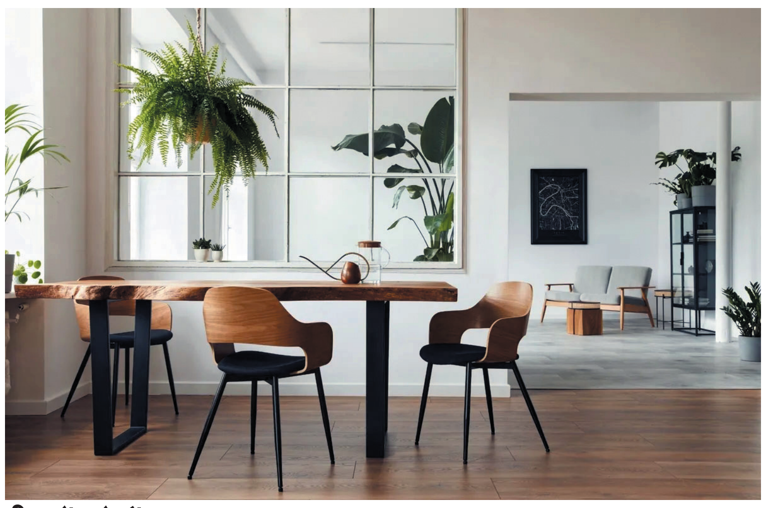

दीवारों को दें नया लुक

अगर आप अपने घर को कम बजट में सजाना चाहते हैं तो इसकी शुरुआत दीवार के रंग को बदल कर या फिर दीवार पर वॉल पेपर स्टीकर का इस्तेमाल कर सजा सकते हैं. इसके लिए आपको सारी दीवार को नहीं बदलना है. सिर्फ एक दीवार पर बदलाव ही आपके रूम या हॉल को एक नया और आकर्षक लुक देगा.

. ऐसे सजाएं मुख्य द्वार को

घर में खूबसूरती लाने के लिए मुख्य द्वार को सजाना भी जरूरी है. इसके लिए आप फूलों या मिट्टी से बने सजावट के सामान का उपयोग कर सकते हैं. घर को सजाने के लिए आपके पास क्रिएटिव आइडिया होना जरूरी है.

आर्ट एंड क्राफ्ट

अगर आप थोड़ी बहुत सिलाई कड़ाई या पेंटिंग जानते हैं तो अपने घर को नया लुक देने के लिए आप अपने घर के पुराने पर्दों पर कुछ आर्ट वर्क या कलर कर सकते हैं. ऐसा करने के लिए आप इंटरनेट का उपयोग कर डिजाइन पसंद कर सकते हैं. ये आर्ट वर्क पर्दों के साथ आपके घर को भी खूबसूरत लुक देता है.

पुराने फर्नीचर को रंग दें

यदि आप अपने घर को नया लुक देने के लिए अपने घर का फर्नीचर बदलने की सोच रहे हैं, लेकिन ये आपके बजट में नहीं आ रहा तो आप अपने घर के फर्नीचर को पेंट करके नया लुक दे सकते हैं. यदि ये आप खुद से करते हैं तो इसमें आपका सिर्फ पेंट का पैसा लगेगा या चाहें तो अपने पुराने फर्नीचर को सिर्फ पॉलिश करके भी इसे एक नया लुक दे सकते हैं.

नेचुरल चीज़ें ट्राई करें

बाजार में बहुत से पौधे ऐसे भी उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपने घर में डेकोरेशन के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए आप सुंदर गमले या फिर कांच के बाउल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. जिससे ये आपके घर की खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे.

मोमबत्ती का करें उपयोग

घर की सजावट के लिए मोमबत्ती भी एक अच्छा और सस्ता विकल्प हो सकता है. इसके लिए आप घर के कोने में एक त्रिकोन टेबल पर अलग-अलग रंग की मोमबत्ती रख सकते हैं. इससे आपके घर को खूबसूरत लुक मिलेगा.

खिड़कियों को दें नया लुक

घर को नया लुक देने में घर के दरवाज़े और खिड़कियां बहुत सहायक होते हैं. तो आप इनको भी नए कलर में पेंट कर सकते हैं और पूरा पेंट हो जाने के बाद इनके किनारों पर कुछ अलग कलर का पेंट करें. इससे इनको एक नया लुक मिलेगा और ये देखने में बेहद सुन्दर दिखेंगे

जीत के लिए एक एक्सेंट वॉल

एक्सेंट वॉल इंटीरियर डिज़ाइनरों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं और इसके पीछे एक कारण भी है। आप एक्सेंट वॉल की मदद से किसी जगह का पूरा लुक और फील बदल सकते हैं। और, सबसे अच्छी बात यह है कि हर बजट के हिसाब से चुनने के लिए विकल्प मौजूद हैं।

आप किसी अलग रंग की सादे रंग की दीवार चुन सकते हैं, या आप इसे थोड़ा और आकर्षक बनाने और बनावट जोड़ने के बारे में सोच सकते हैं। यह आपके परिवार के लिए एक श्रमसाध्य, फिर भी मज़ेदार ष्द्धङ्क प्रोजेक्ट भी हो सकता है, जैसा कि नीचे आपके साथ साझा की गई छवि में है। एक सिंगल टोन पेंट, एक पेंटब्रश, और समय और इच्छाशक्ति ही वह सब है जिसकी आवश्यकता है।

बचाव के लिए हटाने योग्य वॉलपेपर

हटाने योग्य स्टिकर या वॉलपेपर आर्ट इस दशक में इंटीरियर डिज़ाइनरों को दी गई सबसे अद्भुत चीजों में से एक है। आप इन स्टिकर की मदद से कम बजट में अपने कमरे को बदल सकते हैं और अपने कमरे को शानदार और शानदार बना सकते हैं। आप अलग-अलग आकार के मेटैलिक स्टिकर का इस्तेमाल कर सकते हैं और अपनी पसंद के किसी भी थीम में अपने घर को सजा सकते हैं। जैसे कि नीचे दी गई तस्वीर में दिखाया गया पत्तीदार डिज़ाइन, या फिर अपने घर की थीम के हिसाब से मेटैलिक या एब्सट्रैक्ट प्रिंट भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुछ पौधे लाएँ

गमलों में लगे पौधे कम रख-रखाव वाले होते हैं (सिवाय इसके कि उन्हें पानी देने की ज़रूरत होती है) और घर की सजावट पर बहुत असर डालते हैं। धूप वाले कोने में एक बड़ा ताड़ का पेड़ या किताबों की अलमारी पर लटका हुआ पोथोस का एक भरा हुआ गमला। या खिड़की के पास रखे रसीले पौधों की एक ट्रे कैसी रहेगी? आपके पास असीमित विकल्प हैं।

एक एक्सेंट मिरर जोड़ें

भोजन कक्ष में दर्पण लगाने से घर की सजावट में चार चांद लग जाते हैंएक्सेंट मिरर घर की सजावट का एक आवश्यक तत्व है दर्पण घर की सजावट के विचारों के साथ-साथ कमरे को बड़ा दिखाने के कार्यात्मक तरीकों के रूप में भी लोकप्रिय हैं। दीवार के सामने फर्श पर टिका हुआ एक फ्रेम वाला दर्पण तुरंत केंद्र बिंदु बन जाता है। काले रंग की पृष्ठभूमि के खिलाफ बिना फ्रेम वाले दर्पणों का एक ग्रिड आपके घर में ग्लैमर जोड़ने का एक और सरल तरीका है।

कलाकृति लगाएँ

कला किसी स्थान में चरित्र जोड़ने का एक शानदार तरीका है। अच्छी कला का कोई सुनहरा नियम नहीं है। स्थानीय कलाकारों और दोस्तों की कला का जश्न मनाएं। आप खुद भी कला का एक टुकड़ा बनाने की कोशिश कर सकते हैं। कलाकृति प्रदर्शित करते समय, टुकड़े को सही ढंग से फ्रेम करने पर विचार करें; फ्रेम को कलाकार के काम को सूक्ष्म रूप से उजागर करना चाहिए और टुकड़े को ढंकना नहीं चाहिए। आप बड़ी कलाकृति को अलग-अलग रूप में प्रदर्शित कर सकते हैं जबकि छोटी कलाकृतियों को एक साथ जोड़कर गैलरी की नकल कर सकते हैं।

स्विच कुशन

रंग-बिरंगे कुशन घर की सजावट में खुशनुमा माहौल जोड़ते हैंमौसम के अनुसार कुशन बदलना घर की सजावट का एक आसान तरीका है कुशन के बिना सोफा अक्सर अधूरा लगता है। बिस्तर भी ऐसा ही है। कुशन एक सस्ता होम डेकोर एक्सेसरी है जो कमरे के माहौल को जल्दी से बदल सकता है। आप हर मौसम के हिसाब से अपने कुशन बदल सकते हैं। कवर बदलने के साथ-साथ, साइज़ के साथ भी खेलें। कालीनों की तरह, कुशन को भी एक परत में रखकर एक आलीशान प्रभाव पैदा किया जा सकता है।

कॉफी टेबल को स्टाइल करें

कॉफी टेबल को खाली छोड़ने के बजाय, इसे कुछ चुनिंदा सजावट के टुकड़ों से सजाएँ। आप अपने टेबल-टॉप एक्सेंट को समूहबद्ध करने के लिए एक ट्रे का उपयोग कर सकते हैं या कुछ कॉफी टेबल पुस्तकों को एक साथ रख सकते हैं और उसके ऊपर एक एक्सेंट पीस या सूखे फूलों वाला फूलदान रख सकते हैं। कॉफी टेबल को स्टाइल करते समय, रुचि पैदा करने के लिए अलग-अलग ऊँचाई वाले सामान शामिल करें।

कंसोल टेबल सेट करें

मोमबत्तियों, पुस्तकों, फोटो फ्रेम और अन्य छोटी-छोटी चीजों से सजा हुआ लकड़ी का कंसोलकंसोल घर के प्रवेश द्वार की सजावट के लिए एक सुंदर तत्व है अगर आपके पास जगह है, तो मुख्य प्रवेश द्वार के पास एक पतली कंसोल टेबल लगाएँ। टेबल पर एक फूलदान या लैंप रखें और उस पर परिवार की तस्वीर लगाकर उसे सजाएँ। आप एक छोर पर एक कैच-ऑल बाउल भी रख सकते हैं, ताकि जगह जितनी सुंदर हो, उतनी ही कार्यात्मक भी हो।

बैलेंस बुक्स और क्यूरियोस

एक बड़ी किताबों की अलमारी नाटकीयता पैदा करने का एक शानदार तरीका है। और यह लाइब्रेरी की तरह दिखने की ज़रूरत नहीं है। अपनी पसंदीदा किताबों को घर की सजावट के कुछ तत्वों के साथ रखें। आप कुछ किताबों को एक क्षैतिज स्टैक के बगल में खड़ी करके रख सकते हैं, जिसके ऊपर एक क्यूरियो रखा हो। या शेल्फ के एक छोर पर किताबों की एक श्रृंखला रखें और दूसरे छोर पर एक फ़्रेमयुक्त तस्वीर रखें।

सुगंधित मोमबत्तियाँ जलाएं

सुगंधित मोमबत्तियाँ आपके घर को रोशन करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती हैं, लेकिन यह आपके घर की सजावट पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं। मोमबत्ती की रोशनी और उसकी खुशबू आपके घर के लुक और फील को बेहतर बनाती है। हालाँकि, जब आप मोमबत्तियाँ जला रहे हों, तो सुनिश्चित करें कि वे किसी ज्वलनशील चीज़ के आस-पास न हों।

एक बोल्ड रंग जोड़ें

एक रंग चुनें और इसे अपने कमरे में एक बोल्ड एक्सेंट के रूप में इस्तेमाल करें। यह एक पेंट की हुई फोकल दीवार, आपके डाइनिंग एरिया को परिभाषित करने वाला एक एरिया रग, सोफे पर एक थ्रो या आपके बिस्तर के पीछे लगा हुआ टेपेस्ट्री पीस हो सकता है। एक बोल्ड एक्सेंट खुद पर ध्यान आकर्षित करता है और आपको छोटे घर की सजावट के विवरण को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

गलीचे से ज़्यादा काम करें

गलीचे हमेशा ज़मीन पर ही नहीं बिछाए जाने चाहिए। भेड़ की खाल से बने गलीचे को किसी ऊंची स्टूल की सीट पर बिछाया जा सकता है। या फिर आप इसे सोफे पर भी बिछा सकते हैं। कश्मीर के नमदा जैसे बुने हुए या हाथ से बने गलीचे को एक कलाकृति के रूप में दीवार पर भी लगाया जा सकता है।

पैटर्न के साथ खेलें

अपने घर को ऊर्जा से भरने के लिए कुछ पैटर्न अपनाएँ। और आपको एक ही स्टाइल से चिपके रहने की ज़रूरत नहीं है। बड़े और छोटे पैटर्न को मिक्स और मैच करें और सुनिश्चित करें कि वे कम से कम एक तत्व द्वारा एकीकृत हों। उदाहरण के लिए, कुशन और पर्दे के लिए एक ही रंग के पैटर्न को मिक्स और मैच करें।

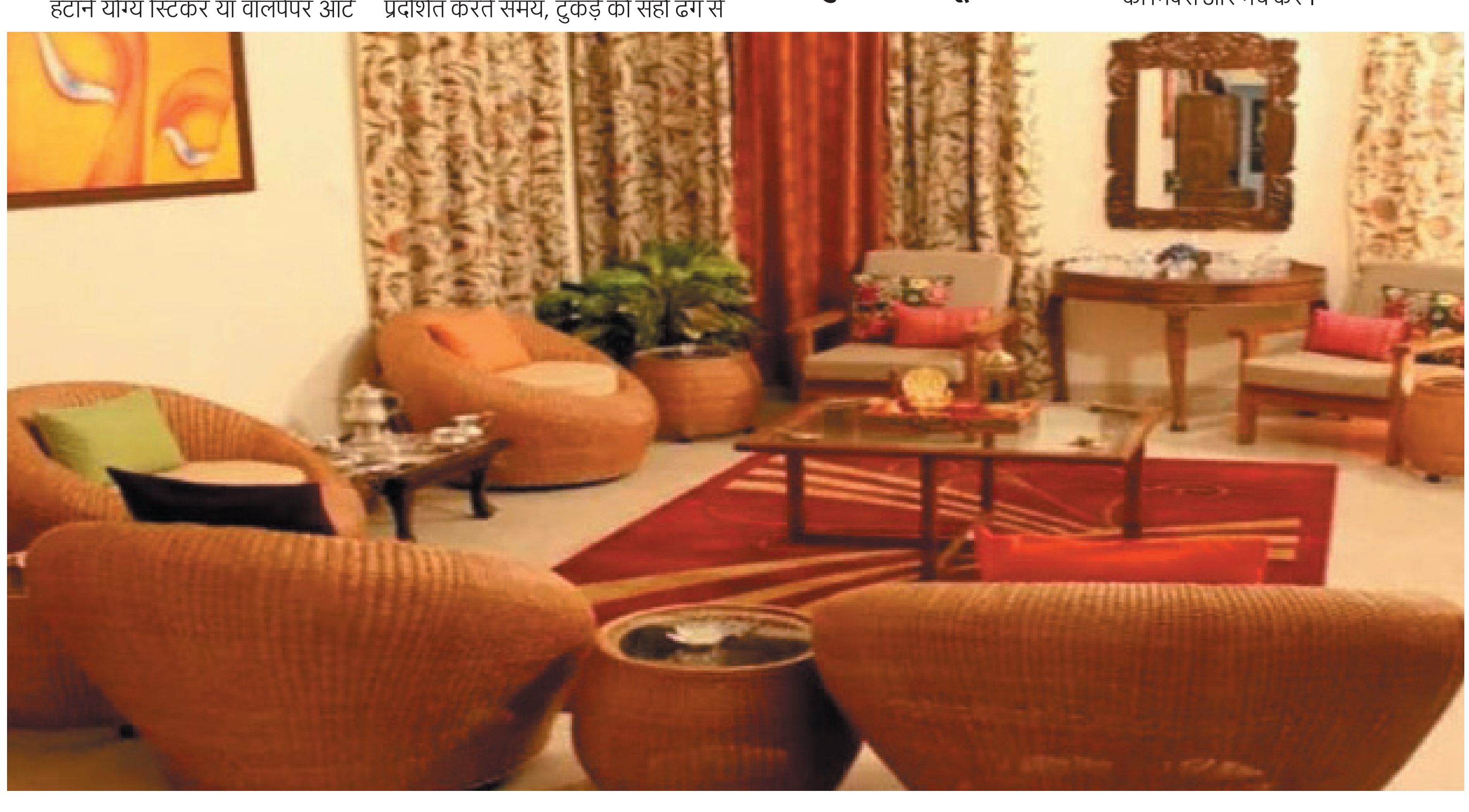

कभी 5000 रुपये महीने थी सैलरी, अब कंपनी ला रही 3820 करोड़ रुपये का आईपीओ

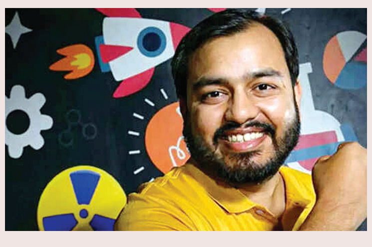

नई दिल्ली, एजेंसी। कोई भी सफलता एक-दो दिन, एक-दो महीने या एक-दो साल में नहीं मिली। सफल व्यक्ति के पीछे छिपी होती है उसकी लगन, मेहनत और धैर्य। सफलता के रास्ते में कई खतरनाक पड़ाव आते हैं। कई संघर्ष होते हैं। इन सभी से निकलने के बाद सफलता का स्वाद चखने को मिलता है। ऐसा ही स्वाद चखा है एडुटेक कंपनी फिजिक्सवाला के फाउंडर अलख पांडेय ने। कभी 5,000 रुपये महीने की नौकरी करने वाले प्रखर आज हजारों करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं। प्रखर इस समय चर्चा में हैं क्योंकि इनकी कंपनी फिजिक्सवाला 3,820 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। अलख पांडेय ने स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद कानपुर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन ले लिया। लेकिन उन्होंने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी और प्रयागराज (इलाहाबाद) वापस आ गए। प्रयागराज आकर उन्होंने अपने टीचिंग के पैशन को जारी रखा और एक कोचिंग में पढ़ाने लगे। इसके लिए उन्हें 5,000 रुपये मिलते थे। आज इनकी कंपनी देश की यूनिकॉर्न बन गई है। यूनिकॉर्न ऐसी कंपनी को कहते हैं जिसका मार्केट कैप 1 अरब डॉलर से ज्यादा होता है।

वाराणसी है बनारसी साड़ियों व हस्तशिल्प का एमएसएमई हब, कॉन्क्लेव में होगी भविष्य पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाराणसी में आयोजित एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन शनिवार, 13 सितंबर को दोपहर 4 से 6 बजे तक कमिश्नर ऑडिटोरियम, कचहरी वाराणसी में होगा। यह कार्यक्रम स्थानीय उद्यमियों, सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विभिन्न व्यापारिक संगठनों को एकत्रित कर वाराणसी के एमएसएमई क्षेत्र की संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करने का विशेष अवसर प्रदान करेगा। वाराणसी अपनी ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विश्व विख्यात है। यह शहर एमएसएमई क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की प्रमुख उद्योग इकाइयों में बनारसी साड़ी निर्माण, कालीन बुनाई और खिलौने बनाना शामिल हैं। स्थानीय कारीगर और छोटे उद्योग इन पारंपरिक उत्पादों के निर्माण में संलग्न हैं। यहां के उत्पाद देश-विदेश में अपनी अनोखी पहचान बनाए हुए हैं। सरकारी सहयोग और आधारभूत संरचना में वाराणसी के लिए एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत विशेष फोकस रखा गया है। यह पहल स्थानीय उत्पादन को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यरत है। एमएसएमई सेक्टर में सक्रिय उद्यमी स्थानीय हस्तशिल्प को न केवल संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप भी ढाल रहे हैं। वाराणसी की एमएसएमई को उसकी बनारसी साड़ियों, कालीन, खिलौने जैसे उत्पादों के लिए जाना जाता है। ये उत्पाद स्थानीय परंपरा और आधुनिक डिजाइनों का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं। ये भारतीय शिल्प कला का विश्व स्तर पर प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसमें गिरती कारीगर आय, नकली उत्पादों का बाजार में आना और कमजोर मार्केटिंग स्ट्रेटेजी शामिल हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, स्थानीय उद्यमी निरंतर नवाचार के जरिए अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाकर वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिशों में जुटे हैं।

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर

चांदी ने 1668 उछाल के साथ तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत वैश्विक रुख और निवेशकों की मजबूत मांग के चलते सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। शुक्रवार को घरेलू बाजार में सोना 572 रुपये की तेजी के साथ रिकॉर्ड स्तर के करीब 1,09,553 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी 1,668 रुपये की तेजी के साथ पहली बार 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सबसे अधिक कारोबार वाला अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 572 रुपये व 0.52 प्रतिशत बढ़कर 1,09,553 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जिसमें 16,533 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने की कीमत भी 593 रुपये या 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,10,640 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 5,513 लॉट के लिए कारोबार हुआ। यह निरंतर तेजी को दर्शाता है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगले साल मार्च डिलीवरी के लिए चांदी वायदा भाव 1,668 रुपये या 1.3 प्रतिशत बढ़कर 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर सबसे अधिक कारोबार वाली दिसंबर डिलीवरी वाली च्याज भी 1,674 रुपये या 1.32 प्रतिशत बढ़कर 1,28,612 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। मेहता इक्विटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी) राहुल कलंत्री ने कहा कि

शुक्रवार को सर्राफा कीमतों में मजबूती बनी रही। अमेरिका में ढीली मौद्रिक नीति की लगातार आशंकाओं के बीच सोना अपने सर्वकालिक उच्च स्तर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों के अनुरूप स्थिर बनी हुई है। उत्पादक कीमतों में अप्रत्याशित रूप से गिरावट आई और बेरोजगारी के दावे चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इससे श्रम बाजार की कमजोरी उजागर हुई। बाजार पहले ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती को मान चुका था, और संभावित बड़ी कटौती की अटकलें तेज हो गई है। कलंत्री ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, जिनमें रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत और चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाने के लिए जी-7 सहयोगियों पर दबाव डालना, पश्चिम एशिया क्षेत्र और यूक्रेन में बढ़ते संघर्ष शामिल हैं, से सुरक्षित निवेश की मांग को और बल मिला है।

वैश्विक बाजार में सोना-चादी सर्वकालिक स्तर पर पहुंचा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, कॉमेक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 20.40 डॉलर या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 3,694 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर के करीब है। मंगलवार को सबसे ज्यादा कारोबार वाला कीमती धातु वायदा 3,715.20 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक स्तर पर दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी वायदा 1.52 प्रतिशत बढ़कर 42.79 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो 14 साल का नया उच्च स्तर है।

वैश्विक बाजार में चांदी 14 साल के उच्च स्तर पर पहुंचा

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि शुक्रवार को वैश्विक बाजार में चांदी में 1 प्रतिशत की तेजी आई, जो 14 साल के नए उच्च स्तर को छू गया। त्रिवेदी ने कहा कि सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक्स की मजबूत औद्योगिक मांग ने लगातार आपूर्ति की कमी की पृष्ठभूमि में भौतिक चांदी बाजार को तंग रखा है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ ला रहे टाटा ग्रुप को झटका

बोर्ड मीटिंग से पहले मेंबर ने दिया दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा संस में एक बड़ा बदलाव हुआ है। टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने टाटा संस के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वह 77 साल के हैं। उन्होंने यह इस्तीफा बोर्ड की मीटिंग से ठीक एक दिन पहले दिया है। यह मीटिंग आरबीआई के आईपीओ की समय सीमा को लेकर होने वाली थी। टाटा ट्रस्ट्स में दो प्रमुख ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट हैं। ये दोनों मिलकर टाटा संस में लगभग 52 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। टाटा संस देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। टाटा ग्रुप का बिजनेस कई सेक्टर्स में फैला है।

पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह टाटा ट्रस्ट्स की तरफ से टाटा संस के बोर्ड में सदस्य थे। वह टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी बने रहेंगे। उनका इस्तीफा चौंकाने वाला है। आमतौर पर, टाटा ट्रस्ट्स के सदस्यों के लिए रिटायरमेंट की कोई उम्र नहीं होती जबकि टाटा संस के दूसरे सदस्यों के लिए रिटायरमेंट की उम्र तय है। जैसे कि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 65 साल में, नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 70 साल में और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर 75 साल में रिटायर हो जाते हैं।

लेकिन 17 अक्टूबर 2024 को टाटा ट्रस्ट्स ने एक नियम बनाया था। इसके अनुसार टाटा संस के बोर्ड में 75 साल की उम्र पार कर चुके सदस्यों की हर साल समीक्षा की जाएगी। गुरुवार को टाटा ट्रस्ट्स की बोर्ड मीटिंग में सदस्यों की उम्र पर विचार किया गया। ज्यादातर ट्रस्टियों ने इस समीक्षा का समर्थन किया। वे चाहते थे कि टाटा संस के बोर्ड में युवा लोगों को शामिल किया जाए। टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के दो और सदस्य हैं। इनके नाम नोएल टाटा (69 साल) और वेणु श्रीनिवासन (72 साल) हैं। जब विजय सिंह से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

निर्यातकों के लिए 22.5 अरब का पैकेज लाने की तैयारी, बिना गारंटी सस्ते ब्याज पर कर्ज दे सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 50 फीसदी अमेरिका टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों की मदद के लिए एक व्यापक राहत पैकेज लाने की योजना बनाई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह राहत पैकेज 22.5 अरब रुपये (25.5 करोड़ डॉलर) का हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस पैकेज के तहत प्रभावित निर्यातकों को बिना किसी गारंटी के रियायती ब्याज दरों पर कर्ज दिया जा सकता है।हालांकि, सरकार ने अभी इस संभावित पैकेज के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहत पैकेज को इस योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल इस सप्ताह या आने वाले दिनों में मंजूरी दे सकता है। इस पैकेज का वित्तपोषण फरवरी में आए 2025-26 के केंद्रीय बजट में निर्यात प्रोत्साहन के लिए पहले से आवंटित फंड से किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कपड़ा, र प्रतिशत-आभूषण, चमड़ा, जूते, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, समुद्री निर्यात और कृषि जैसे श्रम प्रधान क्षेत्र उच्च अमेरिकी टैरिफ के कारणसबसे अधिक जोखिम में हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जो लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार देते हैं। भारी-भरकम टैरिफ से इनकी प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता घट रही है।ऑर्डर रद्द होने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिसका असर रोजगार पर पड़ सकता है।

जेबीएम ऑटो को 11000 इलेक्ट्रिक बस बनाने का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार की सुबह 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिल चुकी है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल उनकी सब्सिडियरी को मिला एक बड़ा इंवेस्टमेंट है। जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी को इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन से 100 मिलियन डॉलर का इंवेस्टमेंट मिला है। बता दें, शुक्रवार को जेबीएम ऑटो के शेयर बीएसई में बढ़त के साथ 646.85 रुपये के लेवल ओपन हुए। 10.06 मिनट तक के डाटा के अनुसार बीएसई में कंपनी के शेयरों का इंट्रा-डे हाई 678.45 रुपये रहा है। इस लॉन्ग टर्म फंडिंग की मदद की वजह से अब कंपनी 1455 एसी इलेक्ट्रिक बस के ऑर्डर को आसानी से पूरा कर पाएगी। जेबीएम ऑटो को यह ऑर्डर महाराष्ट्र, असम और गुजरात से मिला है। जेबीएम ने पहले ही 2500 इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर को पूरा कर दिया है। यह बसें 10 राज्यों के 15 एयरपोर्ट्स पर संचालित हो रही है। वहीं, मौजूदा समय में जेपीएम के पास 11,000 बस के ऑर्डर है। दिल्ली एनसीआर में स्थिति कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग चीन के बाहर सबसे बड़ी ई-बस मैन्युफैक्चरिंग है। शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो जेबीएम ऑटो के लिए बीते 6 महीने अच्छे रहे हैं। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 32 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, एक महीने में जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। हालांकि, 1 साल में जेबीएम ऑटो लिमिटेड का शेयर 32 प्रतिशत और 2 साल में 6 प्रतिशत लुढ़का है।

मदर डेयरी और अमूल दूध होगा सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कटौती का फायदा आम आदमी को मिलने जा रहा है। 22 तारीख से मदर डेयरी और अमूल का दूध सस्ता होने जा रहा है। हालांकि अमूल के पैकेट वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। खास दूध यानी यू एच टी की कीमत ही कम होगी। दरअसल, सरकार ने दूध पर लगने वाले 5 फीसदी जीएसटी घटाकर जीरो कर दिया है। ये नए नियम 22 सितंबर से लागू होंगे। ऐसे में दूध कंपनियां जीरो जीएसटी का फायदा ग्राहकों को देने जा रही हैं।

मदर डेयरी के दूध के दाम में 3 से 4 रुपये प्रति लीटर की कमी आ सकती है। वहीं अमूल यू एच टी(अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर) दूध सस्ता हो सकता है। मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध भी 65-66 रुपये तक मिल सकता है। हालांकि अमूल के पैकेट वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा।

22 तारीख से कम हो जाएगी कीमत

अमूल ने कहा है कि जीएसटी में बदलाव होने के बाद भी पैकेट वाले दूध के दाम में कोई बदलाव नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस पर पहले से ही कोई जीएसटी नहीं लगता है।

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने एएनआई को बताया कि ताजे दूध के पाउच की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। क्योंकि जीएसटी में कोई कमी नहीं हुई है। पाउच वाले दूध पर हमेशा से ही शून्य प्रतिशत जीएसटी लगता रहा है। पहले कुछ खबरों में कहा गया था कि जीएसटी 2.0 के तहत अमूल दूध के पाउच के दाम 3 से 4 रुपये तक कम हो सकते हैं। लेकिन मेहता ने साफ किया कि ये खबरें गलत हैं। पाउच वाले दूध पर हमेशा से ही जीएसटी नहीं लगता है।

नई टैक्स व्यवस्था में सिर्फ ॥ड्ड दूध सस्ता होगा। यू एच टीदूध पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगी।

यू एच टी का मतलब अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर है। इस प्रक्रिया में दूध को कम से कम 135 सेंटी डिग्री पर कुछ सेकंड के लिए गर्म किया जाता है। इससे दूध में मौजूद लगभग सारे कीटाणु मर जाते हैं और दूध एकदम साफ हो जाता है।

इन्फोसिस के शेयर पर 19 प्रतिशत कमाई का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस शेयर बायबैक करेगी। कंपनी के बोर्ड ने 18,000 करोड़ रुपये के अपने सबसे बड़े शेयर पुनखरीद कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। कंपनी इस कार्यक्रम पर आगे बढ़ने के लिए अब शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। कंपनी ने कहा कि बायबैक प्रोग्राम के तहत वह प्रति शेयर 1,800 रुपये के भाव पर अपने शेयर खरीदेगी। यह भाव गुरुवार को बीएसई पर इन्फोसिस के शेयर के बंद भाव 1,509.50 रुपये की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है।

इन्फोसिस अपने शेयरधारकों से 10 करोड़ पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयरों को वापस खरीदेगी जो इसकी कुल चुकता शेयर पूंजी का 2.41 प्रतिशत है। शेयर पुनखरीद की प्रक्रिया में कंपनी खुले बाजार से अपने शेयर वापस खरीदती है। ऐसा करने से बाजार में शेयरों की संख्या घट जाती है जिससे बचे हुए शेयरों का मूल्य बढ़ सकता है और कंपनी की प्रति शेयर आय में सुधार होता है। इन्फोसिस के इस कदम से शेयरधारकों को मूल्य लौटाने और निवेशकों के भरोसे को मजबूत करने में मदद मिलने की संभावना है। इस पुनखरीद कार्यक्रम का आकार कंपनी के पिछले सभी प्रयासों से बड़ा है। इन्फोसिस ने इसके पहले वर्ष 2017, 2019, 2021 और 2022 में भी शेयरों की पुनखरीद की थी। वर्ष 2022 में कंपनी ने लगभग 9,300 करोड़ रुपये के शेयर वापस खरीदे थे जबकि 2021 में पुनखरीद का आकार करीब 9,200 करोड़ रुपये था। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण इस समय करीब छह लाख करोड़ रुपये है।

त्योहारी सीजन- जीएसटी सुधार से बढ़ेगी मांग और कर्ज वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दरों में कटौती के कारणउत्पादों के दाम घटने और त्योहारी सीजन के कारणमांग एवं बैंकों के कर्ज वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी इंडिया प्राइवेट लि. की बोर्ड अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सलाहकार नैना लाल किदवई ने कहा, देश में पिछले वर्ष की तुलना में बैंक कर्ज में वृद्धि सुस्त रही है।इसकी प्रमुख वजह कमजोर पूंजीगत खर्च और सुस्त मांग है। किदवई ने कहा, पूंजीगत खर्च और मांग में कमजोरी इस बात का संकेत है कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कारोबारियों ने सतर्क रुख अपनाया है और उपभोक्ता गतिविधियों में कमी आई है।हालांकि, आगामी त्योहारी मांग और जीएसटी में नवीनतम सुधारों से उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा। उन्होंने कहा, जब बाजार में उपभोक्ता मांग और खपत बढ़ेगी तो खाली पड़ी क्षमताओं का उपयोग होगा। इससे कंपनियां अधिक पूंजीगत खर्च करने लगेंगी। फिक्की लीड्स कार्यक्रम में किदवई ने कहा, अमेरिकी टैरिफ का जरूर असर पड़ेगा।कपड़ा, चमड़ा और हीरे जैसे निर्यात उन्मुख क्षेत्रों पर ज्यादा बुरा असर पड़ेगा।जब हम नए बाजारों की तलाश कर रहे हैं, तो इन क्षेत्रों का समर्थन करना होगा क्योंकि ये बड़ी संख्या में रोजगार देते हैं।

एआई से आईटी सेवाओं में मंदी का खतरा

2030 तक राजस्व में हो सकती है 20 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण वर्ष 2025 से 2030 के बीच वैश्विक आईटी सेवा क्षेत्र में करीब 20 फीसदी राजस्व में गिरावट होने की संभावना है। जेफरीज की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार एप्लिकेशन सेवाओं और बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) में उत्पादकता में अधिक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं कंसल्टिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं पर इसका असर अपेक्षाकृत कम होगा। खासतौर पर हाई-मार्जिन सेगमेंट जैसे एप्लिकेशन मैनेज्ड सर्विसेज और बीपीओ में एआई का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देगा। अनुमान है कि एआई कंसल्टिंग, एप्लिकेशन सर्विसेज, इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज और बीपीओ सर्विसेज में पांच से 35 फीसदी तक उत्पादकता बढ़ोतरी ला सकता है। कंपनियां आशंकित हैं कि तेजी से बढ़ती एआई तकनीक उनके निवेश को जल्दी अप्रासंगिक बना सकती है। राजस्व में गिरावट ड्ड एआई से होने वाली उत्पादकता बढ़ोतरी 2025-30 के दौरान मौजूदा आईटी सेवाओं के राजस्व में लगभग पांचवा हिस्सा कम होने की उम्मीद है। पिछले निवेश से अधूरे लाभ ड्ड 2021 से 2024 के बीच एंटरप्राइजेज ने हर साल करीब 280 अरब डॉलर

अतिरिक्त तकनीकी खर्च किया। यह 2016-20 के औसत 130 अरब डॉलर से दोगुना से भी ज्यादा है। लेकिन अब तक इन भारी निवेशों से ग्राहकों को पूरी तरह लाभ नहीं मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई से होने वाली राजस्व में गिरावट, एआई-प्रेरित विकास से पहले देखने को मिलेगी। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 में एआई से जुड़ी राजस्व गिरावट शुरुआती वर्षों में ज्यादा असर डाल सकती है। वहीं एआई से होने वाला नया खर्च लंबे समय में ही तेजी पकड़ पाएगा। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यह गिरावट 2024-29 के दौरान आईटी सेवाओं की ग्रोथ को सीमित कर केवल 1.5 से 3 फीसदी सीएजीआर तक ला सकता है जबकि पहले इस सेक्टर ने दहाई अंकों की तेज वृद्धि का अनुभव किया था।

बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां लाइन में

नई दिल्ली, एजेंसी। हल्दीराम के बाद स्नैक्स बनाने वाली एक और कंपनी बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां लाइन में हैं। आईटीसी और पेप्सिको जैसी बड़ी कंपनियां बालाजी वेफर्स में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इनके अलावा टीपीजी और सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक जैसे प्राइवेट इक्विटी फंड भी इसमें शामिल हैं। इस डील के लिए बालाजी वेफर्स की वैल्यू लगभग 40,000 करोड़ आंकी जा रही है।

एक सूत्र ने बताया कि कुछ रणनीतिक निवेशक और प्राइवेट इक्विटी कंपनियां मिलकर इस बारे में बात कर रही हैं। कुछ निवेशक तो 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी

इस डील में हल्दीराम की वैल्यू 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा आंकी गई थी

दिखा रहे हैं। अभी बातचीत शुरुआती दौर में है। यह दूसरा मौका है जब पेप्सिको बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने की कोशिश कर रही है। बालाजी वेफर्स का पश्चिमी और मध्य भारत में अच्छा दबदबा है।

देसी स्नैक ब्रांड्स में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। मार्च में ग्लोबल निवेशकों आईएचसी, अल्फा वेव ग्लोबल और सिंगापुर के टेमासेक ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। इस डील में हल्दीराम की वैल्यू 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा आंकी गई थी। यह घरेलू पैकेज्ड फूड सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी डील थी।

दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी ने अपना स्नैक ब्रांड बिंगो साल 2007 में शुरू किया था। बिंगो आलू के वेफर्स और नमकीन बेचती है। लेकिन बिंगो को बड़ी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। पश्चिमी और पारंपरिक दोनों तरह के स्नैक्स में बिंगो को मुकाबला करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ, पेप्सिको चिप्स और नाचोस जैसे पश्चिमी स्नैक्स में आगे है, लेकिन पारंपरिक स्नैक्स में उसकी हिस्सेदारी कम हो रही है। क्षेत्रीय ब्रांड्स उससे आगे निकल रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा कि अब स्नैक्स बाजार पूरी तरह से बदल गया है। छोटे ब्रांड्स स्नैक्स बाजार पर हावी हो रहे हैं। बालाजी जैसे क्षेत्रीय दिग्गज के साथ हाथ मिलाने से पेप्सिको को क्षेत्रीय बाजारों में पैठ बनाने और मैन्युफैक्चरिंग में तालमेल बिठाने में मदद करेगा।

देसी कंपनियों का धमाल

साल 2013 में भी पेप्सिको ने बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के बारे में बात की थी। उस समय पेप्सिको की ग्लोबल सीईओ इंदिरा नूई भी इस डील को लेकर काफी उत्साहित थीं। लेकिन, पेप्सिको 49-51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहती थी जबकि बालाजी वेफर्स के मालिक विरानी परिवार इतनी हिस्सेदारी बेचने को तैयार नहीं था। इसलिए, यह डील नहीं हो पाई।

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार: मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे। स्पोटर्सस्टार प्लेकॉम~ बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो ।

इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा। खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने

कहा, इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें। उन्होंने कहा, पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है।

खिलाड़ियों के हितों की रक्षा

खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं। मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है । उन्होंने कहा, हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखें, वे हमें नहीं हरा सकते: योगराज सिंह

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान टीम हमें नहीं हरा सकती है। बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, भारत-पाकिस्तान मैच को मैच की तरह ही लिया जाना चाहिए। इसे लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को सियासत में नहीं खींचना चाहिए। इससे ज्यादा मैच पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसका क्या फायदा हुआ। हम खेलते तो जीत कर आते। उस समय नहीं खेले तो फिर अब क्यों खेल रहे हैं। जब भी मौका मिले भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना चाहिए। आज की तारीख में पाकिस्तान टीम ऐसी नहीं है कि भारत को हरा सके। उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक आईपीएल है, भारतीय क्रिकेट को कोई पछाड़ नहीं सकता। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का हाथ था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदुर चलाकर पीओके स्थित आतंकी ठिकाने नष्ट किए थे। सैन्य संघर्ष के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध न रखने की बात कही थी। माना जा रहा था कि एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच स्थगित हो सकता है। लेकिन, टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले भारत सरकार ने एशिया कप को वैश्विक टूर्नामेंट बताते हुए भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ खेलने की अनुमति दी थी।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट को तूल न दे, सरकार अपना काम कर रही है: कपिल देव

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ प्रीमियर लीग में सेमीफाइनल लाइनअप तय हो गई है। पहले सेमीफाइनल में अल्ट्रूइस्टियन का मुकाबला कैपिटल स्ट्राइकर्स से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चंडीगढ़ किंग्स और पंचकुला बैशर्स आमने-सामने होंगे। यह दोनों मुकाबले शुक्रवार को सेक्टर-16 क्रिकेट स्टेडियम में यूटी क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजन में खेले जाएंगे। गुरुवार को अल्ट्रूइस्टियन ने तालानोआ टाइगर्स को 18 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए अल्ट्रूइस्टियन ने 155/7 का स्कोर खड़ा किया, जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज संचित साहू ने 53 गेंदों पर 58 रन बनाए, जबकि नाबाद हर्षित सिंह (23 रन, 11 गेंद) और प्रीत यादव (23 रन, 14 गेंद) ने ताबड़तोड़ पारी खेली। टाइगर्स की ओर से गौरव गंभीरा (3/27) और हार्दिक चौधरी (2/21) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए तालानोआ ने अच्छी शुरुआत की। नेहल पाजनी ने 53 रन और जशन बेनीवाल ने 27 गेंदों पर 37 रन बनाए, लेकिन मिडिल ऑर्डर लड़खड़ा गया और पूरी टीम 19.4 ओवर में 137 रन पर सिमट गई।

अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान मैच से पहले उगला जहर

बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच होना है। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस मुकाबले को बहिष्कार करने की मांग हो रही है। हालांकि, भारत सरकार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इस मुकाबले को खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगला है। अफरीदी का बयान हैरानी भरा नहीं है। वह पहले भी भारत और भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया समा टीवी का एक वीडियो वायरल है, जिसमें शाहिद अफरीदी अनर्गल बात करते हुए यह कहते हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। कुछ खिलाड़ी जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं। अफरीदी का वीडियो नीचे देख सकते हैं।

शाहिद अफरीदी ने क्या कहा?

अफरीदी ने कहा, वहां पे बहुत ज्यादा है। घरों तक पहुंच जाते हैं। घर जलाने की धमकियां देते हैं उन खिलाड़ियों को। कुछ ऐसे हैं जो वहां साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं। और एशिया कप में जाके कमेंट्री भी कर रहे हैं।

हिंसक प्रदर्शनों के कारण बदला वेन्यू

नेपाल से छीना लिया गया टी20 वर्ल्ड कप होस्ट करने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार आयोजित होने जा रहे महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले बड़ा बदलाव कर दिया गया है. नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसे टूर्नामेंट का न्यूट्रल वेन्यू चुना गया था, अब हटा दिया गया है. इसकी वजह बनी नेपाल में चल रही राजनीतिक अस्थिरता और हालिया हिंसक प्रदर्शन. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेला जाएगा, जिसमें सात देशों की टीमें हिस्सा लेंगी - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका. इस टूर्नामेंट में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलें खेले जाएंगे.

अब हालात बिगड़ने के कारण भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ ने घोषणा की कि नेपाल में चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते वहां मैच आयोजित करना सुरक्षित नहीं है. ऐसे में पाकिस्तान के मुकाबलों के लिए नया दूसरा न्यूट्रल वेन्यू जल्द तय किया जाएगा.

क्यों हटाया गया नेपाल का वेन्यू?

पहले बनाई गई योजना के तहत यह टूर्नामेंट नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए, पाकिस्तान के मैचों के लिए काठमांडू को न्यूट्रल वेन्यू बनाया गया था ताकि पाकिस्तान भी इस टूर्नामेंट में भाग ले सके.

भारतीय टीम की तैयारियां

भारत इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के साथ-साथ मजबूत दावेदार भी है. पिछले साल 2023 में हुए आईबीएसस वर्ल्ड गेम्स में भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता था.

उस समय ब्लाइंड क्रिकेट का डेब्यू भी हुआ था. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी. भारतीय टीम में देश भर से 56 खिलाड़ियों की खोज के बाद 16 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है. कर्नाटक की दीपिका टीसी को कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम को उपकप्तान बनाया गया है.

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप: 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन, पदकों का खाता अब तक नहीं खुला

निंगबो (चीन), एजेंसी। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। मेहुली ने क्वालीफिकेशन राउंड में 583 अंक बनाकर 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी 66 निशानेबाजों के बीच 580 अंक के साथ 45वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में भाग ले रही तीसरी भारतीय निशानेबाज सुरभि भारद्वाज 578 अंक के साथ 52वें स्थान पर रहीं।

इंडिया-पाकिस्तान एशिया कप 2025:

पाकिस्तान के 5 स्पिनर्स भारत के लिए खतरा कोच माइक हेसन की वॉर्निंग..कुलदीप की स्पिन पर कही ये बात

क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है. दोनों देशों के बीच 14 सि?तंबर को एशिया कप में यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला होना है. ऐसे में दोनों देशों के स्पिनर्स में कौन बेहतर है, भारत से टक्कर लेने को पाकिस्तानी टीम कितनी तैयार है? इस पर पाकिस्तानी टीम के हेड कोच माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान माइंड गेम खेला.

दरअसल, हेसन ओमान संग शुक्रवार (12 सितंबर) को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित कर रहे थे. वहीं उन्होंने इस दौरान भारत संग मुकाबले पर भी बात की. हेसन ने कहा- हम जानते हैं कि भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें पूरा आत्मविश्वास है और यह स्वाभाविक भी है. हम टीम के रूप में हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं. हम आगे को लेकर चिंता नहीं कर रहे हैं, लेकिन चुनौती की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. हम इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

कौन हैं पाकिस्तानी टीम में 5 स्पिनर्स?

हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हमारी ताकत यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं. मोहम्मद नवाज इस समय दुनिया के बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं. इसके अलावा हमारे पास अबरार अहमद और सुफियान मुकीम भी हैं, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सैम अयूब अब दुनिया के टॉप टेन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं, जो उनके गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार का नतीजा है. सलमान अली आगा ने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वह पाकिस्तान के टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिनर हैं.

इस दौरान पाकिस्तानी कोच हेसन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया. उन्होंने स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की तारीफ की. हेसन ने बताया कि नवाज का पाकिस्तान टीम में वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण रहा है. पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाने के बावजूद, नवाज ने शानदार प्रदर्शन किया है.

उन्होंने हाल ही में यूएई में हुए ट्राई-सीरीज फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली और पांच विकेट भी चटकाए. हेसन ने कहा कि नवाज इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उनकी भूमिका टीम के लिए अहम साबित होगी.

कुलदीप यादव पर पाक कोच ने क्या कहा?

पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने यह भी कहा कि दुबई की पिच पर उतनी स्पिन नहीं मिलने की संभावना है, जितना शारजाह में था. हेसन ने कहा-देखिए, मुझे नहीं लगता कि आप उम्मीद कर सकते हैं कि दुबई की पिच शारजाह की तरह बहुत स्पिन करेगी. जब कुलदीप यादव न यूएई के खिलाफ गेंदबाजी की थी, तब भी बहुत अधिक स्पिन नहीं मिलती थी. लेकिन जब आपके पास ऐसे रिस्ट स्पिनर हैं, तो सतह की ज्यादा अहमियत नहीं रहती.

पंजाब में फुटबॉल क्रांति: पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

मोहाली, एजेंसी। पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है। इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा।

बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: सेंट्रल जोन का स्कोर 200 रन पार कप्तान रजत पाटीदार शतक लगाकर आउट, साउथ जोन 149 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है।

आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया। खबर लिखे जाने तक टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 276 रन बना लिए हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन) लगाकर आउट हुए। ओपनर अक्षय वाडकर 22, दानिश मालेवार 53 और शुभम शर्मा 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

1. अलग पूजा कक्ष बनवाएं- घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थलों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं।
2. रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखेंःपूजा स्थल को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्टबीन और बाकी का कूडा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुँचेगा।
3. मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है-अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों। मंदिर एक पवित्र स्थान होता है, इसका पूरा ख्याल रखें।
4. मंदिर में कभी ताला न लगाएं-कई लोग ऐसे मंदिर रखते हैं कि पूजा करने के बाद उसे लॉक कर दें। ऐसा कतई न करें। मंदिर, पूता के लिए होता है न कि भगवान को अंदर बंद रखने के लिए। मंदिर को खुला रहने दें, इससे घर व उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।
5. मंदिर की नियमित सफाई करें- आप प्रतिदिन स्नान करते हैं तो मंदिर हर दिन क्यों साफनहीं कर सकते। घर के अन्य हिस्सों की तरह मंदिर की सफाई भी प्रतिदिन कीजिए। हर मूर्ति व तस्वीर को साफकरें, इससे आपको ही अच्छा महसूस होगा।
6. घर पर कितनी मूर्तियां रखें-मंदिर में सिर्फभगवान होते हैं वहां भौतिकवादिता की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन घरों में हम पारिवारिक जीवन जीते हैं इसलिए बहुत ज्यादा मूर्ति या तस्वीरें रखने की आवश्यकता नहीं होती है। घर पर कुछ सीमित ही मूर्तियों व तस्वीरों को रखना चाहिए, जोकि निम्न प्रकार हैं।
7. लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वतीःकई लोगों का मानना है कि तीनों की मूर्ति आप रख सकते हैं लेकिन कई बार, पुजारियों व विद्वानों के द्वारा इन तीनों देवियों की मूर्ति एक साथ रखने को मना किया जाता है। मानते हैं कि इससे घर में बुरा होता है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पडता है। गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी का पूजन, दीपावली पर होता है तो इस प्रकार लक्ष्मी जी हर घर में प्रवेश करती हैं। हां, गणेश जी की मूर्ति को आप घर में किसी भी स्थान पर आराम से रख सकते हैं।
8. दो शिवलिंग :घर के मंदिर में शिवलिंग रखना निषिद्ध होता है। कई लोग एक ही शिवलिंग रखना सही मानते हैं, जबकि कायदानुसार एक भी शिवलिंग को नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग को सिर्फधार्मिक स्थलों पर ही रखना चाहिए।
9. मूर्तियां व चित्रों को लेकर नियम : घर में कभी भी कृष्ण या राधा / रूक्मिणी या मीरा की तस्वीर को नहीं लगाना चाहिए।

भगवान कार्तिकेय की उनकी दोनों पत्नियों वाल्ली और देवासेना के साथ भी कोई फोटो न लगाएं। गणेश भगवान की रिद्धि और सिद्ध के साथ भी मूर्ति या तस्वीर लगाना, शास्त्रों में मना किया गया है। माना जाता है इससे शादी में समस्या आती है।

10. मूर्तियों को क्रम से लगाएंःब्रहमा, विष्णु और महेश की मूर्तियों को सही क्रम में लगाएं।

तुलसी की गंध से क्यों प्रसन्न होते हैं पितृदेव

धर्मशास्त्रों में श्राद्ध के दौरान तुलसी के महत्व को बताया गया है, जिसकी गंध से पितृ प्रसन्न होते हैं और विष्णु लोक जाते हैं। श्राद्ध में काले तिल, जौ, चावल, और गाय के दूध से बने पदार्थ प्रशस्त माने जाते हैं। श्राद्ध करते समय किस सामग्री का प्रयोग करना चाहिए, किसका नहीं, इन सब बातों की जानकारी प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है, श्राद्ध में तुलसी दल के प्रयोग की महिमा भी बताई गई है। धर्मशास्त्रों में श्राद्ध में तुलसी दल की महिमा का बखान मिलता है, तुलसी दल की गंध से पितृ प्रसन्न होकर गरुड़ पर आरूढ़ हो विष्णु लोक को चले जाते हैं। तुलसी दल से पिण्डार्चन किए जाने पर पितृ लोग प्रलय पर्यन्त तृप्त रहते हैं। इस विषय में धम शास्त्रों का प्रमाण है,

श्राद्ध करते समय इन बातों का भी रखें ध्यान

तिल को देव अन्न कहा गया है, काला तिल ही वह पदार्थ है जिससे पितृगण संतुष्ट होते हैं, इसलिए काले तिल से ही श्राद्धकर्म करने का विधान है।

श्राद्ध क्रिया दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके ही करनी चाहिए।

श्राद्ध बिना आसन के नहीं करना चाहिए, कुशा के आसन को श्रेष्ठ माना गया है, लकड़ी के पट्टे को आसन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है लेकिन उसमें लोहे की कील नहीं लगी होनी चाहिए, ऊन, रेशम के आसन का भी प्रयोग किया जा सकता है, ऐसा श्राद्धकल्पलता में विवरण प्राप्त होता है।

श्राद्ध में प्रशस्त अन्न-फलादि- श्राद्ध में तिल, जौ, सांवां, चावल, गेहूं, गाय के दूध एवं उससे बनी हुई वस्तुएं, मधु, चीनी, महाशाक, बेल, आंवला, अंगूर, कटहल, अनार, अखरोट, कसेरू, नारियल, खजूर, नारंगी, बेर, सुपाड़ी, अदरक, जामुन, परवल, गुड़, कमलगट्टा, नींबू, पीपल आदि शाक श्राद्ध में प्रशस्त कहे गए हैं, जिनका प्रमाण वायु पुराण, श्राद्धचन्द्रिका, श्राद्धविवेक, श्राद्धप्रकार, श्राद्धकल्प में मिलता है।

श्राद्ध में निषेध अन्न- कोदो, चना, मसूर, बड़ा उड़द, कुलथी, सत्तू, मूली, काला जीरा, टेंटी, कैथ, खीरा, काला नमक, लौकी, कुम्हड़ा, बड़ी सरसों, काली सरसों की पत्ती, शतपुष्पी और कोई भी बासी, गला-सड़ा, कच्चा, अपवित्र फल या अन्न निषिद्ध है।

भोजन पात्र- धर्मशास्त्रों के अनुसार सोने, चांदी, कांसे और ताम्बे के पात्र उत्तम हैं, इनके अभाव में पीतल से काम लेना चाहिए, पर केले के पत्ते में श्राद्ध भोजन सर्वथा निषेध है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये हाथ से बने हुए मिटटी के बर्तनों का प्रयोग करना चाहिए। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार मिट्टी के बने हुए बर्तनों के अलावा लकड़ी के बर्तन, पत्तों के दोने (केले के पत्ते का नहीं हों) का भी प्रयोग किया जा सकता है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये चांदी के बर्तनों का प्रयोग विशेष महत्वपूर्ण माना गया है, सोने, ताम्बे और कांसे के बर्तनों का भी प्रयोग किया जा सकता है लेकिन लोहे के बर्तनों का प्रयोग कदापि नहीं करना चाहिए।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आप उनकी खूब केयर करेंगे। आप अपनी आय बढ़ाने के सोर्सो का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन निवेश आपको थोड़ा समझदारी से करना होगा। प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर होगा और फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न होगी, तो आप उसे अपने विचारों से सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपके साथी से रिश्ते भी बेहतर रहेंगे। आप शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपको इधर-उधर की बातों में पड़ने से बचना होगा। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिससे आपको खुशी होगी।

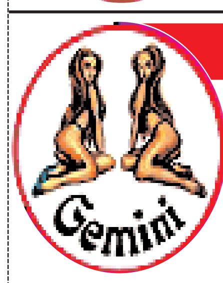

मिथुन आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील मिल सकती है, जिससे उन्हें अपने व्यापार में कुछ नए लोगों को शामिल भी करना पड़ सकता है। आपके काम की गति तेज रहेगी, लेकिन आलस्य के कारण आप कुछ कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। परिवार में छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपको जीवनसाथी की सेहत को लेकर थोड़ा सा सतर्क रहना होगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपको कोई काम बहुत ही संभालकर करना होगा। दूसरों के मामले में बोलने से आपको कोई टेंशन मिल सकती है। आप मित्रों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपको किसी से किए हुए बातें को पूरा करना होगा और आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए बेफिजूल के खर्चों पर रोक लगाने के लिए रहेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे किसी अच्छे अवसर को पाकर काफी खुश होंगे। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जो लोग किसी को पसंद करते हैं, वह उनसे अपने प्रेम का इजहार कर सकते हैं। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी, लेकिन आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा।

तुला आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके सहयोगी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोग किसी परीक्षा को देने जाएंगे। आपकी व्यवसाय में मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी होगी। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें।

वृश्चिक आज का दिन व्यापार में वृद्धि लेकर आने वाला है। कारोबार में आपको पार्टनरशिप में कोई काम करने से बचना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिसके बाद आप अपने घर किसी तरह का पूजा पाठ का आयोजन कर सकते हैं। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे। आपको अपनी कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा और आपकी आय बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए खर्चो से भरा रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको किसी काम की वजह से अचानक अपने कामों में बदलाव करना पड़ सकता है। जिससे आपका डेली रूटीन बिगड़ेगा। आपको यदि कोई दिल से संबंधित समस्या हो, तो उसको लेकर आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी कोई प्रॉपर्टी को लेकर डील अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है।

मकर आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। पारिवारिक जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग आप पर बना रहेगा। भाई- बहनों से आपकी खूब पटेगी। जीवनसाथी के लिए आप कोई उपहार लेकर जा सकते हैं। आपके बिजनेस में धन को लेकर कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको किसी की बातों पर भरोसा करने से बचना होगा और आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपके रहन-सहन के स्तर में भी सुधार आएगा। आप वैवाहिक जीवन में आप तालमेल बनाकर चलेंगे, जिससे आपकी साथी के साथ बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। आपको यदि संतान के करियर को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होते दिख रही है। आपको अपनी माताजी से कोई भी बात गुप्त नहीं रखनी है।

मीन आज का दिन आपके लिए कुछ नई चुनौतियां लेकर आएगा, लेकिन आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें और अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें। जीवनसाथी को नौकरी में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने पुराने कार्यों को भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे और सेहत में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा, जिसमें आपको लापरवाही नहीं करनी है।

संक्षिप्त समाचार

पति नपुंसक, ससुर करते हैं पोते के लिए सेक्स की मांग; पूर्व एसीपी की बहू के आरोप

पुणे , एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने ससुर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। खबर है कि आरोपी पूर्व पुलिस उपायुक्त है। महिला के आरोप हैं कि रिटायर्ड अधिकारी ने उनके साथ संबंध बनाने की कोशिश की। साथ ही उन्होंने पति और सास पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल, मामले की जांच जारी है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व एसीपी के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। पुलिस के अनुसार, महिला के आरोप हैं कि उनका पति बच्चे पैदा करने में असमर्थ है। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टर से बात करने, फर्टिलिटी ट्रीटमेंट लेने या गोद लेने पर विचार करने के बजाए उनपर दबाव डाला गया कि ससुर के जरिए बच्चे पैदा करो। महिला ने पति और सास पर दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों की शादी करीब 5 महीने पहले हुई थी। इसके बाद दोनों हनीमून के लिए महाबलेश्वर गए थे। यह यात्रा उन्होंने शादी के 15 दिन बाद की थी। महिला ने बयान दिया है कि उनके दोनों के बीच कभी शारीरिक संबंध नहीं सके। महिला के आरोप हैं कि पति ने हनीमून के दौरान शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया था। महिला का दावा है कि वह कथित नपुंसकता की वजह से ऐसा कर रहे थे। महिला ने पुलिस में शिकायत दी है कि उनके ससुर ना सिर्फ डिमांड करते हैं, बल्कि कई मौकों पर उनके कमरे में आ गए। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाने के लिए कह रहे थे।

दो दोस्तों ने अजगर को पकड़ा, उसे मारकर करी बनाकर खा गए; पुलिस ने किया गिरफ्तार

मलप्पुरम, एजेंसी। वन विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रेंज अधिकारी सुरेश पी और उनकी टीम ने प्रमोद के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान अजगर के अवशेष और पकाया हुआ व्यंजन जब्त किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दूसरी ओर, दुर्लभ और घातक मस्तिष्क संक्रमण अमीबिक मेनिन्जोएन्सेफलाइटिस से केरल में मौतों का सिलसिला जारी है। कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में एक मरीज की मौत हो गई, जिसके साथ राज्य में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। मलप्पुरम जिजे के चेलांब्रा निवासी 47 वर्षीय शाजी को 9 अगस्त को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उनकी हालत गंभीर हो गई थी और गुरुवार तड़के उनका निधन हो गया। शव को आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शाजी इस संक्रमण की चपेट में कैसे आए। यह रोग आम तौर पर दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा के कारण होता है। फिलहाल कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में इस संक्रमण से ग्रस्त 10 मरीजों का उपचार हो रहा है।

नोएडा में खूब बन रहीं अवैध इमारतें, कार्रवाई के नाम पर बस खानापूर्ति

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सालारपुर, हाजीपुर, भंगेल और बरौला में बड़ी संख्या में अवैध इमारतें खड़ी हो गई हैं। अवैध तरीके से फ्लैट की बिक्री भी की जा रही। प्राधिकरण और प्रशासन के अधिकारी इन्हें रोक पाने में नाकाम साबित हो रहे। प्राधिकरण का दावा है कि अवैध इमारतों पर कार्रवाई के लिए नोटिस चस्पा किए गए हैं। विज्ञापन भी प्रकाशित करा रहे। साथ ही पुलिस और प्रशासन को रिपोर्ट भी भेजी है। जल्द ही अवैध निर्माण करने वालों को भूमाफिया घोषित कर इन इमारतों को ध्वस्त किया जाएगा। दरअसल, महर्षि आश्रम के पास बीते दो वर्षों में एक नई शाहबेरी का निर्माण हो चुका है। यहां बड़ी संख्या में इमारत बनाकर अवैध रूप से फ्लैटों की बिक्री की जा रही है। इनमें से अधिकांश इमारतों का निर्माण मानकों का उल्लंघन करके किया गया है। अधिकतर इमारतें आपस में सटी हैं। इससे भविष्य में हादसा होने की संभावना है।

चार्ली किर्क मर्डर केसः एफबीआई ने जारी की संदिग्ध की तस्वीर, हत्यारे को लेकर बड़ा खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पुलिस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क के हत्यारे की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए एफबीआई ने एक तस्वीर जारी की है और संदिग्ध की पहचान में जनता से सहायता मांगी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने गोली चलाने के बाद छत से कूदकर भाग गया था। गौरतलब है कि अमेरिका के यूटा प्रांत में एक कॉलेज में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया कि जिस इलाके से संदिग्ध भागा था, वहां से एक राइफल बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर कॉलेज के छात्रों की उम्र का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हमलावर चीख-पुकार और छात्रों में मची अफरा-तफरी के बीच फरार हो गया। जांच अधिकारी हमलावर की तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों को इस हत्या के उद्देश्य का पता नहीं चल सका है, लेकिन इस घटना ने अमेरिका में बढ़ती राजनीतिक हिंसा को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है, जो हाल के वर्षों में विभिन्न विचारधाराओं के लोगों के बीच देखी गई है।

तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर हुआ ऐतिहासिक और अविस्मरणीय आयोजन

विश्व-मैत्री महोत्सव-धर्म, मैत्री और मानवता का संगम- आरिफ मोहम्मद खान

सम्मेद शिखर जी, 12 सितम्बर 2025 तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर आयोजित विश्व-मैत्री महोत्सव आध्यात्मिक गरिमा और सामाजिक सहभागिता के साथ भव्यता से सम्पन्न हुआ। श्रद्धेय श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस विराट महोत्सव ने सम्पूर्ण झारखंड ही नहीं, बल्कि समस्त भारत को गौरवान्वित किया। बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, गिरिडीह सांसद श्री चंद्रप्रकाश चौधरी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और गौरवशाली बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तथा आचार्य श्री समयसागरजी महाराज के मंगल चित्र अनावरण से हुआ। इसके पश्चात् परम पूज्य निर्यापक श्रवण मुनिश्री समतासागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में मंगल वचनों का लाभ मिला। गुरुवंदना के पावन अवसर पर पूज्य आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका दृढ़मति माताजी ससंघ ने सस्वर मंगलपाठ और प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को आत्मशुद्धि, संयम और धर्ममय जीवन का प्रेरक संदेश दिया।

राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने अपने संदेश में कहा- ÷साधु-संतों की तपस्या, त्याग और धर्ममय जीवन समाज के लिए अमूल्य प्रेरणा है। विश्व-मैत्री महोत्सव जैसे आयोजन राष्ट्र को शांति, सद्भाव और सदाचार की ओर अग्रसर करने वाले प्रकाशपुंज हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज भगवान महावीर के अहिंसा, शांति एवं विश्व मैत्री संदेश की दुनिया को ज्यादा जरूरत है।''

गिरिडीह सांसद श्री चंद्रप्रकाश चौधरी ने इसे सम्पूर्ण झारखंड का गौरव बताते हुए कहा- ÷सम्मेद शिखर जी की पावन भूमि पर इतना विराट आयोजन होना भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को नई ऊँचाई देने वाला है।÷

श्रद्धेय श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा- ÷साधु-संतों का सान्निध्य ही जीवन की सबसे बड़ी धरोहर है। जब साधना और तप की अग्नि समाज में प्रकाश फैलाती है, तब मानवता अपने चरम सौंदर्य को प्राप्त करती है। इस महोत्सव ने हजारों आत्माओं को संयम, शांति और मैत्री का अमृतपान कराया है। विश्व-मैत्री महोत्सव केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह मानवता को जोड़ने, धर्म की शाश्वत ज्योति को प्रज्वलित रखने और समूचे समाज को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प है। आज हमें यह समझना होगा कि धर्म का असली उद्देश्य पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मा में करुणा, जीवन में संयम और समाज में सद्भाव जगाना है। जब मनुष्य धर्म और मैत्री के पथ पर चलता है, तभी उसका जीवन सार्थक बनता है और राष्ट्र उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने आगे कहा कि आज की विभाजित और तनावग्रस्त दुनिया को शांति और सद्भाव की सबसे अधिक आवश्यकता है। यह महोत्सव एक नए युग की शुरुआत है, जहाँ सीमाएँ मिटेंगी और समग्र मानवता एक परिवार की तरह जीना सीखेगी। आयोजन का समन्वय मनोज चयन इशिका एवं अजय जैन गंगवाल ने किया। सहयोग में श्री ताराचंद जैन (अध्यक्ष, दिगंबर जैन धार्मिक न्यास परिषद, झारखंड), संजय पाटनी एवं सानो पाटनी सहित अनेक व्यक्तित्व सक्रिय रहे।

इस अवसर पर समाजहित और उत्कृष्ट योगदान देने वाले पंकज सोनी (समाज गौरव सम्मान), डॉ. संजय कुमार (विद्या वारिधि सम्मान), ब्रह्मचारी धीरज भैयाजी (आध्यात्मिक सेवाभाव सम्मान), अजय जैन गंगवाल (संयोजन गौरव सम्मान) और श्रीमती मोनिला जैन (सांस्कृतिक समर्पण सम्मान) सहित कई व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

मणिपुर में भाजपा सदस्यों ने दिया सामूहिक इस्तीफा, 43 ने छोड़ी पार्टी

इंफाल , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर के संभावित दौरे से कुछ दिन पहले राज्य के उखरुल जिले के फुंग्यार निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कम से कम 43 सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता से गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। नगा बहुल जिले में पार्टी के फुंग्यार मंडल से इस्तीफा देने वालों में मंडल अध्यक्ष, महिला, युवा और किसान मोर्चा के प्रमुख एवं निर्वाचन क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष शामिल हैं।

भाजपा सदस्यों ने एक बयान में कहा कि वे ''पार्टी के भीतर वर्तमान स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं'' और ''परामर्श, समावेशिता और जमीनी स्तर के नेतृत्व के प्रति सम्मान की कमी'' को इस कदम के पीछे प्रमुख कारण बताया। इसमें कहा गया, ''पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति हमारी निष्ठा सदैव अटूट रही है। हम अपने समुदाय और मणिपुर के लोगों के कल्याण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं।'' प्रधानमंत्री के शनिवार को मणिपुर पहुंचने की संभावना है, जो मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मेइती और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पूर्वोत्तर राज्य की उनकी पहली यात्रा होगी। इस हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है तथा हजारों लोग बेघर हुए हैं। फरवरी में एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भंवरी देवी के वारिसान को पेंशन नहीं

जोधपुर, एजेंसी। बहुचर्चित एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड से जुड़ा मामला एक बार फिर राजस्थान हाईकोर्ट में गूंजा है। हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद मृतका भंवरी देवी के वारिसान को पेंशन और सेवा परिलाभ नहीं दिए जाने पर दाखिल अवमानना याचिका में अब अदालत ने सख्ती दिखाई है। जस्टिस रेखा बोराणा की एकलपीठ ने 21 माह से आदेश की पालना न होने पर अवमानना याचिका में नोटिस जारी कर चिकित्सा सचिव, जोधपुर सीएमएचओ, पेंशन विभाग व एलआईसी समेत संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मृतका भंवरी देवी के पुत्र साहिल पेमावत व दोनों पुत्रियों की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने यह अवमानना याचिका पेश की। याचिका में कहा गया कि 1 सितंबर 2011 को हुई भंवरी देवी की हत्या के बाद से अब तक बकाया सेवा परिलाभ और नियमित पेंशन नहीं दी गई है। हाईकोर्ट ने 12 जनवरी 2024 को रिट याचिका स्वीकारते हुए स्पष्ट आदेश दिया था कि मृतका के समस्त बकाया सेवा परिलाभ, देय पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ की गणना कर समस्त एरियर का भुगतान चार माह के भीतर वारिसान को किया जाए। साथ ही आदेश में ब्याज सहित भुगतान का भी प्रावधान किया गया था। अदालत ने यह भी छूट दी थी कि चिकित्सा विभाग, मृतका के मृत्यु संबंधी आवश्यक सूचना और सर्विस बुक अधीनस्थ न्यायालय से आवेदन कर प्राप्त कर सकेगा। इसके बावजूद आदेश की पालना नहीं हुई। याचिका में बताया गया कि 21 माह बीतने के बाद भी न तो पेंशन दी गई और न ही सेवा परिलाभ का भुगतान किया गया। उल्टा, जोधपुर सीएमएचओ कार्यालय ने भंवरी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र न होने का बहाना बनाकर मामले को अटका रखा है। जबकि हकीकत यह है कि तत्कालीन जोधपुर सीएमएचओ ने ही 16 जनवरी 2012 को आदेश जारी कर भंवरी देवी को मृत मानते हुए सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया था।

इतना ही नहीं, निदेशक चिकित्सा विभाग जयपुर ने 28 फरवरी 2012 को भंवरी देवी के पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति भी प्रदान की थी।

राजस्थान में रातें हुई ठंडी, दिन में बढ़ी गर्मी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीते कुछ दिनों से बारिश का दौर थमने के बाद मौसम शुष्क हो गया है। गुरुवार को पूरे प्रदेश में धूप खिली रही और आसमान साफ नजर आया। मौसम में नमी बढ़ने के कारण गर्माहट महसूस हुई, वहीं कुछ शहरों में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। श्रीगंगानगर, बीकानेर, फलोदी और पिलानी में अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि देखी गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले दो सप्ताह का पूर्वानुमान जारी किया है। अनुमान के अनुसार, 16 सितंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। इस दौरान धूप और साफ आसमान के चलते दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। वहीं, 17 सितंबर से मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, खासतौर पर पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग के जिलों में बारिश की गतिविधियां शुरू होंगी। गुरुवार को प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान श्रीगंगानगर में 35.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हाल ही में हुई अच्छी बारिश के बाद अब वातावरण में नमी का स्तर बढ़ गया है। इसका असर न्यूनतम तापमान पर भी देखने को मिल रहा है। जोधपुर, जैसलमेर, कोटा और अजमेर समेत कई शहरों में रात का तापमान औसत से दो डिग्री तक नीचे दर्ज किया गया। इससे रात के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। सिरोही में गुरुवार को राज्य का सबसे कम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके अलावा अन्य जिलों में न्यूनतम तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक राजस्थान के अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। दिन में धूप खिलने और साफ आसमान के चलते दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़ सकता है। हालांकि, रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा जिससे कई इलाकों में हल्की ठंडक बनी रहेगी। 17 सितंबर से एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग में बारिश का दौर शुरू होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के दूसरे पखवाड़े में होने वाली यह बारिश खरीफ फसलों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। वहीं, बारिश से तापमान में भी गिरावट आएगी और लोगों को गर्माहट से राहत मिलेगी। प्रदेश में हाल ही में हुई बारिश से फसलों को अच्छा लाभ मिला है। अब मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना किसानों के लिए और राहत लेकर आ सकती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर के मध्य में होने वाली बारिश से खेतों में नमी बरकरार रहेगी और देर से बोई गई फसलों को सहारा मिलेगा। दूसरी ओर, आमजन को भी दिन में पड़ रही गर्माहट से छुटकारा मिलेगा। वर्तमान में दिन में धूप और बढ़ती नमी के कारण मौसम थोड़ा असहज हो रहा है। ऐसे में मानसूनी बारिश से मौसम सुहावना होगा और न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

ट्रंप ने फिर किया टैरिफ वार!

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और चीन पर बड़ा आर्थिक दबाव बनाने की बात कही है। उन्होंने जी7 देशों से कहा है कि वे भारत और चीन द्वारा रूस से खरीदे जा रहे तेल पर 100 प्रतिशत तक का भारी टैरिफ लगाएं। ट्रंप का मानना है कि ऐसा करने से रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बनेगा।

क्यों लग सकता है इतना टैरिफ?

अमेरिका का मानना है कि भारत और चीन द्वारा खरीदा गया रूसी तेल, रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध और लंबा खिंच रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी के प्रवक्ता ने कहा कि यह टैरिफ सिर्फ अस्थायी होगा और युद्ध खत्म होते ही हटा लिया जाएगा। इसे अमेरिका की पीस एंड प्रॉस्पेरिटी एडमिनिस्ट्रेशन का हिस्सा बताया गया है।

ट्रंप ने जी7 देशों के साथ-साथ यूरोपीय यूनियन को भी यही सलाह दी थी। यूरोपीय यूनियन इस बात से सहमत नहीं है। श्व का मानना है कि इस तरह के टैरिफ लगाने से भारत और चीन जैसे बड़े देशों के साथ उनके व्यापारिक संबंध खराब हो सकते हैं और बदले की भावना भी पैदा हो सकती है। इसके बजाय श्व 2027 तक रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता खत्म करने और रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। अगर अमेरिका श्व और जी7 देश मिलकर भारत और चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाते हैं, तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। रूस सस्ते में तेल बेचता है और अगर यह सौदा महंगा हो गया तो भारत और चीन में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और भी बढ़ जाएगी। जिससे अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा। ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों के लिए भी ट्रंप की बात मानना मुश्किल होगा, क्योंकि उनके भारत के साथ अच्छे व्यापारिक और रक्षा संबंध हैं। भारत और ब्रिटेन ने हाल ही में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि फ्रांस भारत का एक बड़ा सैन्य खरीददार है।

भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी... टैरिफ तनाव पर बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच संबंध रूसी तेल खरीद पर अटके हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के तौर पर नियुक्त किए गए सर्जियो गोर ने सीनेट के सामने अपने बाकी अमेरिकी साथियों की तरह एक बार फिर से इस बात को दोहराया कि भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी। हालांकि सर्जियो गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे टैरिफ तनाव को बस कुछ हफ्तों का बताया। उन्होंने गुरुवार को यह भरोसा जताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही यह तनाव सुलझ जाएगा। इतना ही नहीं गोर ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच में बहुत थोड़ी सी बातों को लेकर मतभेद हैं, जिन्हें जल्दी ही सही कर लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर ने सीनेट के सामने अपना संबोधन देते हुए भारत को अमेरिका रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसका भविष्य उस क्षेत्र और उससे आगे के भविष्य को आकार देगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, मैं इस साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सीनेट के सामने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए गोर ने कहा, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता इसे क्षेत्र की आधार शिला और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। इस वजह से यह दोनों देशों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। गोर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के बीच में अविश्वसनीय संबंध हैं।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन
बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा